

भारत का लोक सेवा प्रसारक

वार्षिक रिपोर्ट

2022-23





भारत का लोक सेवा प्रसारक

वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

विषय-वस्तु

अध्याय 1	प्रसार भारती – एक अवलोकन	1
अध्याय 2	वैश्विक आउटरीच	6
अध्याय 3	क्षमता निर्माण–प्रशिक्षण अवसंरचना	22
अध्याय 4	सामान्य सुविधाएं (आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए)	27
अध्याय 5	मानव संसाधन और प्रशासन	34
आकाशवाणी		
अध्याय 6	आकाशवाणी – तथ्यों पर एक नज़र	44
दूरदर्शन		
अध्याय 7	दूरदर्शन – तथ्यों पर एक नज़र	83
वित्त एवं लेखे		
अध्याय 8	प्रसार भारती – वित्त एवं लेखे	123
अनुलग्नक		
अनुलग्नक-I	दूरदर्शन स्टूडियो केंद्रों की राज्यवार सूची	161
अनुलग्नक-II	राज्यवार दूरदर्शन ट्रांसमीटरों की संख्या	163
अनुलग्नक-III	दूरदर्शन सैटेलाइट चैनलों का विवरण	165
अनुलग्नक-IV	सैटेलाइट जीसैट–15,93.5 ई शैक्षिक 51 चैनलों का डीडी फ्री डिश एसटीबी पर उपलब्ध विवरण	166
अनुलग्नक-V	दूरदर्शन द्वारा लाइव कवर किए गए प्रमुख कार्यक्रम	168
अनुलग्नक-VI	दूरदर्शन की वार्षिक योजना 2022–23 (पूँजीगत संपत्ति का सृजन)	187

अनुलग्नक-VII	वर्ष 2022-23 के लिए आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए सिविल निर्माण स्कंध द्वारा शुरू की गई प्रमुख परियोजनाएं	193
अनुलग्नक-VIII	आकाशवाणी द्वारा वर्ष 2022-23 में महत्वपूर्ण कवरेज, प्रसारण और रेडियो रिपोर्टों का विवरण	199

प्रसार भारती – एक अवलोकन

क. परिचय:

प्रसार भारती (भारत का लोक सेवा प्रसारक) देश का एकमात्र लोक सेवा प्रसारक है, जिसके दो घटक आकाशवाणी (जिसे पहले ऑल इंडिया रेडियो के नाम से भी जाना जाता था) और दूरदर्शन हैं। यह 23 नवंबर 1997 को जनता को सूचित करने, शिक्षित करने और मनोरंजन करने और रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारण के संतुलित विकास को सुनिश्चित करने के लिए लोक प्रसारण सेवाओं को व्यवस्थित और संचालित करने के आदेश के साथ अस्तित्व में आया।

प्रसार भारती ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। सामग्री की लाइव स्ट्रीमिंग, जानकारीपूर्ण नई वेबसाइटें, यू-ट्यूब, मोबाइल ऐप्स और एलेक्सा पर कार्यक्रमों की उपलब्धता ने इन प्लेटफॉर्मों पर प्रसार भारती की जीवंत उपस्थिति सुनिश्चित की है। ट्विटर, इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिए सोशल मीडिया में सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई जा रही है। 800 से अधिक टीवी चैनलों और 388 निजी रेडियो स्टेशन को देखते हुए प्रसार भारती जैसे लोक सेवा प्रसारक की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण है, जून 2022 को समाप्त तिमाही में जो मुख्य रूप से व्यावसायिक कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। प्रसार भारती, देश भर में अपने आकाशवाणी और दूरदर्शन नेटवर्क पर सार्वजनिक सेवा सामग्री का प्रसारण, अत्यधिक व्यावसायिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वातावरण में एकमात्र संतुलन शक्ति है। इसके अतिरिक्त, प्रसार भारती द्वारा समय-समय पर विकसित नैतिक मानदंड और दिशानिर्देश, उद्योग के लिए बेंचमार्क के रूप में काम कर रहे हैं।

ख. उद्देश्य:

प्रसार भारती अधिनियम, 1990 में निर्धारित प्रसार भारती के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार हैं:—

- i) देश की एकता और अखंडता तथा संविधान में दिए गए मूल्यों को अक्षुण्ण रखना।
- ii) राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देना।
- iii) सार्वजनिक हित के सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करने के नागरिक अधिकारों को सुरक्षित रखना और सूचना को उचित और संतुलित रूप में प्रस्तुत करना।
- iv) शिक्षा और साक्षरता के प्रसार, कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की ओर विशेष ध्यान देना।
- v) महिलाओं से संबंधित मामलों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना तथा बच्चों, बुजुर्गों और समाज के अन्य कमजोर वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए विशेष उपाय करना।
- vi) विविध संस्कृतियों, क्रीड़ा व खेलकूद और युवा मामलों को पर्याप्त कवरेज देना।
- vii) सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, श्रमजीवी वर्ग, अल्पसंख्यकों और जनजाति समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना।
- viii) प्रसारण प्रौद्योगिकी में प्रसारण सुविधाओं का प्रसार और विकास तथा शोध को बढ़ावा देना।



ग. प्रसार भारती बोर्ड

प्रसार भारती का संचालन प्रसार भारती बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसमें एक अध्यक्ष, एक कार्यकारी सदस्य (मुख्य कार्यकारी अधिकारी), एक सदस्य (वित्त), एक सदस्य (कार्मिक), छह अंशकालिक सदस्य, सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक प्रतिनिधि और आकाशवाणी और दूरदर्शन के महानिदेशक इसके पदेन सदस्य हैं। अध्यक्ष का कार्यकाल अधिकतम आयु सीमा 70 वर्ष, जो भी पहले हो, के अधीन तीन वर्ष है। कार्यकारी सदस्य का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है, जो पैसठ वर्ष की आयु-सीमा के अधीन, जो भी पहले हो। सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) छह साल के कार्यकाल के साथ पूर्णकालिक सदस्य हैं, जो 62 वर्ष की आयु सीमा के अधीन हैं, जो भी पहले हो। प्रसार भारती बोर्ड की आम तौर पर एक वर्ष में कम से कम छह बैठकें होती हैं।

01.04.2022 से 31.03.2023 तक प्रसार भारती बोर्ड की संरचना इस प्रकार थी:

- अध्यक्ष रिक्त
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शशि शेखर वेम्पटि
(08.06.2022 तक)
श्री मयंक कुमार अग्रवाल
(अतिरिक्त प्रभार 09.06.2022 से 20.11.2022 तक)
श्री गौरव द्विवेदी, आईएएस
(21.11.2022 से)

पूर्णकालिक सदस्य

- सदस्य (कार्मिक) श्री डी.पी.एस. नेगी
(अतिरिक्त प्रभार 02.05.2022 से 20.11.2022 तक)
श्री गौरव द्विवेदी, आईएएस
(अतिरिक्त प्रभार 21.11.2022 से)
- सदस्य (वित्त) श्री डी.पी.एस. नेगी
(01.12.2021 से)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा नामित सदस्य

- अपर सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय श्रीमती नीरजा शेखर, आईएएस
मनोनीत सदस्य

अंशकालिक सदस्य

- श्री अशोक कुमार टंडन 08.07.2020 से
- श्री आलोक अग्रवाल 08.07.2020 से
- श्री संजय गुप्ता 08.07.2020 से
- श्रीमती शाइना एन सी 09.07.2020 से



पदेन सदस्य

- महानिदेशक, दूरदर्शन श्री मयंक अग्रवाल
(28.02.2023 तक)
- महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एन. वेणुधर रेड्डी
(17.05.2022 से 31.08.2022 तक)
सुश्री वसुधा गुप्ता
(12.01.2023 से)

प्रसार भारती बोर्ड की बैठकें

वर्ष 2022-2023 के दौरान प्रसार भारती बोर्ड की छह (173वीं से 178वीं) बैठकें हुईं और विभिन्न बोर्ड समितियों की 16 बैठकें हुईं। इन बैठकों के दौरान कुछ प्रमुख मामलों पर विचार-विमर्श किया गया और साथ ही लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय इस प्रकार हैं:

- निजी टीवी चैनलों को डीडी फ्री डिश के स्लॉट के आबंटन के लिए ई-नीलामी पद्धति में संशोधन।
- डीडी फ्री डिश स्लॉट की ई-नीलामी में भाग लेने के लिए पात्रता मानदंड में संशोधन का अनुसमर्थन।
- डीडी फ्री डिश पर 'शेमारु उमंग' टीवी चैनल की शैली की फिल्में (हिंदी) से जीईसी (हिंदी) में अपग्रेड करना।
- डीडी फ्री डिश पर 'मनोरंजन ग्रैंड' टीवी चैनल की शैली की फिल्में (भोजपुरी) से जीईसी (हिंदी) में अपग्रेड करना।
- वित्त वर्ष 2022-23 के लिए दूरदर्शन चैनलों के संबंध में दर्शक डेटा के लिए स्टेटमेंट ऑफ वर्क (एसओडब्ल्यू) के लिए ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर।
- संशोधित डायरेक्ट असाइनमेंट प्रोसेस (डीएपी) दिशानिर्देशों को मंजूरी।
- सामग्री खरीद नीति।
- 'साईबाबा टेलीफिल्म्स' के साथ विवाद का मध्यस्थता से समाधान।

घ. संगठनात्मक ढांचा

प्रसार भारती बोर्ड निगम के मामलों के सामान्य अधीक्षण, निर्देशन और प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष स्तर पर कार्य करता है। बोर्ड को एक सचिवालय द्वारा सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें कार्यक्रम, तकनीकी, वित्त और प्रशासन के अधिकारी शामिल होते हैं।

कार्यकारी सदस्य प्रसार भारती का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) है। प्रसार भारती सचिवालय में विभिन्न धाराओं के अधिकारी संचालन, योजनाओं और नीतियों के कार्यान्वयन के साथ-साथ बजट, खातों और वित्तीय मामलों के प्रबंधन की देखरेख में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक) की सहायता करते हैं।

आकाशवाणी (एआईआर) और दूरदर्शन (डीडी) निदेशालयों का नेतृत्व संबंधित महानिदेशक (डीजी) करते हैं। आकाशवाणी के समाचार विंग का नेतृत्व महानिदेशक, समाचार सेवा प्रभाग (एनएसडी) द्वारा किया जाता है और दूरदर्शन का महानिदेशक, समाचार और समसामयिक मामले (एन एंड सीए) द्वारा किया जाता है।

महानिदेशकों को कार्यक्रम, प्रशासन और वित्त विंग में अपर महानिदेशक (एडीजी) और इंजीनियरिंग विंग में एक प्रमुख अभियंता द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

निदेशालय नीति निर्माण, योजना और विकास, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी उन्नयन, बजटीय योजना और नियंत्रण, मानव संसाधन प्रबंधन, संचालन और रखरखाव गतिविधियों की देखरेख आदि के लिए जिम्मेदार हैं।

क्षेत्र स्तर के संचालन और प्रबंधन को उत्तरी क्षेत्र (दिल्ली), दक्षिण क्षेत्र (चेन्नई), पूर्वी क्षेत्र (कोलकाता), पश्चिम क्षेत्र (मुंबई) और पूर्वोत्तर क्षेत्र (गुवाहाटी) में क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से निष्पादित किया जाता है। अपर महानिदेशक



स्तर के अधिकारी सामग्री प्रचालन, प्रसारण प्रचालन और प्रशासन के लिए क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं। एक राष्ट्रीय क्षेत्र दूरदर्शन और आकाशवाणी के चैनलों की निगरानी करता है।

प्रसार भारती के मुख्यालय में एक सतर्कता व्यवस्था है, जिसका नेतृत्व एक मुख्य सतर्कता अधिकारी करता है।

आकाशवाणी के विक्रय और बिलिंग गतिविधियों को देश भर में विभिन्न स्थानों पर स्थित 15 मुख्य विज्ञापन प्रसारण सेवा (सीबीएस) केंद्रों (अब नाम बदलकर विक्रय केंद्र किया गया है) के साथ-साथ मुंबई में स्थित केंद्रीय विक्रय एकांश (सीएसयू) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दिल्ली में विज्ञापन राजस्व प्रभाग (सीआरडी) (अब नाम बदलकर पब्लिक आउटरीच सर्विस पीओएस किया गया है) सरकारी व्यवसाय की देखरेख करता है। दूरदर्शन में विक्रय गतिविधियों को मुंबई, नई दिल्ली, कोलकाता और बेंगलुरु में स्थित विज्ञापन राजस्व प्रभागों (सीआरडी) (नाम बदलकर विक्रय प्रभाग किया गया है) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। दिल्ली में स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा (डीसीएस) द्वारा बिलिंग का संचालन किया जाता है।

राष्ट्रीय प्रसारण और मल्टी मीडिया एकादमी (एनएबीएम), जिसका मुख्य कैंप किंग्सवे कैंप, दिल्ली में है, प्रसार भारती की प्रशिक्षण सुविधा है। इसके भुवनेश्वर और शिलांग में क्षेत्रीय कैंप हैं। अकादमी का कार्यक्रम प्रभाग, कार्यक्रम और प्रशासनिक कर्मियों के सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए जिम्मेदार है। तकनीकी प्रभाग इंजीनियरिंग कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। एनएबीएम विभिन्न संवर्गों में भर्ती के लिए परीक्षा सहित कर्मचारियों के लिए विभागीय पदोन्नति परीक्षा भी आयोजित करता है।

अभिलेखागार, अनुसंधान विभाग, सिविल निर्माण स्कंध (सीसीडब्ल्यू) और आकाशवाणी संसाधन आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए सामूहिक सुविधाएं हैं।

12.02.2020 को बनाया गया पीबी भर्ती बोर्ड (पीबीआरबी) भारत सरकार के संयुक्त सचिव के स्तर से नीचे के कर्मियों की भर्ती का काम संभालता है।

च. महत्वपूर्ण गतिविधियां और उपलब्धियां:

- आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) और दूरदर्शन नेटवर्क का आधुनिकीकरण/उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है। आधुनिकीकरण योजनाएं एक व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करती हैं, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ डिजिटलीकरण भी शामिल है; अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना; पुराने उपकरणों का प्रतिस्थापन और उन्नयन आदि। इस संबंध में योजनाएं समय-समय पर तैयार की जाती हैं और सरकार की मंजूरी के अनुसार कार्यान्वित की जाती हैं, जो धन/संसाधनों की उपलब्धता और परस्पर प्राथमिकताओं पर निर्भर करती हैं।
- प्रसारण में उभरते रुझानों और उपभोक्ताओं के देखने के पैटर्न में बदलाव को देखते हुए, प्रसार भारती ने उभरते मानकों के अनुरूप डिजिटल स्थलीय प्रसारण के लिए अगली पीढ़ी के प्रसारण समाधान/रोडमैप विकसित करने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। बेंगलुरु में "नेक्स्ट जेनरेशन ब्रॉडकास्ट टेक्नोलॉजी – डायरेक्ट टू मोबाइल (डी2एम)" हाइब्रिड पीओसी के छोटे पैमाने पर प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट (पीओसी)/ट्रायल के पूरा होने के बाद दिल्ली में हाइब्रिड पीओसी का काम चल रहा है। आईआईटी कानपुर से "नेक्स्ट जेनरेशन ब्रॉडकास्ट टेक्नोलॉजी – डायरेक्ट टू मोबाइल (डी2एम) ट्रायल" पर पीओसी के मूल्यांकन पर रिपोर्ट का इंतजार है। यह रिपोर्ट डिजिटल प्रसारण के लिए उपयुक्त अगली पीढ़ी की प्रसारण प्रौद्योगिकी और रोडमैप के चयन का मार्ग प्रशस्त करेगी। संपूर्ण भारत में प्रासंगिक नीतिगत निर्णय लागू करने के लिए, आवश्यक यूएचएफ स्पेक्ट्रम की उपलब्धता/आबंटन और धन आबंटन की आवश्यकता होगी।
- कंटेंट इनोवेशन एक प्रमुख क्षेत्र है और इसने रेडियो और टेलीविजन में तालमेल देखा है, व्यापक विविधता को संबोधित करने के लिए भाषा प्रवर्धन, और समृद्ध अभिलेखागार से मूल्य पैदा किया है। सार्वजनिक सेवा प्रसारण के अपने प्राथमिक मिशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उद्योग में सर्वश्रेष्ठ के सहयोग से निर्मित नए और अभिनव



स्वरूपों में लोकप्रिय सामग्री ने नेटवर्क पर मनोरंजन को एक नया उत्साह और बढ़ावा दिया है। डीडी इंडिया – दूरदर्शन का अंतर्राष्ट्रीय चैनल – का अंतर्राष्ट्रीय पदचिह्न भी पिछले एक साल में बढ़ा है, जिससे यह दुनिया भर में फैले बड़े भारतीय प्रवासियों के बीच लोकप्रिय हो गया है।

- डीडी फ्री डिश, जो कि फ्री टू एयर (एफटीए) डीटीएच सेवा है, इसके दायरे में शामिल करने के लिए और अधिक बढ़ाया गया है। इसमें 167 टीवी चैनल {38 डीडी चैनल (1 एचडी और होम सहित), 2 संसदीय चैनल, 51 सह-ब्रांडेड शैक्षिक चैनल, 2 विदेशी सार्वजनिक प्रसारण चैनल और 74 निजी जीईसी, मूवी, समाचार, संगीत} और 48 रेडियो चैनल है। वर्तमान में लगभग 43 मिलियन घरों में उपलब्ध है। यह देश का सबसे बड़ा डीटीएच प्लेटफॉर्म है।
- आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों ऐतिहासिक महत्व की सामग्री के अतिरिक्त संगीत, नाटकों, धारावाहिकों आदि के अमूल्य अभिलेखीय संग्रह के भंडार हैं, जिन्हें पूरी तरह से डिजिटल कर दिया गया है और ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।
- 501 ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) के प्रसारण केंद्र, 66 देश भर में फैले दूरदर्शन केंद्र, डीडी फ्रीडिश डीटीएच सेटअप आदि, प्रसार भारती विकासात्मक आउटरीच और वाणिज्यिक संदेश के लिए सबसे प्रभावी संचार प्लेटफार्मों में से एक है।

वैश्विक आउटरीच

प्रसार भारती का ग्लोबल आउटरीच विंग अंतरराष्ट्रीय संबंधों से संबंधित गतिविधियों जैसे विदेशों के लोक सेवा प्रसारकों/संगठनों के साथ समझौता और समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने से संबंधित है। यह प्रसार भारती के सभी कार्यक्षेत्रों में विदेशी प्रसारकों की अधिकारिक यात्राओं, प्रसार भारती के लिए इन-कंट्री / उप-क्षेत्रीय कार्यशालाओं / सम्मेलनों / कार्यक्रमों का आयोजन करने की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें एबीयू एआईबीडी आदि जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रसारण संगठन शामिल होते हैं और विदेशों में या भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं / कार्यक्रमों / सम्मेलनों में इसके अधिकारियों की भागीदारी का समन्वय होता है।

क. वर्ष के दौरान हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) / समझौते:

क्र.सं.	देश	प्रसारक / संगठन	हस्ताक्षर की तारीख	उद्देश्य
1.	दक्षिण कोरिया	केबीएस कोरिया	30.12.2022 को एमओयू का नवीनीकरण 31.12.2023 तक वैध	ओटीटी प्लेटफॉर्म एमवाईकेके पर डीडी इंडिया की मेजबानी।
2.	अर्जेंटीना	रेडियो और टेलीविजन (आरटीए) अर्जेंटीना	22.04.2022	कार्यक्रम विनिमय, सह-निर्माण और प्रशिक्षण
3.	मेडागास्कर	ऑफिस डे ला रेडियो एट डे ला टेलीविज़न पब्लिक्स डे मेडागास्कर (ओआरटीएम)	10.05.2022	कार्यक्रम विनिमय, सह-निर्माण और प्रशिक्षण
4.	फिजी	फिजी टेलीविजन लिमिटेड (एफटीएल), फिजी	04.05.2022	कार्यक्रम विनिमय, सह-निर्माण और प्रशिक्षण
5.	ब्राज़ील	एम्प्रेस ब्राज़ील डी कम्युनिकाकाओ, (ईबीसी)	24.08.2022	कार्यक्रम विनिमय, सह-निर्माण और प्रशिक्षण
6.	थाईलैंड	थाई पीबीएस	17.08.2022	कार्यक्रम विनिमय, सह-निर्माण और प्रशिक्षण
7.	बांग्लादेश	बीटीवी, बांग्लादेश	06.09.2022	बांग्लादेश में डीडी इंडिया चैनल और डीडी फ्रीडिश पर बीटीवी चैनल पारस्परिक आदान-प्रदान पर चलाया जा रहा है।
8.	सर्बिया	पिंक टीवी सर्बिया	26.10.2022	कार्यक्रम विनिमय, सह-निर्माण और प्रशिक्षण
9.	परागुआ	पैराग्वे नेशनल ऑडियो विजुअल इंस्टीट्यूट, एमओआईसीटी, रिपब्लिक ऑफ पैराग्वे	12.12.2022	कार्यक्रम विनिमय, सह-निर्माण और प्रशिक्षण



क्र.सं.	देश	प्रसारक / संगठन	हस्ताक्षर की तारीख	उद्देश्य
10	जर्मनी	डॉयच वेले	12.12.2022	डीडी नेटवर्क पर 'मंथन' के प्रसारण के लिए
11	मिस्र	राष्ट्रीय मीडिया प्राधिकरण, मिस्र	25.01.2023	कार्यक्रम विनिमय, सह-निर्माण और प्रशिक्षण

- पारस्परिक आदान-प्रदान पर फ्रांस में डीडी इंडिया चैनल के प्रसारण और वितरण के क्षेत्र में सहयोग और सहकारिता के लिए प्रसार भारती और फ्रांस मीडिया मॉडे (एफएमएम) के बीच 31.03.2023 को एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। एलओआई पर प्रसार भारती की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रसार भारती, श्री गौरव द्विवेदी और फ्रांस मीडिया मॉडे की ओर से सीईओ एफएमएम सुश्री मैरी क्रिस्टीन सारागोसे ने हस्ताक्षर किए। एलओआई प्रसारण के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रेडियो और टीवी कार्यक्रमों का आदान-प्रदान, फ्रांस में डीडी इंडिया चैनल का वितरण, कार्यक्रमों का सह-निर्माण, क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण आदि में सहयोग के संबंध में है।



22.04.2022 को प्रसार भारती और रेडियो और टेलीविजन अर्जेन्टीना के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए



10.05.2022 को प्रसार भारती और ओआरटीएम मेडागास्कर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान



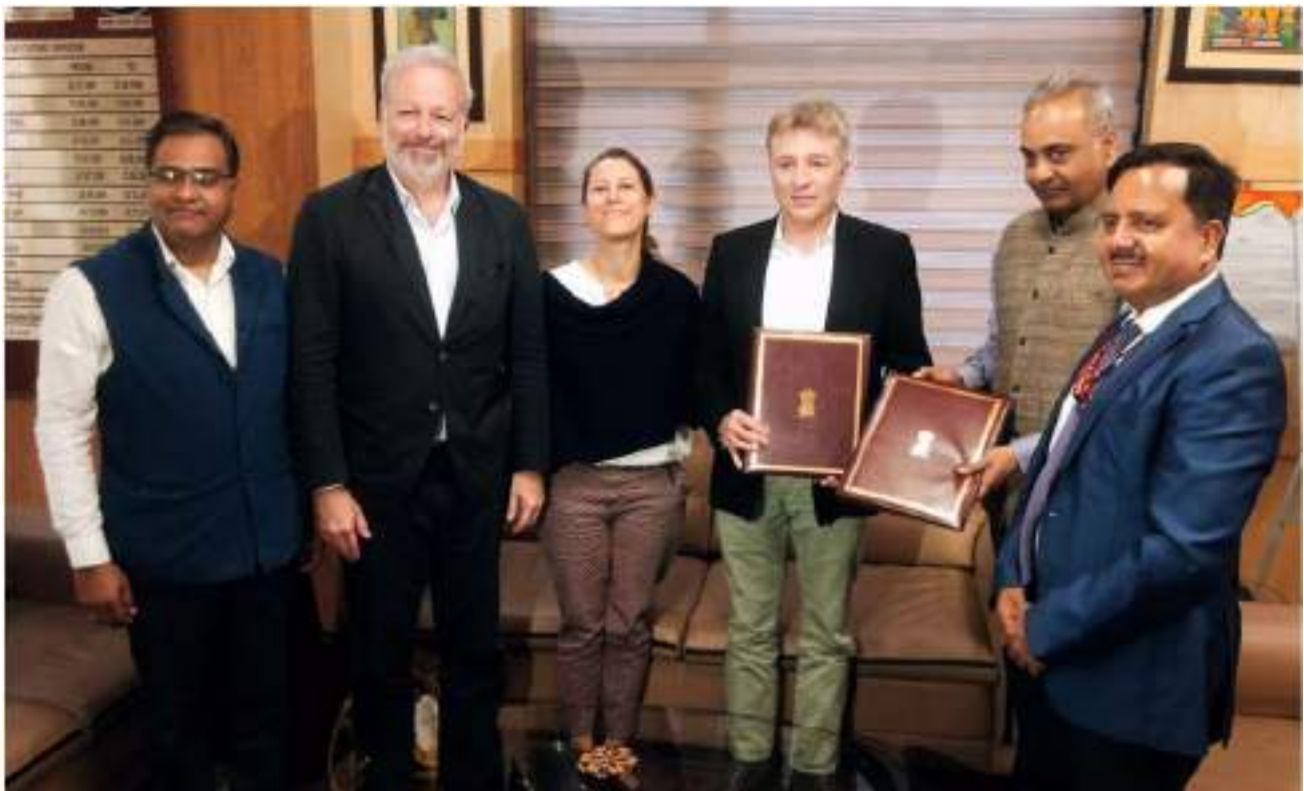
12.12.2022 को प्रसार भारती और पराग्वे गणराज्य के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पराग्वे नेशनल ऑडियो विजुअल इंस्टीट्यूट के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर



06.09.2022 को प्रसार भारती और बीटीवी बांग्लादेश के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान



24.08.2022 को प्रसार भारती और ईबीसी ब्राजील के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान



31.03.2023 को फ्रांस मीडियास मोंडे के साथ आशय पत्र पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान

2. **टीवी कार्यक्रमों का सह-निर्माण:**— ईबीएस, कोरिया के साथ चौथा अंतर्राष्ट्रीय सह-निर्माण अर्थात् 'बीस्ट्स ऑफ एशिया' सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और 23 और 24 अप्रैल 2022 को शाम 5:00 बजे (भारतीय समयानुसार) डीडी नेशनल पर प्रसारित किया गया था।
3. **संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यू जी) का गठन:** प्रसार भारती, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को शामिल करते हुए एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया गया था ताकि दुनिया भर में डीडी इंडिया चैनल के वितरण की संभावनाओं सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रसारकों के साथ प्रसार भारती के सहयोग और सहकारिता को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार की जा सके। संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की 7वीं बैठक सीईओ पीबी की अध्यक्षता में 20.01.2023 को आयोजित की गई थी। श्री अरिंदम बागची, एएस (एक्सपी) विदेश मंत्रालय, श्री सेंथिल राजन, संयुक्त सचिव (सूचना और प्रसारण मंत्रालय) के साथ-साथ आकाशवाणी/दूरदर्शन के दोनों निदेशालयों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया।

ख. राजदूतों/विदेशी प्रसारकों के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और अपर महानिदेशक (जीओ) की बैठकें:—

- विभिन्न देशों के राजदूतों/विभिन्न विदेशी प्रसारकों के अध्यक्षों के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती/अपर महानिदेशक (जीओ) की ऑनलाइन/प्रत्यक्ष बैठकें अर्थात् एटीएस कनाडा, वियतनाम की आवाज (वीओवी), एनटीवी-नेपाल, रेडियो नेपाल, आईआरआईबी, ईरान, पीएसएम मालदीव, टीआरटी तुर्की, यूएसए मीडिया, थाईलैंड टीवीटीएम तुर्कमेनिस्तान, ईबीएस कोरिया, बीपीए किरिबाती, एमएनबी मंगोलिया, एसबीसी सऊदी अरब, केटीआरके किर्गिस्तान, जर्मनी, एमबीसी मॉरीशस, टेलीविजन और रेडियो समिति, ताजिकिस्तान, रेडियो मोज़ाम्बिक, डॉयचे वेले, जर्मनी, यूरोपीय प्रसारण संघ (ईबीयू) के साथ डीडी इंडिया चैनल को बढ़ावा देने के अतिरिक्त, समाचार और प्रसारण, ईबीयू की एसोसिएट सदस्यता के क्षेत्र में आपसी सहयोग आदि के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा और पता लगाने के लिए आयोजन किया गया। जर्मनी के मंत्री/दूतावास के परामर्शदाता डॉ. हेंड्रिक सेले के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती की एक बैठक 12.01.2023 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी के कक्ष में आयोजित की गई, जिसमें इस बात पर चर्चा की गई कि प्रसार भारती "मन की बात" — एक मासिक संबोधन माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा कैसे प्रस्तुत करता है। एनटीवी नेपाल के कार्यकारी अध्यक्ष और नेपाल सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और अपर महानिदेशक (जीओ), प्रसार भारती की एक ऑनलाइन बैठक 10.03.2023 को दोपहर 2.30 बजे भारतीय समयानुसार आयोजित की गई थी, जिसमें डीडी डीटीएच प्लेटफॉर्म पर एनटीवी चैनल ले जाने की संभावना पर चर्चा की गई थी।



26.04.2022 को नई दिल्ली, भारत में डीटीएच टोडापुर में एबीसी ऑस्ट्रेलिया के आईआर प्रमुख सुश्री क्लेयर एम गोर्मन के साथ प्रत्यक्ष बैठक



प्रसार भारती के अपर महानिदेशक (वैश्विक) श्री सुनील की सचिव, सूचना एवं प्रसारण, नेपाल सरकार के साथ 03.05.2022 को काठमांडू, नेपाल में प्रत्यक्ष बैठक



01.12.2022 को महानिदेशक, दूरदर्शन श्री मयंक कुमार अग्रवाल की महानिदेशक एमएनबी मंगोलिया के साथ बैठक



29.11.2022 को रेडियो और एनटीवी नेपाल के प्रतिनिधियों के साथ प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की बैठक



29.11.2022 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती की सीईओ, पीएसएम मालदीव के साथ बैठक



30.11.2022 को ईबीएस कोरिया की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर, सुश्री ह्यूनसुक चुंग के साथ अपर महानिदेशक (ग्लोबल आउटरीच), प्रसार भारती की बैठक

ग. एशिया पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (एबीयू), एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (आईबीडी) और अन्य अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियां:

1. प्रसार भारती को नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्रॉडकास्टर्स (एनएबी) द्वारा एनएबी शो 2022 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जो 22-27 अप्रैल 2022 को लास वेगास, एनवी, यूएसए में आयोजित किया गया था। प्रसार भारती के एक तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने श्री डीपीएस नेगी, सदस्य (वित्त), प्रसार भारती के नेतृत्व में, श्री सुनील, अपर महानिदेशक (वैश्विक), प्रसार भारती और श्री अभिषेक अग्रवाल, उप महानिदेशक दूरदर्शन डीडीके दिल्ली के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया।
2. प्रसार भारती को एबीयू द्वारा डीआरआर के वैश्विक मंच के सिंडिकेटेड कवरेज के लिए 23-28 मई 2022 को डीआरआर के 7वें वैश्विक मंच में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। श्री गौतम रॉय, परामर्श संपादक और सुश्री आर. जयश्री पुरी, डीडी न्यूज़ के कैमरापर्सन और श्री अनूप खजुरिया, सहायक निदेशक कार्यक्रम ने, डीआरआर सह-निर्माण के लिए एशिया ग्रुप के प्रमुख निर्माता के रूप में प्रसार भारती की ओर से इस कार्यक्रम में भाग लिया।
3. एबीयू के महासचिव डॉ. जवाद मोत्ताघी ने आगामी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों 59वां एबीयू जीए, ग्लोबल न्यूज़ फोरम और एबीयू रोबोकॉन 2022 के लिए प्रारंभिक तैयारी के रूप में विभिन्न आवश्यकताओं सहित कार्यक्रम की तैयारी से जुड़े विभिन्न घटकों पर चर्चा करने के लिए 10,13 मई 2022 तक प्रसार भारती का दौरा किया।



एबीयू के महासचिव डॉ. जवाद मोत्ताघी ने प्रसार भारती का दौरा किया



4. श्री अहमद नदीम, निदेशक एबीयू टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, एबीयू और सुश्री नर्गिजा, महासचिव की निजी सहायक, एबीयू ने विभिन्न आवश्यकताओं सहित कार्यक्रम की तैयारी से जुड़े विभिन्न घटकों पर चर्चा करने के लिए 24-27 मई 2022 तक प्रसार भारती का आगामी अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए प्रारंभिक तैयारी के रूप में दौरा किया। 59वीं एबीयू महासभा और एसोसिएटेड बैठक प्रसार भारती द्वारा नई दिल्ली, भारत में आयोजित की गई।
5. प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने टेलीविजन, रेडियो प्रसारण और सिनेमैटोग्राफी के लिए तुर्कमेनिस्तान की राज्य समिति के अध्यक्ष के निमंत्रण पर 22 जून 2022 को मैरी (तुर्कमेनिस्तान) में "आधुनिक समाज के विकास में मीडिया की भूमिका" विषय पर आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय मीडिया फोरम में भाग लिया और मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया।
6. श्री सुनील, अपर महानिदेशक (वैश्विक), प्रसार भारती ने 22.06.2022 को एबीयू की सबसे महत्वपूर्ण बैठक में से एक, एबीयू योजना और रणनीति समूह बैठक (पीएसजी) में प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया।



22.06.2022 को एबीयू योजना एवं रणनीति समूह प्रत्यक्ष बैठक (पीएसजी)

7. राजदूत, भारतीय दूतावास; डबलिन ने श्री मयंक अग्रवाल, महानिदेशक, दूरदर्शन को आमंत्रित किया। व्याख्यान श्रृंखला "इंडिया-आयरलैंड" फ्रेंडशिप लेक्चर सिरीज के तहत एक विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया, जिसे भारत की आजादी के 75वें वर्ष (आजादी का अमृत महोत्सव) और आयरलैंड आजादी के 100 साल के जश्न के तहत एक प्रमुख पहल के रूप में लॉन्च किया गया था। श्री मयंक अग्रवाल, महानिदेशक, दूरदर्शन ने 30.06.2022 को एक विशेष व्याख्यान दिया।

The poster is for the 'Ireland-India Friendship Lecture Series' held at the Embassy of India, Dublin. It features two speakers: Mr. Mayank Kumar Agrawal, CEO of Prasar Bharati and Director General of Doordarshan & DD News, and H.E. Akhilesh Mishra, Indian Ambassador to Ireland. The lecture is titled 'ROLE OF INDIA'S NATIONAL PUBLIC BROADCAST DURING THE PANDEMIC' and includes introductory remarks by the ambassador. The event is scheduled for Thursday, 30 June 2022, at 4.30 PM (9.00 PM IST) on Zoom. It will be live on Facebook and Twitter (@IndiainIreland).

8. एआईबीडी एएमएस (एशिया मीडिया समिट) 2022:

- प्रसार भारती को 25-26 मई 2022 को शिखर सम्मेलन में साथ ही 23-24 मई 2022 को पूर्व कार्यक्रमों के साथ एशिया मीडिया समिट 2022 में भाग लेने के लिए एआईबीडी से निमंत्रण मिला और इसके स्पॉन्सरशिप के लिए प्रसार भारती से अनुरोध किया। श्री मयंक कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष (एआईबीडी जीसी) और महानिदेशक, दूरदर्शन द्वारा स्वागत उद्बोधन किया गया।
 - श्री अनुराग सिंह ठाकुर माननीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री, भारत सरकार ने दिनांक 25-05-2022 को आयोजित एएमएस के मंत्रिस्तरीय सत्र में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और भाषण दिया।
 - श्री शशि शेखर वेम्पटि, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती ने सीईओ राउंडटेबल – री-इमेजिनिंग मीडिया में भाग लिया, जिसमें विभिन्न देशों के पांच पब्लिक ब्रॉडकास्टर के सीईओ भी थे।
9. रोबोकॉन की घरेलू प्रतियोगिता "डीडी रोबोकॉन 2022" 16-17 जुलाई, 2022 को आईआईटी दिल्ली के समन्वय से त्यागराज स्टेडियम, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक आयोजित की गई है। खेल के मैदान और संचालन की देखभाल आईआईटी दिल्ली द्वारा की गई जबकि प्रसार भारती ने प्रसारण, लाइव स्ट्रीमिंग, समाचार कवरेज और अन्य भागों की देखभाल की। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और सदस्य (वित्त एवं कार्मिक), प्रसार भारती ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और छात्रों को प्रेरक भाषण दिए।



रोबोकॉन 2022 की घरेलू प्रतियोगिता 16-17 जुलाई, 2022 को त्यागराज स्टेडियम, नई दिल्ली

10. एबीयू रोबोकॉन सचिवालय से दो वरिष्ठ सदस्य प्रतिनिधिमंडल अर्थात श्री ताकुशी योशिदा, वरिष्ठ निर्माता और केन मात्सुओ, वरिष्ठ निर्माता ने 02.08.2022 से 06.08.2022 तक अंतर्राष्ट्रीय एबीयू रोबोकॉन 2022 की सुचारु मेजबानी की रणनीति बनाने और सुनिश्चित करने के लिए प्रसार भारती का दौरा किया।



प्रसार भारती में एबीयू रोबोकॉन सचिवालय के दो वरिष्ठ सदस्य प्रतिनिधिमंडल का दौरा

11. एबीयू के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल श्री यासु नागहाटा, प्रोग्रामिंग निदेशक, सुश्री हनीजा हमजा, टीवीएसएफ के प्रमुख और श्री हमधून रशद, प्रोजेक्ट मैनेजर डिजिटल मीडिया (एबीयू पुरस्कार) ने 07-09 अगस्त 2022 को आगामी अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए प्रारंभिक तैयारी के रूप में विभिन्न आवश्यकताओं सहित आयोजन की तैयारी से जुड़े विभिन्न घटकों पर चर्चा करने के लिए प्रसार भारती का दौरा किया। 11वां एबीयू टीवी सॉन्ग फेस्टिवल और एबीयू पुरस्कार समारोह नई दिल्ली, भारत में प्रसार भारती द्वारा आयोजित किया गया।
12. सुश्री फिलोमेना ज्ञानप्रकाशम, निदेशक, एआईबीडी ने 19-21 सितंबर 2022 तक भारत में एआईबीडी जीसी 2022 की मेजबानी के लिए चर्चा और योजना बनाने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती और प्रसार भारती के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए 8-12 अगस्त 2022 तक भारत का दौरा किया।
13. श्री यासु नागहाटा, निदेशक (प्रोग्रामिंग), एबीयू, श्री हिरोयुकी यामानाका, वरिष्ठ निर्माता, एनएचके एंटरप्राइजेज़ ने एबीयू टीवी सॉन्ग फेस्टिवल और एबीयू पुरस्कार समारोह नई दिल्ली, भारत में प्रसार भारती द्वारा आयोजित की तैयारी से जुड़े विभिन्न घटकों पर चर्चा करने के लिए 14-21 सितंबर 2022 तक प्रसार भारती का दौरा किया।

14. एबीयू पुरस्कार 2022: आकाशवाणी की "विकट्रीज़ वॉयस: द रेडियो, 1971" शीर्षक वाली प्रविष्टि को इस वर्ष के लिए विशेष जूरी पुरस्कार विजेता और विशेष प्रशस्ति पुरस्कार के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार 29 नवंबर 2022 को होटल पुलमैन, एयरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित एबीयू जनरल असेंबली 2022 के संयोजन में प्रदान किया गया था।
15. सुश्री फिलोमेना ज्ञानप्रगसम, निदेशक (एआईबीडी) ने 23.3.2023 को प्रसार भारती का दौरा किया और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने प्रसार भारती को बाली इंडोनेशिया में एशिया मीडिया शिखर सम्मेलन 2023 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।
16. प्रशिक्षुओं के समूह में मालदीव मीडिया के 20 संपादक और पत्रकार शामिल थे, जिनकी अध्यक्षता मालदीव मीडिया काउंसिल के महानिदेशक डॉ. फतमाथ मुना ने की और प्रसार भारती का स्टूडियो सेटअप बुनियादी ढांचे को देखने के लिए 16.03.2023 को प्रसार भारती/डीडी न्यूज़ और डीडीके दिल्ली स्टूडियो का दौरा किया (जैसा कि एमईए द्वारा संदर्भित किया गया था)।

घ. अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी:

1. एबीयू रोबोकॉन 2022

- प्रसार भारती ने 21 अगस्त, 2022 को त्यागराज स्टेडियम में एबीयू रोबोकॉन 2022 की मेजबानी सफलतापूर्वक पूरी की, जिसमें 12 देशों (भारत सहित) की 13 टीमों ने प्रत्यक्ष भाग लिया।
- सुश्री नीरजा शेखर, अपर सचिव (सूचना और प्रसारण मंत्रालय); श्री मयंक कुमार अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती; श्री एनवी रेड्डी, महानिदेशक, आकाशवाणी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे और उन्होंने छात्रों को प्रेरक भाषण दिए।
- कार्यक्रम का 21 अगस्त, 2022 को सुबह 09:00 बजे से डीडी स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण किया गया और आधे घंटे के समाचार कैप्सूल का प्रसारण डीडी न्यूज़ और डीडी इंडिया चैनल पर किया गया।
- विजेताओं का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	पुरस्कार का नाम	देश	कॉलेज का नाम
1.	ग्रैंड प्रिक्स	हांग कांग	चीनी विश्वविद्यालय, हांग कांग
2.	प्रथम रनर अप	इंडोनेशिया	इंस्टिट्यूट टेक्नोलोजी सेपुलुह नोपेमबर
3.	द्वितीय रनर अप	भारत	प्रौद्योगिकी संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय
4.	द्वितीय रनर अप	नेपाल	त्रिभुवन विश्वविद्यालय, आईओई





2. एआईबीडी सामान्य सम्मेलन (19–21 सितंबर 2022):

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से प्रसार भारती ने 19 से 21 सितंबर, 2022 तक द ललित, नई दिल्ली में "47वीं वार्षिक सभा/20वीं एआईबीडी सामान्य सम्मेलन और संबद्ध बैठकें 2022" की मेजबानी की।
- सम्मेलन का उद्घाटन श्री अनुराग सिंह ठाकुर, माननीय केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री, द्वारा 19 सितंबर 2022 को किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ, अन्य मंत्रालयों ने भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।
- नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में 16 एआईबीडी सदस्य देशों के लगभग 30 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



19 सितंबर 2022 को होटल ललित, नई दिल्ली में एआईबीडी सामान्य सम्मेलन का उद्घाटन समारोह



एआईबीडी सामान्य सम्मेलन 19-21 सितंबर 2022, होटल ललित, नई दिल्ली

3. एबीयू ग्लोबल न्यूज़ फोरम 2022

- प्रसार भारती ने 3 से 5 अक्टूबर 2022 तक ताज पैलेस में ग्लोबल न्यूज़ फोरम (जीएनएफ) 2022 की सफलतापूर्वक मेजबानी की। एबीयू के सदस्य देशों के लगभग पचास प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- इस कार्यक्रम का उद्घाटन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री द्वारा किया गया। स्थानीय मीडिया इकाइयों के प्रतिनिधि और इस कार्यक्रम में भारत की विदेशी समाचार एजेंसी भी शामिल हुई।



एबीयू ग्लोबल न्यूज़ फोरम 3-5 अक्टूबर 2022 तक होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली



4. एबीयू महासभा और संबद्ध बैठकों 2022 (25–30 नवंबर 2022):

- प्रसार भारती ने 25–30 नवंबर 2022 तक नई दिल्ली में 59वीं एबीयू महासभा और संबद्ध बैठकों की मेजबानी की।
- सम्मेलन का उद्घाटन 29.11.2022 को श्री अनुराग सिंह ठाकुर, माननीय केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री, द्वारा किया गया।
- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव के साथ-साथ सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।
- इस कार्यक्रम में 43 एबीयू सदस्य देशों के सीईओ/डीजी रैंक के लगभग 330 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- नई दिल्ली में 30.11.2022 को आयोजित एबीयू महासभा के सीमित सत्र के दौरान अपर महानिदेशक श्री सुनील को एबीयू का नया उपाध्यक्ष चुना गया।



29.11.2022 को होटल पुलमैन, नई दिल्ली में 59वीं एबीयू महासभा का उद्घाटन समारोह



होटल पुलमैन, नई दिल्ली में 25-27 नवंबर 2022 तक विभिन्न एबीयू बैठकें और सम्मेलन



एबीयू पुरस्कार वितरण समारोह 29.11.2022 को होटल पुलमैन, नई दिल्ली



(ड) एबीयू और एआईबीडी कार्यक्रमों/वेबिनार/कार्यशालाओं की सूची, जिसमें प्रसार भारती ने 01.04.2022 से भाग लिया:

क्र.सं.	आयोजनों/वेबिनारों का नाम	तारीख
1.	एबीयू एशिया विजन ऑनलाइन कार्यशाला "टिकटॉक, इंस्टाग्राम और फेसबुक के लिए उन्नत सोशल मीडिया कार्यक्रम विषय"	20.04.2022
2.	एआईबीडी वेबिनार "वैश्विक सड़क सुरक्षा योजना: क्षेत्रीय मीडिया के लिए एक परिप्रेक्ष्य"	23.05.2022
3.	एआईबीडी एशिया मीडिया समिट (एएमएस) 2022	23-26 मई 2022
4.	एआईबीडी वेबिनार / कार्यशाला जेनरेशन कनेक्ट ग्लोबल यूथ समिट 2022	2-4 जून 2022
5.	एबीयू कार्यक्रम ब्यूरो की प्रत्यक्ष बैठक	08.06.2022
6.	एबीयू डिजिटल 2022 प्रत्यक्ष	15-16 जून, 2022
7.	एबीयू रोबोकॉन 2022	21.08.2022
8.	एम्स्टर्डम, नीदरलैंड में आईबीसी (इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टिंग कन्वेंशन) 2022 सम्मेलन	9-12 सितंबर 2022
9.	एआईबीडी सामान्य सम्मेलन	19-21 सितंबर 2022
10.	एबीयू ग्लोबल न्यूज़ फोरम 2022	3-5 अक्टूबर 2022
11.	टोक्यो, जापान में पीबीआई सम्मेलन	16-18 नवंबर 2022
12.	एबीयू महासभा और संबद्ध बैठकें	25-30 नवंबर 2022
13.	12वां विश्व हिंदी सम्मेलन नाडी, फिजी में	15-17 फरवरी 2023
14.	एशिया विजन समन्वय बैठक 2023, कुआलालंपुर, मलेशिया	6-9 मार्च 2023
15.	एबीयू डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग संगोष्ठी (डीबीएस 2023), कुआलालंपुर, मलेशिया	6-9 मार्च 2023
16.	एबीयू आरएआई दिवस	13-14 मार्च 2023

क्षमता निर्माण-प्रशिक्षण अवसंरचना

राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम)

परिचय

प्रसार भारती, राष्ट्रीय प्रसारण एवं मल्टीमीडिया अकादमी (एनएबीएम) के माध्यम से अपने कर्मचारियों का कौशल उन्नयन और नवीन कौशल अर्जन संबंधी कार्य कर रही है। एनएबीएम प्रसार भारती के कर्मचारियों को कार्यक्रम (सामग्री), अभियांत्रिकी, प्रशासन और प्रबंधन विषयों पर विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रसार भारती के कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने और उसे अद्यतन करने के लिए प्रवेशकालिक/प्रारंभिक पाठ्यक्रमों से लेकर विभिन्न उन्नत स्तरों के हैं। एनएबीएम दिल्ली प्रसारण और मल्टीमीडिया के क्षेत्र में प्रशिक्षण और कौशल विकास करने वाली एक प्रमुख राष्ट्रीय स्तर की अकादमी है। इसकी स्थापना 1948 में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान के रूप में की गई थी और पिछले कुछ वर्षों में यह बड़े पैमाने पर प्रसार भारती के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के अतिरिक्त एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों के प्रसारण पेशेवरों के लिए भी एक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में उभरा है।

अकादमी का मुख्य उद्देश्य प्रसारण पेशेवरों को लगातार चुनौतीपूर्ण गतिशील प्रसारण वातावरण में उनके इष्टतम प्रदर्शन के लिए संवर्धित और तैयार करना है। समय के साथ-साथ एनएबीएम एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रसारकों के लिए रेडियो और टेलीविजन निर्माण, निर्माण उपरांत और प्रसारण के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने वाली अग्रणी संस्था के रूप में उभरा है।

एनएबीएम के पास विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए तकनीकी बदलावों के साथ तालमेल रखते हुए आधुनिक बुनियादी ढांचा मौजूद है। इसकी कक्षाएं नवीनतम ऑडियो/विजुअल सुविधाओं, नवीनतम निर्माण और निर्माण उपरान्त संबंधी उपकरणों के साथ रेडियो और टीवी स्टूडियो, माप प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब, रेडियो और टीवी ट्रांसमीटर, नेटवर्किंग लैब से सुसज्जित हैं। पुस्तकालय में 11000 से अधिक पुस्तकों का संग्रह मौजूद है। अकादमी में 125 कमरों के साथ उत्कृष्ट छात्रावास सुविधाएं विद्यमान हैं।

वर्तमान प्रशिक्षण गतिविधियां

वर्तमान में तीन अकादमियां तीन स्थानों पर काम कर रही हैं, नामतः एनएबीएम दिल्ली; एनएबीएम भुवनेश्वर; और आरएबीएम शिलांग और वे हर साल 3500 से अधिक अभियांत्रिकी/कार्यक्रम/प्रशासनिक कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एनएबीएम एशिया प्रशांत क्षेत्र के विभिन्न देशों के रेडियो और टेलीविजन कर्मियों के लिए प्रशिक्षण/कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए एशिया प्रशांत इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) और एशिया प्रशांत ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (एबीयू) के साथ सहयोग करता है। यह आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण मॉड्यूल के लिए संयुक्त राष्ट्र बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ), विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों जैसे संगठनों के साथ भी सहयोग करता है।



कार्यक्रम और अभियांत्रिकी प्रभागों के लिए आयोजित प्रशिक्षण

रिपोर्ट की अवधि के दौरान, प्रसारण और मानव संसाधन प्रबंधन पर कई पाठ्यक्रम संचालित किए गए जिनमें कार्यक्रम प्रबंधन और प्रस्तुति, प्रसारण और प्रसारण प्रौद्योगिकी प्रबंधन, संकट के दौरान प्रसारण प्रबंधन, प्रशासनिक और मानव संसाधन मामलों के विभिन्न पहलू और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से देश के बाहर प्रशिक्षण शामिल हैं। निर्धारित प्रशिक्षणों के अतिरिक्त कई विशेष और मांग/आवश्यकता आधारित ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रशिक्षण भी आयोजित किए गए।

एनएबीएम, दिल्ली और इसकी क्षेत्रीय अकादमियों, भुवनेश्वर और शिलांग द्वारा संचालित श्रेणी/विषयवार प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का सारांश निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है:

क. कार्यक्रम प्रबंधन और निर्माण

एनएबीएम दिल्ली और इसकी क्षेत्रीय अकादमियों, भुवनेश्वर और शिलांग द्वारा कार्यक्रम प्रबंधन, कार्यक्रम निर्माण और प्रस्तुति, प्रशासन और प्रबंधन पाठ्यक्रमों पर कुल 63 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए थे। इन पाठ्यक्रमों के मुख्य विषय थे:

I. कार्यक्रम प्रबंधन

- जेंडर के प्रति संवेदनशील मीडिया-प्रोग्रामिंग और कार्यस्थल से संबंधित
- ई-कार्यक्रम प्रबंधन
- रेडियो जनसंचार छात्रों के लिए कार्यक्रम प्रबंधन और निर्माण में व्यावहारिक प्रशिक्षण
- विक्रय और विपणन
- बार्क "वाई यू एम आई" सॉफ्टवेयर के मॉड्यूल
- आपदा के दौरान प्रसारण प्रबंधन
- नए मानकों के अनुरूप मीडिया रीसेट और आमूलचूल परिवर्तन
- महत्वपूर्ण दक्षता विकास कार्यक्रम
- सतत विकास के लिए विभिन्न मीडिया प्रचार का सार और बारीकियां
- ई-मार्केटिंग (वाणिज्यिक) की योजना और प्रबंधन

II. कार्यक्रम निर्माण और प्रस्तुति

- खेल और गैर-खेल रेडियो कमेंट्री
- रेडियो अभिलेखागार, डिजिटलीकरण और पुनः पैकेजिंग
- कला-संस्कृति एवं विरासत का संरक्षण-नवोन्वेषी रेडियो प्रोग्रामिंग
- आपातकालीन एवं जोखिम संचार प्रबंधन (आपदा/आपातकालीन स्थिति/स्वास्थ्य संबंधी जोखिम)
- प्रसारण में विकास संचार और डिजिटल मार्केटिंग कौशल का मुद्रीकरण
- रेडियो एग्री-विज्ञान (लागत प्रभावी कृषि के लिए रणनीतिक संचार योजना)
- आवाज संस्कृति और भाषा अभिव्यक्ति
- विपणन अधिकारियों के लिए प्रवेशकालिक प्रशिक्षण
- आकाशवाणी में पुनः तैनात इंजीनियरिंग स्टाफ के निर्माण कार्य
- बागवानी में नवाचार अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करना
- टीवी वृत्तचित्र



- अरेखीय संपादन
- युवा कार्यक्रमों में नवाचार
- डिजिटल युग में बच्चों का कार्यक्रम
- टीवी निर्माण में नवाचार (बच्चे, महिलाएं और स्वास्थ्य)
- टीवी निर्माण और स्मार्ट फोन फिल्म निर्माण में बुनियादी पाठ्यक्रम
- टीवी के लिए साक्षात्कार और पटकथा लेखन की कला
- उच्चरित-शब्द कार्यक्रम: नई रणनीति
- महामारी के बाद खेल कवरेज और प्रबंधन
- डिजिटल अभिमुखीकरण की तुलना में प्रस्तुति की कला को नया रूप देना
- मेटाडेटा और प्रभावी संग्रहण
- मोजो (मोबाइल पत्रकारिता) पर कार्यशाला

III. प्रशासनिक एवं सामान्य प्रबंधन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- ई-खरीद और इन्वेंट्री प्रबंधन
- अंतर-वैयक्तिक और कार्यस्थल प्रबंधन
- अदालती मामलों की देखरेख
- अनुशासनात्मक प्रक्रियाएं और विभागीय जांच
- केंद्रीकृत लेखा प्रणाली (सीएएस) सहित प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन
- भविष्य: पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद के लाभ
- वित्त के बुनियादी सिद्धांत: जीएसटी, जीईएम, एनपीएस, पीएफएमएस और डिजिटल भुगतान
- मानव संसाधन (एच आर) और प्रसार भारती के सामान्य कानूनी मामले और संविदात्मक कार्य नीति
- राजभाषा हिन्दी प्रोत्साहन सम्बन्धी शासकीय
- स्थापना नियम
- प्रशासन के सिद्धांत: कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम और सूचना का अधिकार अधिनियम
- कानूनी एवं मानव संसाधन मामले
- सेवानिवृत्ति पूर्व कार्यालय प्रक्रियाएं और सेवानिवृत्ति के बाद परामर्श और जीवन प्रबंधन
- सरकारी ई-मार्केटिंग (जीईएम)
- सतर्कता मामलों को प्रभावी ढंग से देखरेख के लिए सीसीएस (सीसीए) नियम
- वित्तीय प्रबंधन बजटिंग एवं ई-अकाउंटिंग
- टीवी के लिए इंटरैक्टिव कार्यक्रम/रियलिटी शो
- अदालती मामले, आरटीआई मामले और अनुशासनात्मक कार्यवाही
- भविष्य: पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति के बाद के लाभ
- जीएसटी, जीईएम, पीएफएमएस और एनपीएस
- पारस्परिक संबंध/सकारात्मक कार्य संस्कृति विकसित करना एवं आचरण नियम



IV. राजभाषा विशेष प्रशिक्षण

- राजभाषा हिन्दी की अखिल भारतीय कार्यशाला एवं काव्यगोष्ठी
- अखिल भारतीय हिन्दी भाषा में प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता

ख. तकनीकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

- एनएबीएम, दिल्ली और इसकी क्षेत्रीय अकादमियों, भुवनेश्वर और शिलांग द्वारा तकनीकी विषयों पर कुल 74 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इन पाठ्यक्रमों के कुछ विषय थे:
- एयर कंडीशनिंग प्रणाली: अवधारणाएं और अनुरक्षण तकनीकें
- आई ओ एस और एंड्रायड प्लेटफॉर्म-स्तर 1 में ऐप विकास
- एक्सेल/पावर प्वाइंट/एमएस डब्ल्यू वर्ड/ईमेल और इंटरनेट एप्लीकेशन
- प्रतिक्रिया कैस्पार क्लाइट के साथ कैस्पर्सजी ग्राफिक्स
- इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों के लिए प्रसारण प्रौद्योगिकी पर ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण
- क्लाउड कंप्यूटिंग: सीडीएसी नोएडा द्वारा प्रौद्योगिकी के परिदृश्य को बदलना
- एनआईईएलआईटी द्वारा क्लाउड कंप्यूटिंग
- कैस्पर्स सी जी के लिए प्रोग्रामिंग पर प्रशिक्षण
- एफएम (आरबीआर) ट्रांसमीटर
- डीडीओ की भूमिकाओं/जिम्मेदारियों पर कार्यशाला (वर्चुअल/फिजिकल मोड)
- एमटीएस के लिए कंप्यूटर एप्लीकेशन (ऑफलाइन)
- इन-हाउस समाचार एनआरसीएस प्रणाली (कैस्पर्स सी जी आधारित)
- एयर कंडीशनिंग सिस्टम/एयर कंडीशनिंग प्लांट: अवधारणाएं और रखरखाव तकनीकें
- कैमरा संचालन पर प्रशिक्षण (ऑफलाइन)
- आधुनिक सोल्डरिंग तकनीक, केबल और कनेक्टर (ऑफलाइन)
- वर्चुअल स्टूडियो (ऑफलाइन)
- कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और नेटवर्क रखरखाव
- प्रकाश व्यवस्था से संबंधित कार्य पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- एक्सेल/पावर प्वाइंट/एमएस वर्ड/ईमेल और इंटरनेट अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण
- आकाशवाणी के लिए बुकिंग, शेड्यूलिंग और बिलिंग सॉफ्टवेयर "बैट्स" पर प्रशिक्षण
- निर्माण संबंधी गतिविधियों पर प्रशिक्षण (एनएलई/3डी ग्राफिक्स/वीडी)
- सार्वजनिक प्रापण पर प्रशिक्षण (बुनियादी)
- प्रसारण में सोशल मीडिया
- आईटी और डिजिटल पर प्रशिक्षण (पुनः तैनात कर्मचारियों के लिए)
- दूरदर्शन में अर्थ स्टेशन
- सार्वजनिक खरीद पर प्रशिक्षण (बुनियादी)
- कैमरा संचालन पर प्रशिक्षण
- ऑडियो/वीडियो और आरएफ माप
- एलईडी/एलसीडी टीवी की मरम्मत और रखरखाव



- दूरदर्शन में अर्थ स्टेशन
- कैमरा संचालन पर प्रशिक्षण

ग. 2022-23 की अवधि के लिए प्रशिक्षण रिपोर्ट का सारांश

- तकनीकी प्रशिक्षण

क्र.सं.	प्रशिक्षण संस्थानों के नाम	2022-23 में आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या
i.	एनएबीएम, दिल्ली	40	1898
ii.	एनएबीएम, भुवनेश्वर	30	1337
iii.	आरएबीएम, शिलांग	04	135
	कुल	74	3370

- कार्यक्रम और प्रशासनिक प्रशिक्षण

क्र.सं.	प्रशिक्षण संस्थानों के नाम	2022-23 में आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या
i.	एनएबीएम, दिल्ली	39	1749
ii.	एनएबीएम, भुवनेश्वर	15	302
iii.	आरएबीएम, शिलांग	8	204
	कुल	62	2255

घ. अर्जित राजस्व

क्र.सं.	प्रशिक्षण संस्थानों के नाम	2022-23 में अर्जित राजस्व (रूपए में)
i.	एनएबीएम, दिल्ली	18,40,200 / —
ii.	एनएबीएम, भुवनेश्वर	1,63,00,000
iii.	आरएबीएम, शिलांग	
	कुल	1,81,00,200

आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए सामान्य सुविधाएं

क. प्रसार भारती अभिलेखागार

प्रसार भारती अभिलेखागार न केवल उन महान कलाकारों के स्मरणीय अभिनय का खजाना है, जिन्होंने भारत की समृद्ध संस्कृति, संगीत और नृत्य की विरासत में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है, बल्कि यह जब से हमारे देश में प्रसारण का शुभारंभ हुआ है, तब से स्वतंत्रता दिवस समारोह, गणतंत्र दिवस परेड, माननीय प्रधानमंत्री का राष्ट्र को संबोधन आदि जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के साथ ही साथ, अन्य महत्वपूर्ण प्रसारण से जुड़े दुर्लभ मीडिया परिसंपत्तियों का भी संग्रह है। ये स्मरणीय अभिनय की दुर्लभ परिसंपत्तियां संगीत, नृत्य, नाटक, साक्षात्कारों, लघु फीचर फिल्मों, वृत्त चित्र, फीचर फिल्मों आदि जैसी शैलियों में ध्वनि-रिकॉर्डिंग और ऑडियो-विजुअल फुटेज के रूप में उपलब्ध है।

अभिलेखीय गतिविधियां का आरंभ प्रत्यंकन और कार्यक्रम विनिमय सेवा (टीएण्डपीईएस) के रूप में 3 अप्रैल 1954 से हुआ था, तब उसे सभी गणमान्य व्यक्तियों विशेष संदर्भ में भारत के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के भाषणों की रेडियो रिकॉर्डिंग का प्रत्यंकन तैयार किए जाने का मुख्य कार्य सौंपा गया था। हालांकि देश में पहले से ही ऐसे अभिलेखों को संरक्षित किए जाने के लिए अनौपचारिक अभिलेखागार थे, परंतु प्रत्यंकन सेवा की स्थापना हो जाने के बाद यह एक संगठित गतिविधि के रूप में परिवर्तित हो गया। वर्ष 2004 में दूरदर्शन अभिलेखागार की स्थापना मूल्यवान ऑडियो-विजुअल फुटेजों का अंकीकरण और संग्रहण किए जाने के उद्देश्य से की गई। हालांकि आरंभ में आकाशवाणी और दूरदर्शन में उनके संबंधित कार्यक्षेत्र के तहत अभिलेखीय सेटअप अलग-अलग हो गए थे। परन्तु वर्ष 2018 में इन दोनों सेटअपों को आपस में मिलाया गया था और एक अलग वर्टिकल के रूप में 'प्रसार भारती अभिलेखागार' के अंतर्गत लाया गया।

उद्देश्य

प्रसार भारती अभिलेखागार का प्राथमिक उद्देश्य पूरे आकाशवाणी व दूरदर्शन नेटवर्क में निर्माण की गई मीडिया परिसंपत्तियों का ध्वनि रिकॉर्डिंग और ऑडियो-विजुअल शैली के रूप संग्रहण, डिजिटलीकरण और संरक्षण करना है। इस उद्देश्य में शामिल है धरोहर मीडिया को भावी पीढ़ी, अनुसंधान और कला एवं संस्कृति को पोषित करने के लिए डिजिटल डोमेन में सुरक्षित रखा जाना है। आकाशवाणी और दूरदर्शन चैनलों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों को कार्यक्रम की सामग्री प्रदान करने के साथ-साथ प्रसार भारती राजस्व सृजन के लिए मीडिया परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के दृष्टिगत अभिलेखीय सामग्री का भी पुनः उपयोग किया जाता है।

केंद्रीय अभिलेखागार सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर प्रसार भारती की उपस्थिति बढ़ाने के उद्देश्य से ओटीटी/सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नामतः यूट्यूब, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और कू पर आकाशवाणी और दूरदर्शन की कार्यक्रम सामग्री लोकहित में प्रसारित करता है।

ढांचा

देशभर के आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केंद्रों में उपलब्ध मीडिया परिसंपत्तियों की पहचान करने और उसे संग्रहित करने के लिए प्रसार भारती ने एक ढांचा तैयार किया है। इस अभिलेखीय ढांचे के अंतर्गत निम्नलिखित स्थापनाएं हैं :—



1. केंद्रीय अभिलेखागार (केंद्रीय और उत्तरी ज़ोन), नई दिल्ली
2. क्षेत्रीय अभिलेखागार, पूर्वी क्षेत्र कोलकाता
3. क्षेत्रीय अभिलेखागार, पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई
4. क्षेत्रीय अभिलेखागार, दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई
5. क्षेत्रीय अभिलेखागार, पूर्वोत्तर क्षेत्र, गुवाहाटी

विभिन्न केंद्रों/स्टेशनों में उपलब्ध अनमोल मीडिया परिसंपत्तियों की पहचान करने, डिजिटलीकरण और संग्रहण करने के कार्य में राज्यों/क्षेत्रों के अभिलेखागार सेटअप व्यस्त हैं।

केंद्रीय अभिलेखागार प्रसार भारती:—

केंद्रीय अभिलेखागार आकाशवाणी भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली में स्थापित किया गया। जो प्रसार भारती के उत्तरी और केंद्रीय क्षेत्र की अभिलेखीय आवश्यकताओं को पूरा करता है, जिसके निम्नलिखित दो विंग हैं:—

1. आकाशवाणी अभिलेखागार और 2. दूरदर्शन अभिलेखागार

1) आकाशवाणी अभिलेखागार

क. डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार / लाइब्रेरी

डिजिटल ध्वनि अभिलेखागार के पास प्रख्यात/प्रसिद्ध व्यक्तित्व, स्वतंत्रता सेनानियों, राष्ट्रीय नेताओं जैसे सुभाषचन्द्र बोस, महात्मा गांधी, जे.आर.डी. टाटा, उस्ताद अली अकबर खान, हरिवंश राय बच्चन, डॉ. वर्गीस कुरियन व अन्य कई व्यक्तियों की अमूल्य रिकॉर्डिंग/रेडियो आत्मकथाओं का समृद्ध भंडार है। इसके अतिरिक्त, दुर्लभ संगीत (शास्त्रीय, सुगम शास्त्रीय व लोकगीतों) की रिकॉर्डिंग, नाटकों, फीचरों, वृत्तचित्रों, व्याख्यानों और संस्कार गीतों को लाइब्रेरी में सुरक्षित रखा गया है।

ख. कार्यक्रम विनिमय एकांश

कार्यक्रम विनिमय एकांश देश भर में फैले आकाशवाणी केंद्रों के बीच धारावाहिकों, फीचरों, लोक गीतों, नाटकों और मासिक श्रृंखला के नाटकों जैसे रेडियो कार्यक्रमों का परिचालन करती है। जिन्हें सरकारी और निजी संगठनों और शोध विद्वानों को अनुसंधान और वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए उनके अनुरोध पर ऑडियो सुनने / पूर्वावलोकन सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

ग. डिजिटलीकरण एकांश

केंद्रीय अभिलेखागार के आकाशवाणी विंग ने सभी एनालॉग सामग्री को डिजिटलाइज़ करने की एक मेगा परियोजना का आरंभ किया है। जिस कार्य में राष्ट्रीय प्रसारण, आकाशवाणी दिल्ली, आकाशवाणी महानिदेशालय का नाटक अनुभाग और आकाशवाणी महानिदेशालय से संस्कार गीत कार्यक्रमों से प्राप्त टेप और सीडी का डिजिटलीकरण के साथ-साथ डिजिटलाइज़्ड कार्यक्रमों की प्रतिकृति (डेटा बैकअप) को आपदा होने पर प्रतियों के रूप में भोपाल, मध्यप्रदेश और बंगलुरु, कर्नाटक में संग्रहीत किया जाना शामिल है। डिजिटलीकरण के बाद, महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को सूचीबद्ध करने और लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम में डेटा बनाए रखने का काम किया जाता है।

घ. प्रत्यंकन सेवा एकांश

यह एकांश भारत के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों द्वारा दिए गए भाषणों की रिकॉर्डिंग को लिप्यांतरित और संरक्षित करती है।



ड. नवीनीकरण एकांश

यह एकांश केंद्रीय अभिलेखागार में उपलब्ध आकाशवाणी अभिलेखागार की अनमोल रिकॉर्डिंगों की श्रव्य गुणवत्ता को बढ़ाने पर ध्यान देती है। जिस कार्य में रिकॉर्डिंग का नवीनीकरण, संपादन व वॉटरमार्किंग और उचित पूर्वावलोकन / अनुमोदन के बाद अपलोड के लिए सोशल मीडिया इकाई को प्रदान करना शामिल है।

च. लाइसेंसिंग इकाई

यह इकाई अनुमोदित दर कार्ड के अनुसार भुगतान पर वाणिज्यिक और गैर-वाणिज्यिक आधार पर ऑडियो परिसंपत्तियों जैसे भाषणों, फीचरों, वृत्तचित्रों आदि के लिए लाइसेंस प्रदान करती है।

छ. पुनरुत्पादन एकांश

आकाशवाणी की अभिलेखीय विषयवस्तु को प्रसारण के लिए नए कार्यक्रम के रूप में पुनः प्रस्तुत किया जा रहा है। सार्वजनिक हित की अभिलेखीय कार्यक्रम सामग्री को ओटीटी/सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए पुनः निर्माण किया गया है।

आकाशवाणी अभिलेखागार की महत्वपूर्ण गतिविधियां (2022-23):

- कार्यक्रमों के 1,814 घंटे (एनालॉग टेप) का डिजिटलीकरण किया गया है और 1,40,367 कार्यक्रमों के लिए कुल 42,302 डिजिटलीकरण किया गया है। आकाशवाणी केंद्रों के बीच केंद्रीय अभिलेखागार से धारावाहिकों, फीचर्स, लोक गीतों, नाटकों और मासिक श्रृंखला नाटकों जैसे रेडियो कार्यक्रमों के प्रसार के लिए 'ऑडियो वायर्स' नामक एक वेब आधारित सेवा आरंभ की गई है।
- आकाशवाणी दिल्ली के इंद्रप्रस्थ चैनल से दुर्लभ आकाशवाणी अभिलेखागार सामग्री पर आधारित "संग्रहालय के गलियारों से" नामक 52 एपिसोड कार्यक्रम की श्रृंखला का निर्माण और प्रसारण किया गया।
- 31 मार्च, 2023 तक आकाशवाणी टेप लाइब्रेरी में 66,688 डिजिटाइज्ड धरोहर टेप/ऑडियो परिसंपत्तियों की सीडी शामिल हैं।
- इस अवधि के दौरान गूगल बुक्स पर 485 (सं.) डिजिटाइज्ड पुरानी पत्रिकाओं और पत्रिकाओं को अपलोड किया गया, गूगल बुक्स ऑनलाइन के रूप में उपलब्ध कुल 3,900 पुस्तकें उपलब्ध हैं जिन्हें 49,438 बार लोगों द्वारा डाउनलोड और एक्सेस किया गया है।
- इस अवधि के दौरान 2,389 प्रविष्टियां लाइब्रेरी सूची पर की गई हैं। आदिनांक ऑनलाइन लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) में कुल 95,409 प्रविष्टियां फीड की गई हैं।

2) दूरदर्शन अभिलेखागार

क. वीडियो लाइब्रेरी/अभिलेखागार

केंद्रीय अभिलेखागार की वीडियो लाइब्रेरी एक समृद्ध कार्यक्रम विषय-संबंधित लाइब्रेरी है और जो पूरे प्रसार भारती नेटवर्क में विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों से प्राप्त टेपों का एक केंद्रीय भंडार है। लाइब्रेरी सेटअप में अभिलेखागार की गतिविधियों को संग्रहीत करने के रूप में कार्य करता है। इसमें अमूल्य एनालॉग और नए डिजिटल प्रारूप में विभिन्न प्रकार के टेप का विशाल संग्रह है।

ख. डिजिटलीकरण और अभिलेखागार

दूरदर्शन केंद्रों द्वारा निर्माण किए गए एनालॉग मीडिया कार्यक्रम सामग्री को मीडिया परिसंपत्ति प्रबंधन (एमएमएम) प्रणाली में डिजिटल और संरक्षित किया जाता है। मूलतः डिजिटल सामग्री को एमएमएम प्रणाली में सीधे संग्रहीत किया जा रहा है। यू-मैटिक, बीसीएन, बीटाकैम और डीवीसी प्रो इत्यादि जैसे ये विभिन्न अमूल्य प्रारूप मीडिया के लिए हैं। यू-मैटिक, बीसीएन, बीटाकैम से लेकर डीवीसी प्रो-50 तक की सामग्री की डबिंग के लिए डबिंग/ट्रांसफर सूट लगाए गए हैं। इन सभी उपकरणों का रखरखाव वर्तमान अभियांत्रिकी संवर्ग के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है।



ग. पुस्तकालय सूचना प्रणाली

आकाशवाणी केंद्रों और दूरदर्शन नेटवर्क के विभिन्न कार्यक्रम पुस्तकालयों में उपलब्ध मीडिया परिसंपत्तियों की खोज / सूची बनाने के लिए एक ऑनलाइन पुस्तकालय सूचना प्रणाली तैयार की गई है।

घ. धरोहर मीडिया की सफाई और पुनः स्थापन

किसी भी प्रकार के नुकसान से बचने के लिए धरोहर मीडिया से संबंधित सामग्री की टेपों की पूरी तरह से जांच की जाती है। डिजिटलीकरण से पहले आवश्यकता पड़ने पर उन्हें साफ किया जाता है और सामग्री का पुनः स्थापन किया जाता है। इस प्रयोजन के लिए उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो डिजिटल का स्थापन और ध्वनि न्यूनीकरण प्रणाली को शामिल किया गया है। वीडियो पर किसी भी प्रकार की समस्या / व्याधि को उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल स्थापन प्रणाली (आर्कैजल) और डिजिटल ध्वनि न्यूनीकरण प्रणाली (प्यूरिटन) पर ठीक किया जाता है। इन प्रणालियों को वर्ष 2008 में स्थापित किया गया था। ओईएम के पास भी इन उपकरणों के कलपुर्जे उपलब्ध नहीं हैं। अभियांत्रिकी संवर्ग स्वयं ही इन मशीनों का संचालन / अनुरक्षण बाहरी एजेंसियों से वार्षिक रख-रखाव अनुबंध के बिना करता है।

ड. रीपैकेजिंग / पुनरुत्पादन

दूरदर्शन केंद्रों द्वारा प्रसारण प्रयोजनों के लिए डिजिटाइज्ड अभिलेखीय सामग्री को क्यूरेटेड / पुनः पैकेज किया जाता है। लोक हित की अभिलेखीय सामग्री को ओटीटी / सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए रीपैकेजिंग किया गया है।

च. कार्यक्रम विनिमय

दूरदर्शन केंद्रों के बीच कार्यक्रमों के विनिमय के प्रयोजनार्थ केंद्रीय अभिलेखागार में कुछ चुनिंदा कार्यक्रमों का एक पूल बनाया गया है। प्रसारण उद्देश्य के लिए इस सामग्री का उपयोग प्रायः दूरदर्शन केंद्रों के बीच विनिमय के लिए किया जाता है।

छ. लाइसेंसिंग इकाई

यह इकाई अनुमोदित दर कार्ड के अनुसार भुगतान पर वाणिज्यिक और गैर-वाणिज्यिक आधार पर फुटेज / कार्यक्रमों जैसे भाषणों, वृत्तचित्रों आदि के लिए लाइसेंस प्रदान करती है।

दूरदर्शन अभिलेखागार की महत्वपूर्ण गतिविधियां (2022-23):

- इस अवधि के दौरान 1,398 घंटे की कार्यक्रम सामग्री का डिजिटलीकरण किया गया है। कुल 35,622 घंटे 42 मिनट की धरोहर मीडिया सामग्री को डिजिटल टेप में डब/डिजिटाइज और संग्रहीत किया गया है।
- इस अवधि के दौरान ऑनलाइन लाइब्रेरी सूचना प्रणाली में 2,134 प्रविष्टियां की गई हैं। दूरदर्शन अभिलेखागार द्वारा 31.03.2023 तक कुल 61,390 प्रविष्टियां फीड की गई हैं।
- कार्यक्रम विनिमय योजना के अंतर्गत दूरदर्शन अभिलेखागार ने नेटवर्क में विभिन्न चैनलों जैसे डीडी नेशनल, डीडी भारती, डीडी रेड्डी, डीडी न्यूज़ (डीडी दस्तावेज़), जीओ/आईआर: पी बी प्रभाग इत्यादि को 1220 घंटे 15 मिनट की कार्यक्रम सामग्री इस अवधि के दौरान प्रदान की है।
- विभिन्न गैर-रैखिक संपादन प्रणालियां जैसे कैनोपस एडियस प्रो और एफसीपी आदि सोशल मीडिया के लिए कार्यक्रम निर्माण/ट्रांसकोडिंग/ट्रांसफर करने के लिए दूरदर्शन अभिलेखागार में एनआरईपी सेटअप और दो कैस्पर सीजी प्ले आउट सर्वर स्थापित किए गए हैं।
- इस अवधि के दौरान लाइसेंस नवीकरण से संबंधित 85 प्रश्नों सहित फुटेज लाइसेंसिंग प्रश्नों की संख्या 146 पर कार्रवाई की गई है। जिसमें से लाइसेंस नवीकरण शुल्क रुपये 2,34,434/- सहित कुल 36,99,983/- रुपये की वसूली की गई है।
- अनुसंधान और विक्रय उद्देश्यों के लिए विभिन्न सरकारी और निजी संस्थाओं, शोधकर्ताओं और व्यक्तियों आदि को



पूर्वावलोकन की सुविधा प्रदान करने के लिए 45 घंटे की पहुंच प्रदान की गई है।

- इस अवधि के दौरान दूरदर्शन अभिलेखागार द्वारा 2,200 टेपों की सफाई की गई है, साथ ही 90 घंटे की पुनः स्थापन भी की गई है।

सोशल मीडिया सेल: केंद्रीय अभिलेखागार

केंद्रीय अभिलेखागार सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों पर प्रसार भारती की उपस्थिति का विस्तार करने के लिए ओटीटी/सोशल मीडिया प्लेटफार्मों जैसे यूट्यूब, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और कू पर लोक हितों की आकाशवाणी और दूरदर्शन की मीडिया सामग्री को प्रसारित करता है।

प्रसार भारती अभिलेखागार पीबी अभिलेखागार, डीडी सिनेमा, पीबी लोक संपदा यूट्यूब चैनलों का प्रबंधन कर रहा है। सोशल मीडिया सेल द्वारा इन चैनलों में श्रेणियों के अनुसार प्रासंगिक कार्यक्रम सामग्री नियमित रूप से अपलोड की जा रही हैं। यूट्यूब पर अपलोड की गई सामग्री के बारे में लोगों को सूचित करने के लिए नियमित रूप से ट्वीट और फेसबुक पोस्ट किए जाते हैं। यह सोशल मीडिया सेल प्रसार भारती के अन्य यूट्यूब चैनलों जैसे डीडी नेशनल, डीडी भारती आदि में भी अपना योगदान देता है।

विभिन्न प्लेटफार्मों के लिंक निम्नानुसार हैं:

यू ट्यूब चैनल:

- प्रसार भारती अभिलेखागार: <https://www.youtube.com/c/DDARCHIVES>
- डीडी सिनेमा: <https://www.youtube.com/c/ddcinemachannel>

ट्विटर:

- प्रसार भारती अभिलेखागार: <https://twitter.com/centralarchives>
- डीडी सिनेमा: https://twitter.com/DD_Cinema

इंस्टाग्राम:

- प्रसार भारती अभिलेखागार: <https://www.instagram.com/pbarchives/>
- डीडी सिनेमा: <https://www.instagram.com/doordarshancinema>

फेसबुक पेज

- प्रसार भारती अभिलेखागार: <https://www.facebook.com/DDArchives>
- डीडी सिनेमा: <https://www.facebook.com/Doordarshancinema>

कू ऐप

- प्रसार भारती अभिलेखागार: <https://www.kooapp.com/profile/pbarchives>
- डीडी अभिलेखागार: <https://www.kooapp.com/profile/DDCinema>

सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण गतिविधियां (2022-23):

- प्रसार भारती अभिलेखागार यूट्यूब चैनल पर 39.4 मिलियन व्यूज और 3.4 मिलियन घंटे वॉच टाइम और 179.2 हजार नए ग्राहक जोड़े गए हैं। इस अवधि के दौरान, चैनल पर मुख्य रूप से 730 वीडियो जोड़े गए जैसे आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर 41 एपिसोड की श्रृंखला 'आजादी की कहानी', साक्षात्कार आधारित श्रृंखला 'टॉकिंग टेल्स' के 8 एपिसोड, विभिन्न विदेशी खोजकर्ताओं के 'यात्रा वृत्तांत' पर श्रृंखला के 16 एपिसोड, श्रृंखला 'इंस्टिट्यूशन ऑफ़ डेमोक्रेसी' के 16 एपिसोड, विज्ञान आधारित श्रृंखला 'ऐसा ही होता है' और 'ब्रह्माण्ड द यूनिवर्स', महाकवि भवभूति का संस्कृत नाटक 'उत्तररामचरितम्', गुलजार का 'तेहरीर मुंशी प्रेमचंद की' के साथ 19वें राष्ट्रमंडल खेलों और 1982 के एशियाई खेलों के फुटेज भी हैं।



- डीडी सिनेमा यूट्यूब चैनल पर 6.4 मिलियन व्यूज और 1.1 मिलियन घंटे का वॉच टाइम और 35.6 हजार नए सब्सक्राइबर दर्ज किए गए हैं। इस अवधि के दौरान, टेलीफिल्म्स और देवी चौधरानी, फिकरचंद, अफसाने, शालमली और कृष्णकांत का वसीयतनामा जैसे 283 वीडियो धारावाहिक जोड़े गए।
- इस अवधि के दौरान अन्य चैनलों/सोशल मीडिया हैंडलों (इंस्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर, कू आदि) पर 836 वीडियो अपलोड किए गए हैं।
- गिरीश कर्नाड, हबीब तनवीर, बलराज पुरी, कपिला वात्स्यायन, सौमित्रा चट्टोपाध्याय, मृणाल सेन, होमी वाडिया, पैड़ी जयराज आदि की रेडियो आत्मकथा अपलोड की गई है।
- प्रसार भारती अभिलेखागार यूट्यूब चैनल पर प्रायोगिक आधार पर पेड प्रीमियम सदस्यता शुरू की गई है।
- पिछले वर्षों के दौरान राजस्व बढ़ाने के लिए प्रसार भारती अभिलेखागार यूट्यूब चैनल पर सार्वजनिक की गई मीडिया परिसंपत्तियों का विवरण नीचे दिया गया है:

चैनल का नाम	वित्तीय वर्ष	वीडियो की संख्या	सब्सक्राइबर की संख्या	वॉच टाइम (घंटे)	दर्शक	राजस्व (रुपये में)
प्रसार भारती अभिलेखागार	2018-19	609	49.7 हजार	821.4 हजार	8.2 मिलियन	51,051
	2019-20	1406	182.5 हजार	2.0 मिलियन	22.5 मिलियन	4,79,066
	2020-21	2219	262.6 हजार	4.0 मिलियन	40.4 मिलियन	14,06,845
	2021-22	815	228.10 हजार	3.4 मिलियन	35 मिलियन	13,40,000
	2022-23	730	179.2 हजार	3.4 मिलियन	39.4 मिलियन	16,92,858
डीडी सिनेमा	2021-22	170	13.37 हजार	273 हजार	1762 हजार	1,15,890
	2022-23	283	35.6 हजार	1.1 हजार	6.4 हजार	3,97,292

विक्रय/विपणन: केंद्रीय अभिलेखागार

I. प्रदर्शन

- गोवा में आयोजित 53 वें वार्षिक भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) 2022 के संस्करण के दौरान केंद्रीय अभिलेखागार ने प्रसार भारती अभिलेखागार का प्रतिनिधित्व किया। आयोजन के दौरान 20-28 नवंबर 2022 तक फिल्म बाजार में आर्बटित मंडप सफलतापूर्वक चलाया गया।
- केंद्रीय अभिलेखागार ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 16 से 18 फरवरी, 2023 के दौरान बीईएस द्वारा आयोजित प्रसारण और मीडिया प्रौद्योगिकी पर 27वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी में प्रसार भारती के स्टाल के माध्यम से दूरदर्शन और आकाशवाणी की अभिलेखीय विरासत का प्रतिनिधित्व किया।

II. वित्तीय वर्ष (2022-23) के दौरान विक्रय/राजस्व:

वित्त वर्ष 2022-23 में अभिलेखीय फुटेज और यूट्यूब राजस्व विक्रय/लाइसेंसिंग में विवरण के अनुसार वृद्धि देखी गई है:-

- आकाशवाणी फुटेज विक्रय : ₹. 18,89,157
- डीडी फुटेज विक्रय : ₹. 36,99,983
- यूट्यूब से राजस्व (पीबी अभिलेखागार + डीडी सिनेमा) : ₹. 14,56,015

कुल : ₹. 76,79,290



ख. सिविल निर्माण स्कंध (सीसीडब्ल्यू) – अवलोकन

सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी की स्थापना वर्ष 1971 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत की गई थी। सीसीडब्ल्यू को मंत्रालय के तहत विभिन्न संगठनों से संबंधित सिविल कार्य सौंपे गए थे। सीसीडब्ल्यू सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत प्रसार भारती और अन्य मीडिया इकाइयों के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यालय भवनों, आवासीय भवनों, रेडियो और टीवी स्टूडियो, सड़कों, आरसीसी और स्टील टावरों, स्टील मास्ट और अन्य विकास कार्यों का निर्माण और रखरखाव भी करता है। इससे पहले, सीपीडब्ल्यूडी मंत्रालय के तहत विभिन्न संगठनों से संबंधित सभी सिविल कार्य कर रहा था। हालांकि सीसीडब्ल्यू आकाशवाणी के प्रशासनिक नियंत्रण में है, लेकिन सीसीडब्ल्यू आकाशवाणी और दूरदर्शन दोनों के लिए कार्य करता है।

सिविल निर्माण स्कंध को 31 जनवरी, 2008 को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा केंद्रीय लोक निर्माण संगठन घोषित किया गया था। जीएफआर 2017 के नियम 132 (2) में सीसीडब्ल्यू को लोक निर्माण संगठन के रूप में मान्यता दी गई है। सीसीडब्ल्यू पूरे भारत में डिपोजिट कार्यों के रूप में अन्य मंत्रालयों, विभागों, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि के लिए सिविल कार्य भी करता है।

सिविल निर्माण स्कंध का नेतृत्व मुख्य अभियंता (सिविल) द्वारा किया जाता है जो प्रमुख अभियंता के माध्यम से महानिदेशक, आकाशवाणी को रिपोर्ट करता है। मुख्यालय में, मुख्य अभियंता (सिविल) को अधीक्षण सर्वेक्षक, अधीक्षण अभियंता, आर्किटेक्ट्स, वित्तीय सलाहकार, सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स और अन्य पूरक कर्मचारियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

आकाशवाणी और दूरदर्शन भवनों के निर्माण और रखरखाव के साथ-साथ कारगिल से कन्याकुमारी और जीरो (अरुणाचल प्रदेश) से भुज (गुजरात) तक डिपोजिट कार्य के लिए 7 सिविल सर्कल, 3 इलेक्ट्रिकल सर्कल, 24 सिविल डिवीजन, 11 इलेक्ट्रिकल डिवीजन और एक आर्किटेक्चरल यूनिट के साथ सीसीडब्ल्यू ने देश भर में उपस्थिति दर्ज की है। वर्ष 2022-23 के लिए आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए सिविल निर्माण स्कंध द्वारा किए गए प्रमुख कार्य अनुलग्न VII में सूचीबद्ध हैं।

मानव संसाधन और प्रशासन

क. कर्मचारियों की संख्या:

दिनांक 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार प्रसार भारती में स्वीकृत पदों एवं पदस्थ कर्मचारियों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

	आकाशवाणी	दूरदर्शन	कुल
स्वीकृत	26,129	19,662	45,791
पदस्थ	11,005	7,139	18,144

ख. पदोन्नति:

2022-23 के दौरान आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें

01.04.2022 से 31.03.2023 के दौरान समूह – 'क' के पदों के लिए आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	संवर्ग / समूह और विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की तारीख	पदोन्नति के लिए संस्तुत अधिकारियों की सं.
1.	वरि. समय-मान (एनएफएसजी) से वेतन समानता हेतु 04.04.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	248
2.	रिक्ति वर्षों 2007-08 से 2017-18 तक सहायक अभियंताओं से आईबी (ई) एस के जेटीएस में पदोन्नति के लिए सीमित समीक्षा डीपीसी (मूल रूप से 17.04.2018 को आयोजित) दिनांक 10.05.2022 को आयोजित की गई	67
3.	1991 से 1992 बैच के आईबी(ई)एस के कनि.प्रशा.ग्रेड को एनएफयू प्रदान करने हेतु 03.06.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	15
4.	वरि. प्रशा. ग्रेड से उच्च प्रशा. ग्रेड में वेतन समानता प्रदान करने हेतु 09.06.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	08
5.	वरि. समय-मान से कनि.प्रशा.ग्रेड में वेतन समानता प्रदान करने के लिए 04.07.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	75
6.	रिक्ति वर्ष 2022 के लिए मुख्य अभियंता, सिविल निर्माण स्करंध, आकाशवाणी (स्तर-II) के पद पर पदोन्नति हेतु 04.07.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	01
7.	रिक्ति वर्ष 2022 के लिए कनि.प्रशा.ग्रेड में पदोन्नति हेतु 04.08.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	14



क्र. सं.	संवर्ग / समूह और विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की तारीख	पदोन्नति के लिए संस्तुत अधिकारियों की सं.
8.	कनि.प्रशा.ग्रेड से वरि.प्रशा.ग्रेड में वेतन समानता हेतु 26.08.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई	12
9.	रिक्ति वर्ष 2022 के लिए आकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कंध में अधीक्षण अभियंता (इलेक्ट्रिकल)/ अधीक्षण सर्वेयर ऑफ वर्क्स (इलेक्ट्रिकल) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु 26.09.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	01
10.	रिक्ति वर्ष 2016-17 (30.06.2016-31.03.2017) और 2017-18 के लिए आईबी (ई) एस के जेटीएस में पदोन्नति के लिए पात्र पीडब्ल्यूबीडी सहायक अभियंताओं पर विचार करने के लिए दिनांक 10.05.2022 (मूल रूप से 17.04.2018) को आयोजित डीपीसी की समीक्षा हेतु विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक 14.11.2022 को आयोजित की गई।	04
11.	रिक्ति वर्ष 2021, 2022 और 2023 के लिए आईबी (ई) एस और पीबी (ई) एस के कनि. समय-मान को आईबी (ई) एस और पीबी (ई) एस के वरि.समय-मान में पदोन्नति हेतु 29.11.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	244
12.	रिक्ति वर्ष 2023 के लिए वरि.समय-मान (एनएफएसजी) हेतु 01.12.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	19
13.	रिक्ति वर्ष 2018 (1.4.2018-31.12.2018), 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023 के लिए आईबी (ई) एस के कनि.समय-मान में सहायक अभियंताओं की पदोन्नति हेतु 22.12.2022 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	294
14.	रिक्ति वर्ष 2022 (पूरक) और 2023 (नियमित) के लिए वरि.समय-मान से आईबी (ई) एस के कनि.प्रशा.ग्रेड में पदोन्नति हेतु 02.01.2023 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।	29

ग. भर्ती :

1. अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्यक पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण:

प्रसार भारती में एक समर्पित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सेल की स्थापना करके अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों से संबंधित आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक उपाय किए हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सेल अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों के लिए समय-समय पर जारी आरक्षण संबंधी आदेशों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करता है। सरकारी सेवा में कार्यरत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों को लाभ प्रदान करने के लिए नोडल मंत्रालयों/विभागों द्वारा जारी सभी संबंधित नीतियों निर्देशों और अनुदेशों को संबंधित महानिदेशालयों द्वारा व्यापक रूप से कार्यान्वयन के लिए सभी अधीनस्थ/क्षेत्रीय कार्यालयों के बीच परिचालित किया गया।

माननीय राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) और माननीय राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सिफारिशें, जैसा कि उनकी वार्षिक रिपोर्टों में दर्शाया गया है, के कठोर अनुपालन हेतु विभिन्न स्तरों पर प्रचालित की जाती हैं। आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व पर समेकित वार्षिक विवरण और आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के संबंध में नियुक्ति और रिक्तियों से संबंधित अन्य विशिष्ट जानकारी का विवरण समय-समय पर संबंधित प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाता है। शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।



प्रसार भारती में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति का विभिन्न समूहों में समग्र प्रतिनिधित्व इस प्रकार है:

प्रसार भारती, आकाशवाणी और दूरदर्शन में विभिन्न सेवा समूहों में अनु.जाति/अनु.जनजाति/अ.पि.वर्ग./ईडब्ल्यू एस/अनारक्षित का प्रतिनिधित्व इस प्रकार है:

समूह	कुल कर्मचारी (स्वीकृत)	कुल कर्मचारी (पदस्थ)	अनु. जाति की संख्या (पदस्थ)	अनु.जनजाति की संख्या (पदस्थ)	ओबीसी की संख्या (पदस्थ)	अनारक्षित
ए	3119	945	173	69	63	640
बी	21854	10222	1569	1007	1185	6461
सी	20818	10058	2080	1381	1211	5386
कुल	45791	21225	3822	2457	2459	12487

II. दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के लिए आरक्षण:

भारत का संविधान सभी व्यक्तियों में समानता, स्वतंत्रता, न्याय व गरिमा का भाव सुनिश्चित करता है और दिव्यांगजनों सहित सभी के लिए एक समावेशी समाज को अनिवार्य बनाता है। भारत सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर और राष्ट्र निर्माण में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास में "दिव्यांगजन (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995" अधिनियमित किया है। दिव्यांगजन अधिनियम वर्ष 1996 में लागू हुआ है। तदुपरांत भारत सरकार ने "दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, 2016" पारित किया जो 19 अप्रैल 2017 से लागू हुआ व दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण से संबंधित निर्देशों को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय ज्ञापन दिनांक 15.01.2018 द्वारा जारी किया गया। दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण अधिनियमित हो जाने से समूह क, ख और ग वर्ग के पदों और सीधी भर्ती के मामले में भी लागू हो गया।

दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण के संबंध में, समूह 'घ' (पूर्ववर्ती) से समूह 'ग' में पदोन्नति की जाती है और समूह 'ग' के चिन्हित पदों पर पदोन्नति की जाती है।

प्रसार भारती ने दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण के कार्यान्वयन संबंधी सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए हैं। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के लिए समय-समय पर जारी सभी संबंधित नीतिगत निर्णयों और निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

प्रसार भारती दिव्यांगजनों के लिए अपने आकाशवाणी और दूरदर्शन नेटवर्क चैनलों के माध्यम से कार्यक्रम प्रसारित करता है। कार्यक्रमों में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित की जा रही दिव्यांगजनों के कल्याण की योजनाएं शामिल हैं। जिसमें उनके स्वास्थ्य, सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम भी शामिल हैं। कार्यक्रमों की सामग्री इस प्रकार डिज़ाइन की गई है जो न केवल उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद करती है बल्कि उन्हें सम्मान के साथ जीने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। ये कार्यक्रम सामाजिक जागरूकता की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण हैं ही साथ ही दिव्यांगजनों के प्रति लोगों के असंवेदनशील रवैये को बदलने में भी उपयोगी हैं।

यद्यपि दिव्यांगजनों के लाभ के लिए बजट में कोई विशिष्ट मद नहीं है, कार्यालयों के भूतल पर रैंप, विशेष शौचालयों के निर्माण जैसी गतिविधियाँ, सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी के 'लघु कार्य' बजट शीर्ष से की जाती हैं।



	आकाशवाणी			दूरदर्शन		
	कुल स्वीकृत पद	कुल पदस्थ	पदस्थ दिव्यांगजन	कुल स्वीकृत पद	कुल पदस्थ	पदस्थ दिव्यांगजन
समूह क	2002	701	12	1096	429	1
ग्रुप ख	12056	5588	107	9818	3618	92
ग्रुप ग	12071	5434	67	8748	3081	6
कुल	26129	11723	186	19662	7128	99

ड. लोक शिकायत और निवारण तंत्र:

शिकायत निवारण और अभिगत तंत्र प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार काम कर रहा है, जिसकी केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के माध्यम से निगरानी की जाती है। लोक शिकायतों और पेंशन निवारण याचिकाओं पर तुरंत ध्यान दिया जाता है और उनका जल्द से जल्द निपटारा किया जा रहा है। शिकायतों के निपटान से संबंधित मासिक स्थिति रिपोर्ट सूचना और प्रसारण मंत्रालय को प्रस्तुत की जाती है। याचिकाकर्ताओं को भेजे गए एटीआर/उत्तर भी डीएआरपीजी पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं।

सीजीआर सेल, प्रसार भारती सचिवालय के संबंध में 01.04.2022 से 31.03.2023 की अवधि के दौरान सीपीजीआरएएमएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की स्थिति रिपोर्ट नीचे दी गई है:

विवरण	शिकायतों की संख्या
शेष (01.04.2022 स्थिति अनुसार)	91
प्राप्त शिकायतें (2022-23 के दौरान)	1094
कुल	1185
निपटाए गए मामले	1051
लंबित 31.03.2023 तक	134

च. अदालत के मामलों का प्रबंधन:

प्रसार भारती अदालती मामलों और मध्यस्थता के मामलों की निगरानी, विधि कार्य विभाग के कानूनी सूचना प्रबंधन और ब्रीफिंग प्रणाली (लिम्बस) के माध्यम से करता है। सभी कोर्ट के मामलों को इस पोर्टल पर लाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं। इसके लिए लिम्बस संस्करण-2.0 को भी लागू किया गया है और सभी अदालती मामलों को अपलोड और अपडेट किया जा रहा है। कोर्ट के मामलों की प्रगति की नियमित निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। प्रसार भारती सचिवालय में केंद्रीकृत मासिक समीक्षा की एक प्रणाली आरंभ की गई है। अदालत के मामलों और वाणिज्यिक मामलों का वर्तमान विवरण नीचे दिया गया है:

(क) अधिकांश अदालती मामले विभिन्न माननीय केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरणों (कैटों) में लंबित हैं। 01.04.2022 से 31.03.2023 की अवधि में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के मामलों में निर्णयों/आदेशों के कार्यान्वयन की सूचना निम्नानुसार है:

क्र.सं.	मीडिया इकाइयां / अनुभाग	कैट में अदालती मामलों की संख्या	कैट से प्राप्त निर्णयों / आदेशों की संख्या	लागू किए गए निर्णयों / आदेशों की संख्या
1.	महानिदेशक: दूरदर्शन	258	32	21
2.	महानिदेशक: आकाशवाणी	585	54	34
	कुल	843	86	55

छ. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयन:

श्रेणी	प्राप्त	निपटाए गए
सूचना का अधिकार	2284	2073
प्रथम अपील	434	377

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन प्रत्यक्ष और ऑनलाइन मोड में प्राप्त होते हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त प्रत्यक्ष आवेदनों को ऑनलाइन मोड में परिवर्तित करने का प्रयास किया गया और ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित किया गया। प्रसार भारती की वेबसाइट पर केंद्रीय जनसूचना अधिकारियों और अपीलीय प्राधिकारियों की सूची नियमित रूप से अद्यतन की जाती है।

ज. राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन:

i) प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग:

प्रसार भारती सचिवालय का हिंदी अनुभाग निम्नलिखित कार्य निष्पादित करता है :-

- प्रसार भारती की वार्षिक रिपोर्ट, लेखा परीक्षा रिपोर्ट और वार्षिक लेखे का हिंदी अनुवाद।
- संसद के समक्ष रखे जाने वाले संसदीय प्रश्नों के उत्तरों का हिंदी अनुवाद।
- समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का हिंदी अनुवाद।
- सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त प्रश्नों के उत्तरों का हिंदी अनुवाद।
- हिन्दी के प्रगामी प्रयोग संबंधी त्रैमासिक, अर्धवार्षिक एवं वार्षिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करना।
- सभी बैठकों की कार्यसूची एवं कार्यवृत्त हिंदी में तैयार करना।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों का आयोजन करना, बैठकों का कार्यवृत्त जारी करके उनमें लिए निर्णयों का अनुपालन।
- संसदीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने के लिए की गई कार्रवाई का अनुपालन।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी प्रकार के दस्तावेजों का हिंदी अनुवाद।
- कार्यशालाओं एवं डेस्क-कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- हिंदी प्रशिक्षण के लिए हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी टाइपिंग/आशुलिपि प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी दिवस / हिंदी माह और प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन करना।
- प्रसार भारती सचिवालय के सभी कंप्यूटरों पर हिंदी में काम करने के लिए यूनिकोड का उपयोग सुनिश्चित करना।
- आवश्यकता के अनुसार किसी अन्य रिपोर्ट, विवरण और पाठ का हिंदी अनुवाद।
- प्रसार भारती सचिवालय में हिंदी के प्रगामी प्रयोग हेतु गतिविधियों का आयोजन।



ii) आकाशवाणी महानिदेशालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग :

आकाशवाणी महानिदेशालय (मुख्यालय) का हिंदी एकक भारत संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन और कार्यान्वयन के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है और गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय समय पर जारी आदेशों / अनुदेशों के कार्यान्वयन तथा विभिन्न आकाशवाणी केंद्रों / कार्यालयों में वार्षिक कार्यक्रम में उल्लिखित लक्ष्यों को प्राप्ति करने के लिए सतत रूप से प्रयासरत है। राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के अतिरिक्त राजभाषा हिंदी में कार्य करने व अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए हिंदी एकक द्वारा दिनांक 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक निम्नलिखित उल्लेखनीय कार्य किए गए।

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के दौरान आयोजित हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा तथा किए गए अन्य विशिष्ट कार्यों की रिपोर्ट :-

हिंदी दिवस / हिंदी पखवाड़ा

14 सितंबर को प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है, आकाशवाणी महानिदेशालय भी इस आयोजन में मनाने में सबसे आगे रहता है। केंद्रीय गृह मंत्री, सूचना और प्रसारण मंत्री, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती के संदेश ई-मेल के माध्यम से पूरे भारत में स्थित विभिन्न केंद्रों और कार्यालयों को भेजे गए। दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा के प्रयोग हेतु उपयुक्त वातावरण तैयार करने के लिए दिनांक 14.09.2022 से 29.09.2022 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। कोविड-19 के दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए आकाशवाणी महानिदेशालय के अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए पांच प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें स्टाफ की सक्रिय भागीदारी देखी गई। इसके अतिरिक्त, प्रसिद्ध हस्तियों के चुनिंदा कथनों को बैनर में लिखकर आकाशवाणी महानिदेशालय में मुख्य स्थानों में प्रदर्शित किए गए। इसके अतिरिक्त एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें तत्कालीन प्रधान महानिदेशक : आकाशवाणी ने वर्ष 2021 के हिंदी पखवाड़े में आयोजित की गई विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

हिंदी कार्यशाला

इस दौरान राजभाषा के विभिन्न विषयों से संबंधित ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। उसमें वशिष्ट अधिकारियों को आमंत्रित किया गया जिन्होंने अपने अनुभव साझा किए।

iii) दूरदर्शन : महानिदेशालय में हिंदी का प्रगामी प्रयोग

संघ की राजभाषा नीति और अनुदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दूरदर्शन महानिदेशालय में एक अलग हिंदी अनुभाग है। यह अनुभाग महानिदेशालय और उसके अधीनस्थ कार्यालयों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित स्थिति की समीक्षा करता है और हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रयास करता है।

इस संबंध में अनुभाग द्वारा 1 अप्रैल, 2022 से दिसम्बर, 2022 के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं :-

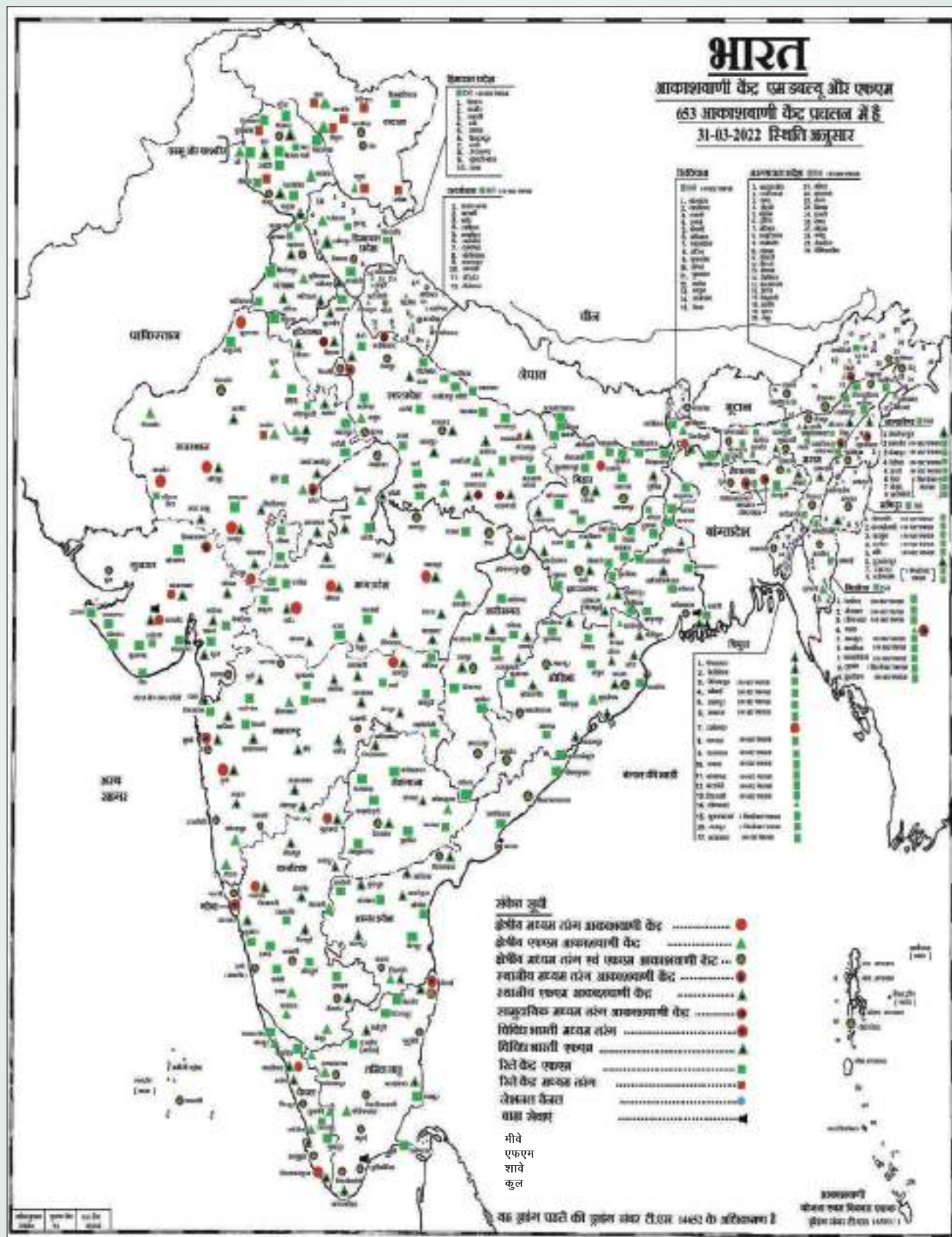
- राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के तहत सभी दस्तावेज़ द्विभाषी रूप में जारी किए गए और हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया गया।
- दूरदर्शन: महानिदेशालय के कंप्यूटरों में हिंदी फॉन्ट स्थापित किए गए।
- अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता पैदा करने तथा उन्हें अपना कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित करने हेतु प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
- अवधि के दौरान लगभग 22 दूरदर्शन केंद्रों / कार्यालयों का निरीक्षण किया गया व उसकी समीक्षा रिपोर्ट भेजी गयी।



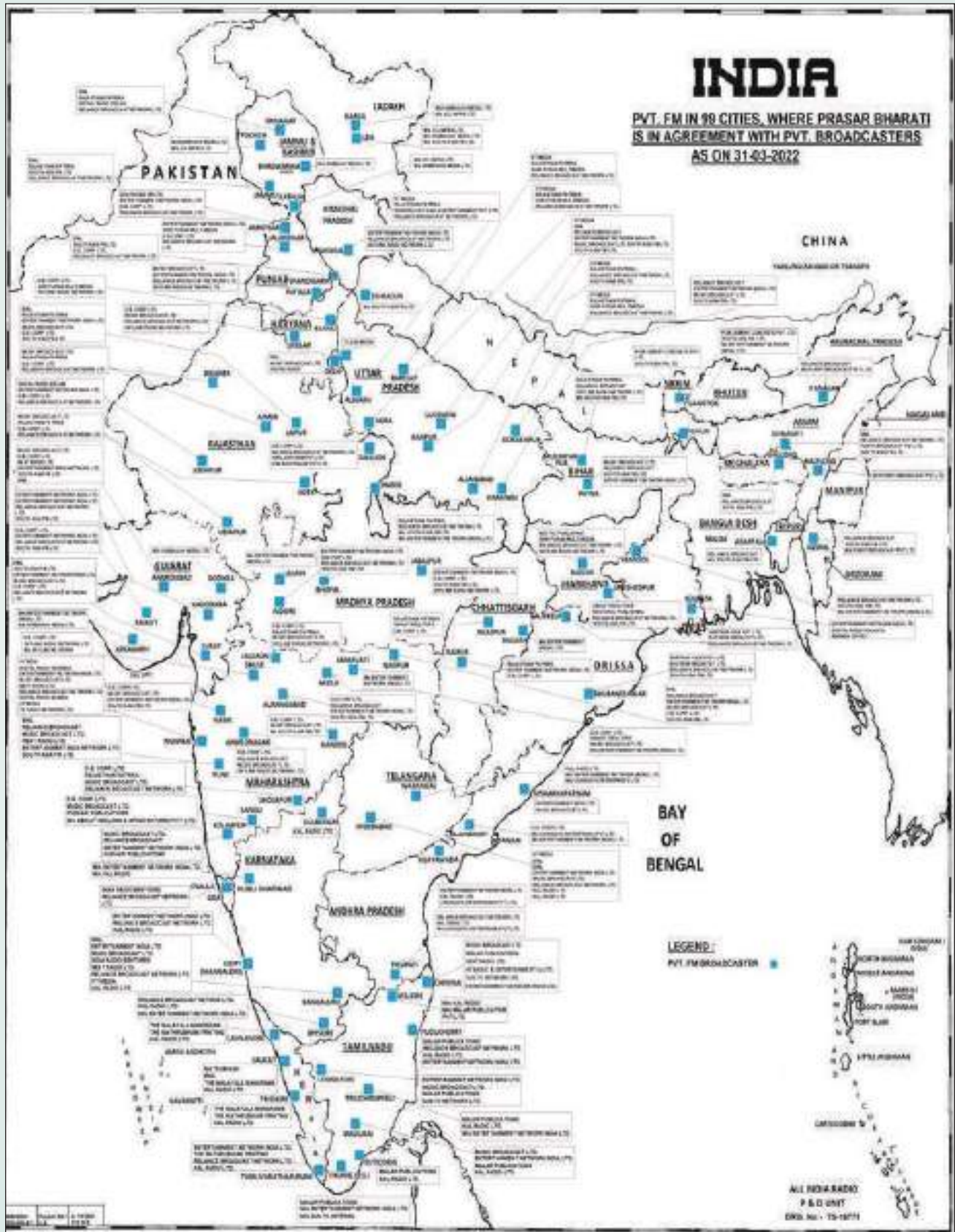
- संसदीय राजभाषा समिति द्वारा दूरदर्शन केंद्र, हैदराबाद, दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम, दूरदर्शन केंद्र, रायपुर, कोलकाता, रांची और जयपुर का राजभाषा निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ एवं कोझिकोड की निरीक्षण प्रश्नावली तैयार करने संबंधी कार्य भी समय से पूरा कर लिया गया है।
- दूरदर्शन : महानिदेशालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और सफल प्रतिभागियों को तदनुसार पुरस्कार राशि प्रदान की गई।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार 25% अनुभागों के राजभाषा निरीक्षण के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से दूरदर्शन महानिदेशालय के 05 आंतरिक अनुभागों का संसदीय निरीक्षण किया गया।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित न्यूनतम 25% संबद्ध कार्यालयों के राजभाषा निरीक्षण के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से दूरदर्शन महानिदेशालय के 02 अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण किया गया।
- मंत्रालय एवं प्रसार भारती से तत्काल आधार पर प्राप्त अनुदान मांग 2023-24 का हिन्दी अनुवाद कार्य किया गया।



सक्रिय मीडियम वेव और एफ एम केन्द्रों के स्थान



उन 99 शहरों के स्थल जहां प्रसार भारती ने निजी एफ.एम. प्रसारकों के साथ करार किया हुआ है।



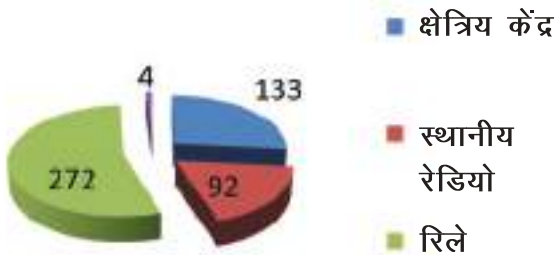
आकाशवाणी – तथ्यों पर एक नज़र

(31.03.2023 की स्थिति के अनुसार)

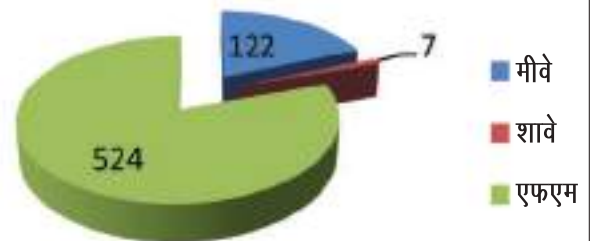
प्रसारण केंद्र:

क्षेत्रीय केंद्र	133
स्थानीय रेडियो केंद्र	92
रिले केंद्र	272
सामुदायिक रेडियो केंद्र	4
कुल:	501

कुल प्रसारण केन्द्र : 501



कुल प्रेषित्र संख्या



प्रेषित्र:

- मीडियम वेव : 122
- शार्ट वेव : 7
- एफ.एम : 524
- कुल : 653

अन्य:

- डीटीएच प्लेटफार्म पर आकाशवाणी चैनल : 48
- क्षेत्रीय समाचार एकांश : 46



आकाशवाणी के चैनल और कार्यक्रम

क. प्रस्तावना

आकाशवाणी का लक्ष्य (बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय) आम जनता के कल्याण और खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को उपलब्ध कराना है।

पिछले आठ दशकों में आकाशवाणी द्वारा किए गए उल्लेखनीय विकास ने इसे विश्व भर में सबसे बड़े मीडिया संगठनों में से एक बना दिया है। अब आकाशवाणी के 501 प्रसारण केंद्र और 653 ट्रांसमिटर हैं। विविधताओं से भरे भारत की सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु नई तकनीकों और कार्यक्रम निर्माण तकनीकों का समावेश करते हुए इस नेटवर्क का क्रमिक विस्तार हुआ है। नई तकनीकों को अपनाते हुए आकाशवाणी की सेवाओं का डिजिटलीकरण किया जा रहा है।

अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कई वर्षों से आकाशवाणी ने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय प्रसारण नामक त्रिस्तरीय प्रणाली विकसित की है। यह अपने केंद्रों के माध्यम से महाद्वीपीय विस्तार वाले बहुलवादी समाजयुक्ती इस देश के श्रोताओं की सूचना, शिक्षा और मनोरंजन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह देश के लगभग सभी जनों तक समाचार, संगीत और उच्चरित शब्द और अन्य कार्यक्रम पहुंचाते हैं। खासकर ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों तक इसकी व्यापक पहुंच इसे प्राथमिकता प्रदान करती है और कभी कभी तो यह सूचना एवं मनोरंजन का एकमात्र साधन होती है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम, जो देश के अधिकांश भागों में मीडियम वेव पर सुने जाते हैं, प्रसारण का पहला स्तर है। क्षेत्रीय भाषाओं/बोलियों में कार्यक्रमों के साथ और क्षेत्रीय एवं सांस्कृतिक आयामों को बढ़ाने वाले क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय केंद्र प्रसारण का दूसरा स्तर होते हैं। इसके अतिरिक्त, एफएम चैनल श्रोताओं विशेषतः युवा वर्ग की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। मुख्यतः एफएम चैनलों पर विविध भारती सेवा भी पूरे देश में 43 स्थानों पर उपलब्ध है और विभिन्न समयावधियों के दौरान इसे 79 स्थानीय रेडियो केंद्रों से भी रिले किया जाता है। कुल 92 स्थानीय रेडियो केंद्रों में से 90 केन्द्र एफ एम मोड पर प्रसारण कर रहे हैं। समूचे विविध भारती नेटवर्क और स्थानीय रेडियो केंद्रों पर केंद्रीयकृत विविध भारतीय राष्ट्रीय सेवा के रूप नए स्लॉट आरंभ किए गए हैं ताकि कुछ एक कार्यक्रमों को अखिल भारतीय स्वरूप दिया जा सके। देश के विभिन्न भागों में स्थित छोटे शहरों के श्रोताओं की आवश्यकताओं एवं रुचियों के लिए एफएम मोड पर मौजूद स्थानीय रेडियो केंद्र हैं प्रसारण का तीसरा स्तर मुहैया कराते हैं। विगत कुछ वर्षों में सामुदायिक रेडियो देश में उपलब्ध विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बीच लोकप्रिय हुआ है और आश्चर्य नहीं कि आकाशवाणी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थानीय जनजातीय लोगों की आवाज के तौर पर वहां चार स्थानों पर सामुदायिक रेडियो सेवा की स्थापना भी की है।

ख. संगठनात्मक ढांचा:

पारंपरिक रूप से आकाशवाणी के प्रमुख महानिदेशक होते हैं, जिनकी सहायता के लिए अपर महानिदेशक कार्यक्रम, प्रशासन तथा वित्त स्कंध तथा अभियांत्रिकी स्कंध से प्रमुख अभियन्ता होते हैं। समाचार स्कंध का नेतृत्व महानिदेशक (समाचार) करते हैं।



महानिदेशक, आकाशवाणी नीति-निर्माण, योजना एवं विकास, अवसंरचना एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन, बजट संबंधी योजना एवं नियंत्रण, मानव संसाधन प्रबंधन के लिए उत्तरदायी हैं तथा प्रचालन एवं अनुरक्षण संबंधी गतिविधियों आदि की निगरानी करते हैं।

पूर्व में आकाशवाणी के कार्यक्रम स्कंध को ग्यारह कार्यक्रम क्षेत्रों: दिल्ली (उत्तरी क्षेत्र- I एवं II), मुंबई (पश्चिमी क्षेत्र- I एवं II), बेंगलुरु (दक्षिणी क्षेत्र- I एवं II), लखनऊ (मध्य क्षेत्र- I), भोपाल (मध्य क्षेत्र- II), कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र- I एवं II) और गुवाहाटी (पूर्वोत्तर क्षेत्र) में: तथा अभियांत्रिकी को परियोजना एवं अनुरक्षण संबंधी अभियांत्रिकी गतिविधियों के लिए दिल्ली (उत्तरी क्षेत्र), कोलकाता (पूर्वी क्षेत्र), मुंबई (पश्चिमी क्षेत्र), गुवाहाटी (पूर्वोत्तर क्षेत्र) और चेन्नई (दक्षिण क्षेत्र) सहित पांच जोनों में विभाजित किया गया था।

इन जोनों को अब भौगोलिक आधार पर उत्तरी क्षेत्र (दिल्ली में), दक्षिणी क्षेत्र (चेन्नई में), पूर्वी क्षेत्र (कोलकाता में), पश्चिमी क्षेत्र (मुंबई में) तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र (गुवाहाटी में) के रूप में पुनर्गठित किया गया है। इसके अतिरिक्त, दूरदर्शन और आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनलों के पर्यवेक्षण हेतु एक राष्ट्रीय जोन का भी सृजन किया गया है। इनमें से प्रत्येक जोन में अपर महानिदेशक स्तर के अधिकारी, आंचलिक प्रमुख (कॉन्टेन्ट ऑपरेशन), आंचलिक प्रमुख (ब्रॉडकास्ट ऑपरेशन) और आंचलिक प्रमुख (प्रशासन) के रूप में तैनात किए जाते हैं।

ग. आकाशवाणी की सेवाएं और चैनल:

i. क्षेत्रीय चैनल:

आकाशवाणी के क्षेत्रीय (प्राथमिक) चैनल राज्यों की राजधानियों और प्रत्येक राज्य के प्रमुख भाषायी-सांस्कृतिक क्षेत्रों में स्थित हैं। ऐसे 133 चैनल देश के 28 राज्यों और 8 संघ शासित प्रदेशों में फैले हैं। क्षेत्रीय चैनल अपने श्रोताओं के जीवन को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में सूचना और मनोरंजन के कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। इनका प्रसारण मुख्यतः मीडियम वेव पर होता है जिनमें से अधिकतर एफ एम समर्थित होते हैं और समेकित सम्मिश्रित कार्यक्रम का अनुसरण करते हैं। क्षेत्रीय सेवाएं भी आकाशवाणी पर सीधे प्रसारण पर उपलब्ध होती हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत पर जोर पर देते हुए ये कला और संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। प्राइमरी चैनलों पर कुल प्रसारण का लगभग 40 प्रतिशत प्रसारण संगीत पर आधारित होता है, जिसमें शास्त्रीय संगीत, सुगम, लोक, फिल्म संगीत और विभिन्नत अन्य भाषाओं का संगीत सम्मिलित होता है। प्रसारण समय का 20 से 30 प्रतिशत समाचार और सामयिक विषयों के कार्यक्रमों का होता है। ग्रामीण जनता को सशक्त बनाने की दिशा में रेडियो नाटक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिलाओं व बच्चों के लिए कार्यक्रम, कृषि एवं गृह कार्यक्रम उच्चरित शब्द कार्यक्रम के ऐसे अन्य कार्यक्रम हैं जो प्राइमरी चैनलों के महत्वपूर्ण भाग हैं। सर्वाधिक सुलभ ये चैनल सबसे अधिक समझी जाने वाली भाषाओं के माध्यम से अपने सभी श्रोताओं तक पहुंचने का प्रयास करते हैं।

ii. स्थानीय रेडियो केंद्र

वर्तमान में 92 स्थानीय रेडियो केंद्र हैं जो पूरे देश में स्थित हैं। ये केंद्र जीवन को समृद्ध बनाने में माइक्रोफोन के प्रयोग के द्वारा उपयोगी सेवाएं उपलब्ध कराते हुए समुदाय के दिलों तक पहुंच कर क्षेत्र की स्थानीय आबादी की जरूरतों को पूरा करते हैं। इनका जमीनी स्तर पर जोड़ने, बारीकी से पहुंचने और स्वच्छंद दृष्टिकोण स्थानीय रेडियो को क्षेत्रीय नेटवर्क से अलग करता है। स्थानीय रेडियो के कार्यक्रम क्षेत्र विशेष के होते हैं। लचीले और अपनी उन्मुक्तता के कारण ये केंद्र स्थानीय लोगों की आवाज बन जाते हैं।

वर्तमान परिदृश्य में चूंकि आकाशवाणी के अधिकांश स्थानीय रेडियो केंद्र एफ.एम. पर हैं इसलिए इनके द्वारा स्थानीय सामग्री के साथ-साथ विविध भारती कार्यक्रमों को रिले किया जाता है। वर्तमान में अधिकांश स्थानीय रेडियो केंद्र 17 घंटे का प्रसारण कर रहे हैं जिनमें से 7 घंटे विविध भारती रिले के होते हैं। इनके कार्यक्रमों में लगभग 60 प्रतिशत स्थानीय और 40 प्रतिशत रिले (समाचार और क्षेत्रीय केंद्रों के अन्य रिले कार्यक्रम) शामिल हैं। इस प्रकार वे उन उद्देश्यों को पूरा कर रहे हैं जिनके लिए उनका निर्माण किया गया था।



iii. सामुदायिक रेडियो केंद्र (सी आर एस):

पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थानीय जनजातीय लोगों के लिए 4 स्थानों पर सामुदायिक रेडियो केंद्र स्थापित किए गए थे:-

1.	तेंगसंग	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्टज
2.	नांगस्टाइन	1 किलोवाट मीडियम वेव	1485 किलोहर्टज
3.	विलियमनगर	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्टज
4.	सेहा	1 किलोवाट मीडियम वेव	1602 किलोहर्टज

iv. एफएम रेनबो:

आकाशवाणी के एफएम रेनबो चैनल का आरंभ उस समय हुआ था जब विशेषकर बड़े शहरों में रेडियो का सुनना कम हो रहा था। समाज के उच्च आय वर्ग से संबद्ध लोग सोचते थे कि रेडियो कार्यक्रमों को सुनने का रिवाज नहीं रह गया है तथा उनके अनुसार औसत मध्यमवर्गीय रेडियो श्रोताओं की जरूरत है। साउंड रिकार्डिंग के क्षेत्र में आए तकनीकी संबंधी सुधारों ने युवा संगीत प्रेमियों को म्यूजिक प्लेयर के अन्य मोड के लिए लुभाया क्योंकि ए एम मोड पर इन गानों की रिसेप्शन गुणवत्ता ऐसी जीवंत नहीं थी जैसा स्टीरियोफोनिक सिनेमाघरों या डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर होती है। एफएम रेडियो ने श्रोताओं के लिए प्रभावी रूप से शोरमुक्त उच्च कोटि का संगीत प्रसारण को सुनिश्चित कर इस कमी को पूरा किया है। यहां तक की एफ एम चैनलों पर उद्घोषकों की प्रस्तुति शैली ने श्रोताओं की बदलती पसंद के अनुसार रूपांतरित किया। कार्यक्रम उद्घोषकों की आपसी दोस्ताना बातचीत वाली शैली युवाओं की नब्ज पकड़ी और उन्हें यह रेडियो के करीब लाने में सफल रहा। चौबीसों घंटे लगातार चलने वाले प्रसारण ने श्रोताओं के सामने मनोरंजन की पूरी नई दुनिया ही पेश कर दी। एक बार फिर कम से कम सुनने की प्रतिशतता के दृष्टिकोण से रेडियो को अपना पिछला गौरव हासिल हुआ।

वर्तमान समय में आकाशवाणी के पास पूरे देश में 524 एफ एम ट्रांसमीटर हैं जिससे वह देश में 58 प्रतिशत क्षेत्र और 72 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। इनमें से एफ एम रेनबो चैनल 25 स्थानों— दिल्ली, मुंबई, चेन्नै, कोलकाता, बंगलुरु, लखनऊ, पणजी, जालंधर, कानपुर, कोच्ची, पुदुचेरी, शिलांग, चंडीगढ़, कटक, कोडईकनाल, तिरुचिरापल्ली, कोयम्बटूर, हैदराबाद, विशाखापट्टनम, रायबरेली, मुदरै, तिरुनलवेल्ली, विजयवाड़ा, पटना और रांची में उपलब्ध है। आकाशवाणी एफ एम रेनबो चार महानगरों में 24x7 उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त दिल्ली रेनबो, मसूरी, अलीगढ़ से पूर्ण रूप से और धर्मशाला एवं भटिंडा से आंशिक रूप से रिले किया जाता है। एफ एम चैनल में पॉप संगीत, फिल्म संगीत, शास्त्रीय व भक्ति संगीत, मुख्य समाचार (सुर्खियां) आदि सम्मिलित हैं।

v. एफएम गोल्ड

एफएम गोल्ड चैनल 1 सितंबर, 2001 से दिल्ली में एक उत्कृष्ट सूचना व मनोरंजन चैनल के रूप में प्रारंभ हुआ जिसमें 50 प्रतिशत समाचार एवं समसामयिक विषयों के कार्यक्रम और 50 प्रतिशत उपयुक्त मनोरंजन के कार्यक्रम थे। वर्तमान में एफएम चैनल प्रतिदिन चौबीसों घंटे उपलब्ध है। एफ एम गोल्ड चार महानगरों अर्थात दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में है। इस अतिरिक्त चैनल ने अपने श्रोताओं को क्षेत्र में अन्य समांतर रूप से प्रसारित हो रहे आकाशवाणी और निजी एफ एम केंद्रों को सुनने के अतिरिक्त एक और विकल्प प्रदान किया है। यह चैनल मनोरंजन के साथ-साथ सूचना तथा यातायात, हवाई सेवा, रेलवे, मौसम आदि के बारे में अद्यतन जानकारी भी उपलब्ध कराता है।

vi. डायरेक्ट टू होम (डी टी एच) सेवा:

डी टी एच रेडियो चौबीसों घंटे की उपग्रह सेवा है जो उन श्रोताओं के लिए है जिनके पास अपना टीवी सेट होता है। यह प्रसार भारती के डी टी एच प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध है जिसकी अपलिकिंग की सुविधा टोडापुर, दिल्ली में है। ये स्थलीय-प्रसारण सेवा नहीं है और डी टी एच कार्यक्रमों को सामान्य रेडियो रिसीवर सेटों के माध्यम से नहीं



सुना जा सकता। यह पूरे देश के साथ-साथ पड़ोसी देशों को भी कवर करता है। डी टी एच एक चौबीसों घंटे वाली सेवा है जिसका डिजिटल प्रसारण है। इसकी योजना इस प्रकार बनायी गयी है कि दोहराव कम से कम हो। डी टी एच सेवा पूरे देश में निर्जन स्थान व कोने में विभिन्न भाषाओं के चैनलों को उपलब्ध करवाती है। इसकी डिजिटल क्वालिटी डी टी एच प्रसारण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। इस वर्ष के नए चैनल लेह (लद्दाख), पणजी, पुदुचेरी, पोर्टब्लेयर और गंगटोक हैं।

vii. विविध भारती राष्ट्रीय सेवा (वी बी एन एस):

विविध भारती राष्ट्रीय सेवा पूरे देश के विभिन्न केंद्रों से रिले हेतु सेटेलाइट प्रसारण के माध्यम से उपलब्ध चौबीसों घंटे वाली सेवा है। विविध भारती का प्रस्तुतिकरण एवं अपलिकिंग संबंधी कार्य मुंबई से किया जाता है। इस चैनल को सही मायनों में राष्ट्रीय सेवा का दर्जा हासिल है। इस चैनल को मुख्यतः 41 सीबीएस-वीबी केंद्रों से रिले किया जाता है (17 घंटे)। विविध भारती राष्ट्रीय सेवा को देश भर के 65 स्थानीय रेडियो केंद्रों और 100 वॉट एफएम ट्रांसमीटरों से भी रिले किया जाता है।

viii. सीधा प्रसारण:

आज की तारीख में आकाशवाणी लाइव न्यूज़ 24x7, एफएम रेनबो, एफएम गोल्ड, विविध भारती सेवा, रागम आदि सहित लगभग 291 आकाशवाणी चैनल इंटरनेट के माध्यम से प्रसार भारती की वेबसाइट 'prasarbharati.gov.in' पर जाकर सुने जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त ये चैनल आई ओ एस और एंड्रोएड आधारित मोबाइल फोनों पर "newsonair" ऐप के जरिए भी सुने जा सकते हैं।

घ. वर्ष के दौरान नई पहलें:

i. अभियांत्रिकी:

आकाशवाणी विश्व के सबसे बड़े प्रसारण नेटवर्क में से एक है। स्वतंत्रता के समय छह रेडियो केंद्र और 18 ट्रांसमीटर (6 मीडियम वेव और 12 शार्ट वेव) थे, जो देश की 11 प्रतिशत जनसंख्या और 2.5 प्रतिशत क्षेत्रफल को कवर करते थे।

30 नवंबर, 2022 तक, आकाशवाणी का नेटवर्क बढ़कर 501 केंद्रों तक हो गया है। हालांकि ट्रांसमीटरों की कुल संख्या को घटाकर 653 (122 मीडियम वेव, 7 शार्ट वेव और 524 एफएम) कर दिया गया है, जो देश के 90 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रफल में 98 प्रतिशत जनसंख्या को कवरेज प्रदान करते हैं। इसमें लगभग 8-10 कि.मी. के दायरे में स्थानीय कवरेज के लिए स्थापित किए गए 207 की संख्या में 100 वाट एफएम ट्रांसमीटर शामिल हैं।

वर्ष के दौरान नई पहलें निम्न प्रकार हैं:

- क. 10 वाट एफएम ट्रांसमीटर: 1
- ख. चालू किए गए एफएम ट्रांसमीटर: 2 स्थान
- ग. आकाशवाणी के 79 केंद्रों पर सर्वर की एसआईटीसी और रेडियो ऑटोमेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है। डिजिटल कंसोल की आपूर्ति की गई है और आकाशवाणी के 29 केंद्रों पर इन्हें स्थापित किया जा रहा है। गुवाहाटी में क्षेत्रीय अभिलेखीय सुविधा से संबंधित विभागीय कार्य पूर्ण हो चुका है।

ii. कार्यक्रम:

1. 'आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वाधान में 11 से 17 अगस्त, 2022 के दौरान 'हर घर तिरंगा' नामक अभियान का प्रचार।
2. 5 जुलाई, 2022 से 17 सितंबर, 2022 तक स्वच्छ 75 समुद्री तटों पर 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर/स्वच्छ तट, सुरक्षित समुद्र' नामक 75 दिवसीय स्वच्छता अभियान का प्रचार।



3. 20 अगस्त, 2022 से आजादी का अमृत महोत्सव के संबंध में हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में “स्वराज” नामक विशेष श्रृंखला का प्रसारण।
4. विशेषकर सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा हेतु ई आर एस एस (आपातकालीन कार्रवाई सहायता प्रणाली) परियोजना के अंतर्गत 29.03.2023 को राष्ट्रीय आपातकालीन नंबर जागरूकता के बारे में प्रचार।
5. आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 25 अप्रैल से 30 अप्रैल 2022 के दौरान भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के सहयोग से कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ‘किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी’ अभियान, जिसमें कृषक समुदाय के कल्याण हेतु केंद्र सरकार की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं को रेखांकित किया जाता है, का व्यापक प्रचार और कवरेज।
6. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 10 हजार एफ पी ओ के कलस्टर आधारित व्यापार संगठन एवं निर्माण संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में एक रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण आकाशवाणी दिल्ली द्वारा 21.04.2022 को किसान की बात कार्यक्रम में उनके एफ एम गोल्ड चैनल पर किया गया।
7. कृषि एवं गृह तथा किसानवाणी कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहे आकाशवाणी केंद्रों ने श्रीअन्न की खेती, उनके पोषक महत्व, निर्यात, प्रसंस्कृत उत्पादों की विपणन क्षमता और पर्यावरण पर प्रभाव के विभिन्न आयामों पर कार्यक्रम का प्रसारण करके अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष 2023 का व्यापक प्रचार और कवरेज किया।
8. आकाशवाणी केंद्रों के कार्यक्रम प्रमुखों ने 15 जुलाई, 2022 को 18–59 आयुवर्ग के सभी पात्र लोगों को निःशुल्क ऐतिहासिक खुराक देने के बारे में 75 दिवसीय कोविड ऐतिहासिक टीकाकरण अभियान का विशेष प्रचार किया जो 30 सितंबर, 2022 तक चला। यह कोविड टीकाकरण अभियान आजादी का अमृत महोत्सव का एक भाग था और आकाशवाणी ने इस जानकारी का समय पर प्रचार-प्रसार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
9. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 1 से लेकर 30 सितंबर, 2022 तक पोषण अभियान चलाया। “महिला और स्वास्थ्य” तथा “बच्चा और शिक्षा” के रूप में पांचवें राष्ट्रीय पोषण माह 2022 के मुख्य विषय के साथ आकाशवाणी केंद्रों ने संपर्क कार्यक्रम संचालित किए ताकि माननीय प्रधानमंत्री की एक सुपोषित भारत की सोच को साकार किया जा सके तथा इस जन-आंदोलन को जन-भागीदारी में परिवर्तित किया जा सके।
10. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 17 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2022 तक राष्ट्रव्यापी रक्त दान अभियान रक्त दान अमृत महोत्सव का आरंभ किया। भारत के सभी आकाशवाणी केंद्रों को सलाह दी गई कि वे राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के व्यापक प्रचार हेतु विभिन्न प्रारूपों में समुचित कार्यक्रमों का प्रसारण करें।
11. खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल. आकाशवाणी ने 23 अप्रैल से 3 मई, 2022 तक बंगलूरु में आयोजित खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल 2021 को व्यापक रूप से कवर किया।
12. राष्ट्रीय खेल 2022 आकाशवाणी ने 29 सितंबर से 12 अक्टूबर, 2022 तक गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 को व्यापक रूप से कवर किया। आकाशवाणी ने यूनिसेफ की सहायता से सितंबर, 2021 में राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान पोषण संबंधी संदेश तथा पोषण संबंधी कार्यक्रमों का प्रसारण किया।
13. आजादी का अमृत महोत्सव आकाशवाणी ने इस वर्ष विभिन्न भारतीय भाषाओं में देशभक्ति गानों पर आधारित आजादी का अमृत महोत्सव प्रसारण में क्षेत्रीय लोक तथा सुगम संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रसारण किया।

iii. समाचार सेवा:

1. **आजादी का अमृत महोत्सव:** समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव पर आकाशवाणी समाचार के साथ आजादी का सफर/आकाशवाणी के साथ आजादी का सफर, धरोहर, अपराजिता, निशान, आजादी के तराने और भूले बिसरे नायकों पर विशेष श्रृंखला का प्रसारण किया। आकाशवाणी समाचार के साथ मिलकर ई-पुस्तक आजादी का सफर को भी अस्तित्व में लाया ताकि यह प्रसारण भारत की भावी पीढ़ियों के दिलों-दिमाग में गूंजती रहे। यह ई-पुस्तक <https://newsonair.gov.in/akam/english/akame/index.html> पर उपलब्ध है।



2. **राष्ट्रमंडल खेल 2022:** आकाशवाणी समाचार ने बर्मिंघम में आयोजित राष्ट्र मंडल खेल 2022 में भाग ले रहे भारतीय खिलाड़ियों के जीवनवृत्त पर विशेष रिपोर्टों का प्रसारण किया।
3. **जम्मू और कश्मीर एक नई सुबह:** समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी ने विगत दो वर्षों में संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर प्रशासन की उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए एक विशेष श्रृंखला जम्मू और कश्मीर एक नई सुबह का प्रसारण किया।
4. **हर घर तिरंगा और स्वतंत्रता दिवस 2022:** समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और इसके क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने आजादी का अमृत महोत्सव के भाग के रूप में स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु राष्ट्रव्यापी अभियान हर घर तिरंगा से संबंधित कार्यक्रमों और गतिविधियों को व्यापक कवरेज प्रदान किया।
5. **आजाद भारत की बात आकाशवाणी के साथ:** आकाशवाणी समाचार ने आजाद भारत की बात आकाशवाणी के साथ विशेष श्रृंखला के साथ स्वतंत्रता के 75 वर्ष को मनाया। प्रमुख बुलेटिनों में प्रसारित इस श्रृंखला में आकाशवाणी द्वारा कहानी के रूप में स्वतंत्रता के बाद जीवन के विभिन्न पहलुओं के सफर का समावेश किया गया।
6. **पोषण माह:** सितंबर, 2022 माह के दौरान बुलेटिनों तथा समाचार पत्रिका कार्यक्रमों में पोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने, कुपोषण को दूर करने तथा बच्चों, नाबालिग लड़कियों, गर्भवती महिलाओं और दुग्धपान कराने वाली माताओं के पोषण संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी देने हेतु समाचार तथा कैप्सूल लगाए गए।
7. **मन की बात:** प्रधानमंत्री की मन की बात संबंधी कार्यक्रम को समाचार सेवा मुख्यालय से सभी प्रमुख समाचार बुलेटिनों और क्षेत्रीय समाचार एकांशों की बुलेटिनों में कवर किया गया। न्यूज़ ऑन एयर वेबसाइट के माध्यम से इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। इस कार्यक्रम पर विशेष चर्चाएं भी आयोजित की गईं। समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी ने मन की बात के एपिसोड पर सर्वेक्षण भी आयोजित किया। यह सर्वेक्षण क्षेत्रीय समाचार एकांशों तथा मुख्यालय के संदर्भ एवं पी पी एण्ड डी एकक तथा रिपोर्टिंग की सहायता से आयोजित किया गया। आकंड़ा विश्लेषण संदर्भ एवं पी पी एण्ड डी एकक द्वारा किया गया।
8. **महात्मा गांधी जन्म वर्षगांठ और स्वच्छ भारत दिवस:** समाचार सेवा प्रभाग, मुख्यालय तथा क्षेत्रीय समाचार एकांशों की बुलेटिनों में महात्मा गांधी की 153वीं जन्म: वर्षगांठ तथा स्वच्छ भारत दिवस का व्यापक प्रचार किया गया।
9. **एक भारत श्रेष्ठ भारत:** समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी और इसके क्षेत्रीय समाचार एकांशों तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने एक भारत श्रेष्ठ भारत संबंधी गतिविधियों और कार्यक्रमों को कवरेज प्रदान किया।
10. **जी20, सीओपी27 और अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष:** समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी ने बाली में जी20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री के संबोधन तथा शर्म-अल-शेख में सीओपी27 सम्मेलन को विशेष कवरेज प्रदान किया। अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष के भाग के रूप में भी कवरेज प्रदान किया गया।
11. **पुरस्कार:** समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं के लिए जागरूकता और शिक्षा के बारे में उत्कृष्ट अभियान के लिए राष्ट्रीय मीडिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ड. कार्यक्रम गतिविधियां:

वर्ष 2021-22 (1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022) के लिए महत्वपूर्ण कवरेज, प्रसारण और रेडियो रिपोर्ट का विवरण अनुलग्नक-V में दिया गया है। अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम संबंधी गतिविधियां भी नीचे दी गई हैं:

i. उच्चरित शब्द:

आकाशवाणी ने वर्ष 2022-23 के दौरान 400 से अधिक केंद्रों/चैनलों के अपने नेटवर्क पर विभिन्न विषयों पर जागरूकता सृजन संबंधी कार्यक्रम चलाए। उच्चरित शब्द प्रभाग, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों के महत्वपूर्ण

1. प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को पूरे आकाशवाणी नेटवर्क से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' का प्रसारण किया गया।
2. दिनांक 6 मई, 2022 को भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं में नागरिकों की जागरूकता, व्यापक भागीदारी और इससे जुड़ने के लिए आकाशवाणी केंद्रों पर 'सबका विकास महा क्वीज सीरिज' का प्रचार-प्रसार।
3. दिनांक 05.06.2022 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर # केवल एक पृथ्वी विषय संबंधी संदेश का प्रचार-प्रसार।
4. दिनांक 24.11.2022 को इसके रैनबो चैनल के स्थल से डायल आउट कार्यक्रम का दिल्ली से प्रसारण और दिनांक 25.11.2022 को एफ एम गोल्ड चैनल पर किसान की बात कार्यक्रम का व्यापक रेडियो रिपोर्ट का प्रसारण किया।
5. दिनांक 06.12.2022 को नई दिल्ली में मिलेट-स्मार्ट फूड कॉन्क्लेव को आकाशवाणी दिल्ली एफ एम गोल्ड चैनल पर किसान की बात कार्यक्रम में कवर किया गया।
6. आई वाई ओ एम 2023 के लिए नेटवर्क कवरेज और प्रचार, किसानवाणी और किसान की बात कार्यक्रम प्रसारित करने वाले सभी आकाशवाणी स्टेशन, प्रसंस्करण मशीनरी, बाजरा उत्पादन, विपणन और खपत के माध्यम से बाजरा की कटाई के बाद प्रबंधन पर व्यापक कार्यक्रम प्रसारित करते हैं, जिसमें बाजरा उत्पादन और विपणन से संबंधित किसानों की सफलता की कहानियां शामिल हैं।
7. किसानवाणी और किसान की बात कार्यक्रम प्रसारित करने वाले सभी स्टेशनों ने 23.12.2023 को किसान दिवस के संबंध में प्रचार प्रसार किया और कार्यक्रमों को कवर किया।
8. दिनांक 12.01.2023 को एन ए एस सी कॉम्प्लेक्स, पूसा में आयोजित राष्ट्रीय कृषि उद्यमिता पुरस्कार समारोह को किसान की बात कार्यक्रम में शामिल किया गया।
9. दिनांक 20.02.2023 को कृषि भवन, नई दिल्ली में आयोजित जैद/ग्रीष्मकालीन अभियान के राष्ट्रीय सम्मेलन का प्रचार-प्रसार किया गया और कवरेज प्रदान की गई।
10. दिनांक 06.12.2022 को नई दिल्ली में आयोजित मिलेट्स स्मार्ट फूड कॉन्क्लेव को किसान की बात कार्यक्रम में विधिवत शामिल किया।
11. दिनांक 15.02.2023 को किसानवाणी कार्यक्रम प्रसारित करने वाले कई आकाशवाणी स्टेशनों द्वारा रेडियो किसान दिवस मनाया गया, जहां प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया, वरिष्ठ जिला अधिकारियों ने अध्यक्षता की और विशेषज्ञों ने मौके पर स्थानीय किसानों के मुद्दों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

किसान रेडियो दिवस में सम्मानित हुए कृषक

[illegible]

राजधन सिंह, कनकलाल रामदेव, हरिशंकर दुबे, राजेश वर्मा, राजेश वर्मा, चंद प्रसाद, राम घुनानिवासी रामनरेश वर्मा, विजय कुमार शर्मा, फायाज सिंह, विजय वर्मा, जयप्रकाश वर्मा, रामनरेश व रामलाल की युक्ति व अन्य उपाय देखकर सम्मनित किया गया। अगलेच के दौरान रा. कुंज निरंकर संस्था विजयी, विजय कुंज अधिकांसी ओरफालासिंह, मुखार राहु पदिसिंहकाकाजी डा. जयदील प्रसाद ने भी रामनरेशवा किया।

जयलाल ने कुंज होर पे किरा जने बातें काय की तुलनात और अधक फलत जयप्रकाशसिंहवा काई जयप्रकासी खाता की। अगले चरक कि कुंज से अधक प्रसाद के निरंकिशाली वयदीदी का पालन किश जयत चरिया।

12. कृषि एवं गृह एकांश, आकाशवाणी महानिदेशालय द्वारा आकाशवाणी किसानवाणी और डी डी किसान/डी डी क्षेत्रीय केंद्रों के कार्यक्रम तैयार करने वालों के लिए एक प्रभावी मूल्यांकन और दक्षता निर्माण कार्यशाला का 8 से 10 फरवरी, 2023 तक केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में आयोजन किया गया, जिसमें कृषि रत्न पुरस्कार विजेताओं, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, विषयवस्तु विशेषज्ञों, मीडिया प्रतिनिधियों सहित लगभग 40 कार्यक्रम निर्माताओं और प्रगतिशील किसानों आदि ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन महानिदेशक आकाशवाणी डॉ. वसुधा गुप्ता ने किया, जिसमें आई वाई ओ एम 2023 पर अभियान रणनीतियों, खाद्य और पोषण संबंधी सुरक्षा चुनौतियों, कृषि तकनीक और नए युग के किसानों के लिए कृषि उद्यमिता सहित स्मार्ट कृषि, जलवायु लचीलापन जैसे अन्य विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।



महानिदेशक आकाशवाणी डॉ. वसुधा गुप्ता, आकाशवाणी किसानवाणी और डी डी किसान/डी डी के कार्यक्रम निर्माताओं के लिए एक प्रभावी मूल्यांकन और दक्षता निर्माण पर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए।





13. दिनांक 9 से 10 मार्च, 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित पी एच डी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में बांस सेक्टर के विकास और बांस प्रदर्शनी पर राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रचार-प्रसार और कवरेज प्रदान किया गया।
14. आगामी ग्रीष्म ऋतु में अधिक गर्मी के मौसम से निपटने के लिए उपयुक्त उपाय अपनाने के लिए प्रचलित कृषि जलवायु परिस्थितियों पर कृषि समुदाय के लिए 11.03.2023 से प्रचार-प्रसार और जागरूकता अभियान चलाया गया।
15. दिनांक 18 मार्च, 2023 को एन ए एस सी कॉम्प्लेक्स पूसा में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए वैश्विक बाजरा सम्मेलन का आकाशवाणी नेटवर्क पर प्रचार-प्रसार किया गया और लाइव कवरेज प्रदान की गई।
16. दिनांक 24-25 मार्च, 2023 से पंजाब कृषि विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित किसान मेला का प्रचार और कवरेज प्रदान की गई।
17. दिनांक 29 से 31 मार्च, 2023 तक चंडीगढ़ में जी-20 एडीएम का प्रचार और कवरेज प्रदान की गई।

ii. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण:

क. महिलाओं के कार्यक्रम:

आकाशवाणी के महिला कार्यक्रमों में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, आहार और पोषण, वैज्ञानिक गृह प्रबंधन, महिला उद्यमिता, प्रौढ़ शिक्षा सहित शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक मुद्दों आदि से संबंधित विषय कवर किए जाते हैं।

आकाशवाणी बालिकाओं के कल्याण के लिए विभिन्न प्रारूपों में कार्यक्रमों को प्रसारित करती है। स्टेशनों के परिवार कल्याण अनुभागों के कार्यक्रमों का उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक भेदभाव से संबंधित मुद्दों पर सामाजिक जागरूकता, कानूनी जानकारी के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों और विशेषाधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। ग्रामीण श्रोताओं के साथ जुड़ने के लिए विभिन्न पारंपरिक लोक तरीकों का भी प्रयोग किया गया। “बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ” कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद महानिदेशक आकाशवाणी ने सभी स्टेशनों को निर्देश जारी किए कि वे अपने कार्यक्रमों की योजना बनाते समय “बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ” को लोकप्रिय बनाने पर विशेष ध्यान दें। जैसे वही अभियान 2022 में जारी रहा।

आकाशवाणी केंद्रों को नियमित रूप से सलाह दी गई कि वे मीडिया में महिलाओं के अभद्र चित्रण से संबंधित कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों का समुचित प्रचार-प्रसार करें और महिलाओं के सकारात्मक चित्रण के जरिए लोगों को जानकारी प्रदान करें। इन कार्यक्रमों में, महिलाओं के अभद्र चित्रण से संबंधित मौजूदा कानूनों और विनियमन के तहत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों और उपचार की जानकारी भी प्रसारित की गई।

अपने नेटवर्क में आकाशवाणी स्टेशनों को महिलाओं के प्रति यौन अपराधों से संबंधित कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों का समुचित प्रचार-प्रसार करने और विधिक उपबंधों एवं दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार ऐसे उपबंधों के उल्लंघन के लिए कानूनी प्रावधानों और निर्धारित दंड के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न प्रारूपों में कार्यक्रमों का प्रसारण करने के निर्देश दिए गए। ‘राष्ट्रीय महिला सुरक्षा मिशन’, जिसमें महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दे शामिल हैं, से संबंधित अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने और उसके प्रचार हेतु अनुदेश जारी किए गए। कार्यक्रम प्रमुखों को सलाह दी गई कि वे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से प्राप्त अनुशंसाओं के अनुरूप महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें, जो 2022 में जारी रहा।

प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों की उपलब्धियों को पहचानने और जागरूकता बढ़ाने के लिए संबंधित कार्यक्रम तैयार करने के लिए स्टेशनों को पहले से ही निर्देशित किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में कार्यक्रम अधिकारियों की नियमित भागीदारी सुनिश्चित की गई। हाल ही में, रेडियो व्यावसायियों ने इन्सपिरिंग इंडिया पत्रिका के दूसरे संस्करण के लॉन्च के लिए यू एन डी पी कार्यक्रम में



भाग लिया, जिसमें भारत की असाधारण महिलाओं और व्यापार और पर्यावरण क्षेत्रों में उनके योगदान की प्रशंसा की।

ख. स्वास्थ्य कार्यक्रम

स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आकाशवाणी के नियमित प्रसारण का हिस्सा होते हैं। लगभग प्रत्येक आकाशवाणी केंद्रों द्वारा लगभग नियमित आधार पर स्वास्थ्य जागरूकता के कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। संबंधित क्षेत्र की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं, मौसमी बीमारियों के फैलने की आशंकाओं के आधार पर तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और आकाशवाणी महानिदेशालय के अनुदेशों/सलाह के अनुसार इनकी रूपरेखा तैयार की जाती है और इनका प्रसारण किया जाता है। स्वास्थ्य से संबंधित कार्यक्रमों की विषयवस्तु में रोग, कारण और निवारण, उपलब्ध उपचार, टीकाकरण के बारे में जानकारी सभी आकाशवाणी स्टेशनों की नियमित स्वास्थ्य कार्यक्रम सूची में शामिल होती हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार जुलाई 2022 में ही लोगों में दहशत पैदा किए बिना मंकीपॉक्स के बारे में जागरूकता अभियान का प्रचार किया गया।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) दुनिया भर में महिलाओं और लड़कियों की यौन और प्रजनन स्वास्थ्य (एसआरएच) जरूरतों और कमजोरियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाता है। कार्यक्रम प्रमुखों को विश्व जनसंख्या दिवस, 2022 के अवसर पर सामान्य जागरूकता पैदा करने का निर्देश दिया गया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सलाह के अनुसार कोरोना वायरस के बारे में जागरूकता अभियान का जनता के बीच प्रचार किया गया। आकाशवाणी ने जनवरी, 2020 से पहले ही इस बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करना शुरू कर दिया था और यह वर्ष 2022 में भी जारी रहा और मामलों में वृद्धि की रिपोर्ट करने और अपनाए जाने वाले एहतियाती उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। सभी आकाशवाणी स्टेशनों को डब्ल्यूएचओ, यूनेस्को के सहयोग से एशिया पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) द्वारा तैयार उच्च गुणवत्ता वाले कॉपीराइट मुक्त ऑडियो संदेशों को प्रसारित करने का निर्देश दिया गया था, जो टीके और कोविड-19 को रोकने के अन्य उपायों से संबंधित थे। 18-59 आयु वर्ग के बीच के सभी पात्र वयस्क आबादी को मुफ्त एहतियात खुराक प्रदान करने के लिए 15 जुलाई 2022 को 75 दिवसीय कोविड टीकाकरण एहतियात खुराक अभियान पर आकाशवाणी स्टेशनों के कार्यक्रम प्रमुखों द्वारा विशेष प्रचार किया गया और 30 सितंबर 2022 तक जारी रखा गया। यह कोविड टीकाकरण अभियान आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के उत्सव का एक हिस्सा था और आकाशवाणी ने समय पर सूचना प्रसारित करके इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस दौरान विश्व अल्जाइमर दिवस मनाते हुए अल्जाइमर रोग के प्रति जागरूक किया गया। आकाशवाणी स्टेशनों ने भारत में बुजुर्ग जनसंख्या के कल्याण के लिए समय पर निपटान और उपचार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (डब्ल्यूसीडी) ने पोषण अभियान के एक भाग के रूप में सितंबर महीने को राष्ट्रीय पोषण माह/पोषण माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया। इस वर्ष भी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 1 से 30 सितंबर 2022 तक पोषण अभियान मनाया। 5वें राष्ट्रीय पोषण माह 2022 के मुख्य विषय "महिला और स्वास्थ्य" और "बच्चा और शिक्षा" के साथ माननीय प्रधानमंत्री के सुपोषित भारत के सपने को पूरा करने और इस जन आंदोलन को जन भागीदारी में बदलने के लिए आकाशवाणी स्टेशनों द्वारा आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिला और बच्चों के लिए विशेष फोकस समूह के पोषण पर कार्यक्रम नियमित रूप से किए जाते हैं।

भारत में गैर-संक्रमक रोगों का बोझ बढ़ने के कारण हृदय रोगों और मधुमेह के दोहरे खतरों पर जागरूकता बढ़ाई गई। तदनुसार, आकाशवाणी स्टेशनों में विश्व हृदय दिवस और विश्व मधुमेह दिवस मनाने के निर्देश दिए थे, जहां प्रख्यात एंडोक्रिनोलॉजिस्ट और कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा सुझाव और रोकथाम के तरीकों पर चर्चा की गई। हाल ही में, 04 फरवरी 2023 को विश्व कैंसर दिवस मनाते हुए भारत में कैंसर की बढ़ती घटनाओं और इसके कारण होने वाली मृत्यु दर पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही, एन एच एम के तहत कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे उपलब्ध सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों पर



जागरूकता फैलाई गई।

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 05.07.2018, 10.09.2018 और 14.09.2018 के डब्यूके पी (सी) संख्या 1151/2017 के आदेश के तहत कुष्ठ उन्मूलन पर जागरूकता के संबंध में निर्देश पारित किए। इस संबंध में, सभी आकाशवाणी केंद्रों के कार्यक्रम प्रमुखों को अपने नियमित परिवार कल्याण कार्यक्रमों के तहत सामान्य जागरूकता पैदा करने की सीमा तक माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 17 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2022 तक राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक रक्तदान अभियान, रक्तदान अमृत महोत्सव शुरू किया। पूरे भारत के सभी आकाशवाणी स्टेशनों को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस (एनवीबीडीडी) के व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए विभिन्न प्रारूपों में उपयुक्त कार्यक्रम प्रसारित करने की सलाह दी गई।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता पैदा की गई और 10 अक्टूबर 2022 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाते हुए अवसाद से गुजर रहे व्यक्तियों की विशेष जरूरतों के प्रति समाज को संवेदनशील बनाने के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए गए। यह राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति जारी होने से पहले किया गया था जो मानसिक तंदुरुस्ती और आत्महत्याओं का मुकाबला करने की रणनीतियों से संबंधित है। बाद में, स्टेशनों को राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति के अनुसार बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण के साथ आत्महत्या के मुद्दे को संबोधित करने के लिए मनोवैज्ञानिकों के साथ कार्यक्रम और बातचीत शुरू करने का निर्देश दिए गए।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कार्यक्रम अधिकारियों की नियमित भागीदारी सुनिश्चित की गई। हाल ही में, रेडियो व्यावसायियों ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में यूनिसेफ द्वारा आयोजित जी20 और स्वास्थ्य प्राथमिकताओं वाले वेबिनार में भाग लिया। वेबिनार में, डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयासों पर चर्चा की गई।

स्वास्थ्य पर नियमित प्रसारण में शामिल अन्य विषयों में विवाह की सही उम्र, पहले बच्चे में देरी, दो बच्चों के बीच अंतर, टर्मिनल तरीके, मातृ देखभाल, बच्चे का उत्तरजीविता, पति और पत्नी के बीच बेहतर संवाद/पुरुष जिम्मेदारी, पुत्र प्राथमिकता सिंड्रोम को बेअसर करना, गर्भावस्था की चिकित्सकीय समाप्ति, संस्थागत कानूनी प्रावधानों को बढ़ावा देना, विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में विशेष जागरूकता के साथ प्रजनन नली संबंधी संक्रमण (आरटीआई), यौन जनित संक्रमण (एसटीआई) का प्रबंधन, प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीक (विनियम और दुरुपयोग की रोकथाम) अधिनियम-1994, स्तनपान, विकलांगता और प्रजनन बाल स्वास्थ्य आदि जैसे विषय कवर किए गए। हाल ही में भारत में टीबी महामारी को समाप्त करने के बढ़ते प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए 24 मार्च 2023 को विश्व क्षयरोग दिवस मनाने के लिए विशेष प्रसारण भी किया गया था। इसके अतिरिक्त, प्रतिकूल बाल लिंग अनुपात के बारे में सामान्य जागरूकता और कन्या भ्रूण के गर्भपात के लिए जिम्मेदार नकारात्मक मानसिकता को बदलने के लिए नियमित रूप से जागरूकता पैदा की जाती है।

ग. बच्चों के कार्यक्रम

सभी आकाशवाणी केंद्र नियमित आधार पर बच्चों के लिए कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। ये कार्यक्रम 5-7 और 8-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए होते हैं। ग्रामीण बच्चों के लिए भी विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। कुछ कार्यक्रम साप्ताहिक होते हैं और इनमें नाटक, लघु कथाएं, रूपक, सामूहिक गायन, साक्षात्कार, महाकाव्यों की कहानियां आदि शामिल होती हैं।

बच्चों के लिए आकाशवाणी केंद्रों द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों में निम्नलिखित बिन्दु नियमित रूप से शामिल हैं:-

1. बाल अधिकारों का संरक्षण और विशेषकर देखभाल की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान सुरक्षित रखने तथा कानून से जुड़ा रहे किशोरों का संरक्षण।
2. दिव्यांग बच्चों की देखभाल और सहायता।



3. कठिन परिस्थितियों में बच्चों की देखभाल और सहायता।
4. लड़कियों को समान दर्जा।
5. बच्चों की बुनियादी शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच और लड़कियों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देना।
6. बच्चों को सुरक्षित और अनुकूल वातावरण प्रदान करना।
7. परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार व आत्मनिर्भर समाज।
8. बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग।
9. सुरक्षित पेयजल सुविधा और मलमूत्र निपटान के स्वच्छता संबंधी साधन।
10. इंटरनेट और ऑनलाइन वर्ल्ड को असुरक्षा से बचाना।

विश्व भर में यातना पीड़ितों, मानवाधिकार समर्थकों और यातना से बचे लोगों के समर्थन में प्रत्येक वर्ष 26 जून को बाल दुर्व्यवहार और अवैध मानव तस्करी के खिलाफ अंतराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। सभी आकाशवाणी स्टेशनों के कार्यक्रम प्रमुखों को नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में सामान्य जागरूकता कार्यक्रम तैयार करने की सलाह दी गई।

आकाशवाणी, बच्चों और महिलाओं के मुद्दों को उठाने के लिए यूनिसेफ की नियमित भागीदारी रही है और लम्बे समय से रेडियो फार चाइल्ड जैसे अभियानों के माध्यम से यूनिसेफ के साथ जुड़ा हुआ है। यह व्यापक रूप से माना जाता है, और सही भी है, की स्वास्थ्य पहल के बारे में जागरूकता फैलाने और अपने श्रोताओं के बीच स्वस्थ व्यवहार को बढ़ावा देने में रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका है। रेडियो के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारत ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में यूनिसेफ द्वारा आयोजित जी-20 और स्वास्थ्य प्राथमिकताओं वाले वेबिनार में भागीदारी के लिए आकाशवाणी को आमंत्रित किया था, जहां विशेष रूप से भारत के बच्चों के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर चर्चा हुई।

आकाशवाणी स्टेशनों को पॉस्को (संशोधन) अधिनियम 2019 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की सलाह दी गई। संशोधन के पीछे का कारण देश में बाल यौन शोषण से निपटने में इसे और प्रभावी बनाना है इसका उद्देश्य बच्चों के खिलाफ हो रहे वीभत्स और दिल दहला देने वाले आपराधिक मामलों की बढ़ती संख्या को रोकना है। कार्यक्रम प्रमुखों के सघन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई 2.0) के दूसरे चरण की व्यापक कवरेज/प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। “बाल सुरक्षा के लिए सुरक्षित पड़ोस” नामक एक अखिल भारतीय अभियान लांच करने से पहले इसका प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए थे।

iii. संगीत:

संगीत का राष्ट्रीय कार्यक्रम (हिंदुस्तानी और कर्नाटक) जिसमें निम्नलिखित कलाकार शामिल हैं।

अप्रैल 2022— प्रदीप कुमार नाग—गिटार, देबाशिश सरकार — तबला एकल, विद्वान ए. चंदन कुमार—बांसुरी, पंडित चन्द्र शेखर वेज़— गायन, पं. रवि किरण नाकोड— तबला एकल, विद्वान ओ. एस. त्यागराजन— गायन, पं. प्रवीण शियोलीकर— वायलिन, शक्तिपाद नाग— बांसुरी, विद्वान द्वारम सत्यनारायणन — वायलिन, शशांक मेकतेदार— गायन।

मई, 2022— अवनिन्द्रा शियोलीकर— सितार, विदुषी वी. सरस्वती— गायन, रश्मी चौधरी— गायन, नन्द किशोर मिश्रा— तबला, पं. सुदीप कुमार चट्टोपाध्याय— बांसुरी, विद्वान बोनल शंकर प्रकाश— वीणा, पं. कैलाश पात्रा— वायलिन, दानिश अस्लम— सरोद, उस्ताद अख्तर हसन— तबला, के. अम्माईप्पन एवं के. ए. वेलमुरुगन— नागस्वरम, विद्वान पलादम रवि, पं. भोला नाथ मिश्रा— गायन।

जून, 2022— पं. सुदीप चट्टोपाध्याय— बांसुरी, विद्वान ए. अनंथापदमनाभन— वीणा, साधना देशमुख मोहिते— गायन, गजाधर पाठक— इस्राज, कृष्ण गोपाल शर्मा— पखावज, विद्वान थोपूर बी. साईराम— गायन, मिनाल माटीगांवकर— गायन, अनवर हुसैन— संतूर, विदुषी जे. योगवंदना।



जुलाई 2022— पं. रणजीत सेन गुप्ता— सरोद, श्रीमती पदमा रविशंकर — वीणा, वी.वी. रमनामूर्ति— मृदंगम, महेश मल्लिक—वायलिन, मोहम्मद मोइन— तबला एकल, विदुषी नित्यासरी महादेवन— शास्त्रीय गायन, नागराज हवलदार — गायन, मोहित कुमार — गिटार, विठ्ठल राजपुरा — पखावज, आर. नारायणन् — कीबोर्ड, कोविलादि आर. माधवा प्रसाद — मृदंगम एकल, पं. संजीव अभयंकर — गायन, विदुषी मंजू मेहता — सितार।

अगस्त 2022— चेप्पड़ ए. ई. वामना नमोथिरी — गायन, प्रसाद ग्लावानी — गायन, सुमना गुप्ता — ध्रुपद/धमार, मुंजल शैलेशभाई मेहता — तबला एकल, लोकेश आनंद एंड पार्टी — शहनाई, चेतना बनावत — सुगम शास्त्रीय गायन, मो. अहमद — तबला एकल, इंद्रदीप घोष — वायलिन, इंद्रानील मल्लिक — तबला एकल, अन्नयाम्पतटी एस. गणेशन — जलतरंग, डॉ. टी.के. मूर्ति — मृदंगम एकल, आराधना करहाड़े — गायन।

सितम्बर 2022— सी. एस. अनुरूप — वायलिन, जौहर अली — वायलिन, महिमा उपाध्याय — पखावज एकल, दिव्याजोति चांगमई — तबला एकल, आलोक चट्टोपाध्याय — गायन, ध्रुव बेदी — सितार, रमेश कुमार मल्लिक — पखावज, आर. सुधाकर — नागास्वरम।

अक्टूबर 2022 — उस्ताद अली बंगश — सरोद, समन्वय सरकार — सितार, श्री समित भट्टाचार्य — तबला एकल, विद्वान शंकरन नंबूदरी — गायन, दुर्गा शर्मा — वायलिन, पं. सतलिंगप्पा देसाई — तबला एकल, पं. बृज भूषण गोस्वामी — ध्रुपद/धमार, डॉ. एम. नर्मदा — वायलिन एकल, विनोद दिगर्जकर — गायन, रोहित मजूमदार — तबला एकल, पं. तुषार दत्ता — गायन, वि. संगीता शंकर — वायलिन।

नवंबर 2022 — तडेपल्ली लोकनाथ सरमा — गायन, विद. आर. रमेश — मृदंगम एकल, श्रीमती नीता माथुर — हिंदुस्तानी गायन, पं. राधे श्याम शर्मा — पखावज एकल, यू. पी. राजू और यू. नागमणि — मंडोलियन युगल, पं. नकुल मिश्रा — तबला एकल, एम. एस. पवन कुमार — तबला एकल, डी. वी. मोहना कृष्णा बालमुरलीकृष्णा की रचनाएं — गायन।

दिसंबर 2022 — देबा प्रीतम रॉय — सितार, सुबीर अधिकारी — तबला एकल, पं. विश्वनाथ — गायन, सुनील आर. गारगेगन — कर्नाटक गायन, माम्बलम एमकेएस शण्मुगम — ताविल एकल, गोविंद प्रसाद जयपुर वाले — गायन, पी. वी. दयाकर — नागास्वरम्, वी. एन. बालचंद्र — डोलू, रीटा दास — सरोद, अनूप कुमार बनर्जी — तबला, एस. सोम्या — गायन, पं. सतीश व्यास।

जनवरी 2023— पं. शांतनु भट्टाचार्या — गायन, श्री संदीप नारायण — गायन, कुमारी ए. कन्याकुमारी और एम्बार श्री एस. कन्नन — वायलिन युगल (176वें संत त्यागराज आराधना महोत्सव-07.01.2023 के अवसर पर तिरुवैयारु से संगीत कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण), श्रीमती राजेश्वरी पाठक — सुगम शास्त्रीय गायन, 176वें संत त्यागराज आराधना महोत्सव-11.01.2023 के अवसर पर तिरुवैयारु से पंचरत्न कृतिस गोश्तगायन का सीधा प्रसारण। पूर्णिमा धुमले — गायन, विद. एन रवि किरण — विचित्र वीणा, बाहुदीन डागर — रुद्र वीणा, के. रवि प्रभा और के. ईश्वरम्मा — नागास्वरम्, मयंक रैना — सितार, संचिता चौधरी — ध्रुपद/धमार।

फरवरी 2023 — वि. डॉ. पंतुला रमा — गायन, संदीप चट्टोपाध्याय — संतूर, पंडित संजय मुखोपाध्याय, राजेश मिश्रा और गितेश मिश्रा — गायन युगल, आर.एन. त्यागराजन और आर.एन. तरंथन — गायन युगल, अनुप्रिया देवताले — वायलिन, रामकृष्ण करमबेलकर — तबला एकल, मुन्ने खान — सारंगी एकल, वि. अनुराधा पाल — तबला एकल, विदुषी बी. वी. बालसाई — बांसुरी, विदुषी शुभा मुद्गल — गायन।

मार्च 2023 — सहाना बनर्जी — सितार, सरला लक्ष्मीनारायण — गायन, पं. निर्मल्या डे — ध्रुपद/धमार, महेंद्र टोके — गायन, एम. लक्ष्मण — नागास्वरम्, पुष्पराज कोशती — सुर बहार, पं. राजखुशी राम — पखावज एकल, भास्कर नाथ — शहनाई, डॉ. जी बेबी — गायन।

आजादी का अमृत महोत्सव

इस वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव प्रसारण के अवसर पर विभिन्न भारतीय भाषाओं में देशभक्ति गीतों पर आधारित क्षेत्रीय लोक और सुगम संगीत का राष्ट्रीय कार्यक्रम इस प्रकार है:-



क.	अप्रैल 2022	– तमिल	– चेन्नै
	मई 2022	– डोगरी	– जम्मू, कन्नड़-बेंगलुरु
	जून 2022	– उड़िया	– भुवनेश्वर
	जुलाई 2022	– मणिपुरी	– इंपाल, कोंकणी – पणजी
	अगस्त 2022	– हिंदी	– आकाशवाणी, दिल्ली
ख)	01.09.2022	– श्रीमती वीणा पहाड़ी – भजन गीत, श्री सतीश चंद्र वत्स – गुजल	
	06.10.2022	– श्रीमती महुआ नंदी – भक्तिमय, साबिर खान – राजस्थानी लोक	
	03.11.2022	– बी. सुचित्रा – हरिकथा, एस. सरला – तेलुगु लोक	
	01.12.2022	– वि. ममता चंद्राकर – छत्तीसगढ़ी लोक संगीत, फारुक अहमद जान एंड पार्टी	
		– कश्मीरी लोक संगीत।	
	05.01.2023	– गोकुल सिंह बिष्ट एंड पार्टी – कुमाउनी लोक, वंशीखज अरल – डोगरी लोक	
	02.02.2023	– डॉ. पी.के. राजशेखर – कन्नड़ लोक, कलामंडलम विनोद – मलयालम भक्तिमय।	
	02.03.2023	– अनादी मिश्रा – पंजाबी लोक और सूफियाना।	

iv. खेल:

- एआईआर स्पोर्ट्स आकाशवाणी रेडियो के राष्ट्रीय हुक-अप पर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के रेडियो प्रसारण की योजना और क्रियान्वयन में लगा हुआ है। आकाशवाणी के खेल आयोजनों के सुचारु प्रसारण को सुनिश्चित करने के लिए रेडियो प्रसारण अधिकारों के अधिग्रहण, विभिन्न खेल महासंघों/संघों, विभिन्न रेडियो स्टेशनों/विदेशी प्रसारकों और अन्य संबंधित संस्थाओं आदि के साथ समन्वय करने से संबंधित कार्य करता है। खेल आयोजनों के लिए कमेंटेटर्स की स्क्रीनिंग और कमेंट्री के लिए भेजने संबंधी कार्य ए आई आर स्पोर्ट्स द्वारा किए जाते हैं।
- बदलते समय के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, एआईआर स्पोर्ट्स अधिकारों की उपलब्धता के आधार पर प्रसार भारती के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खेल कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। इसके अतिरिक्त, दृश्यता बढ़ाने के लिए, एआईआर स्पोर्ट्स ने प्रसार भारती स्पोर्ट्स यूट्यूब चैनल और न्यूजऑनएयर मोबाइल ऐप पर जहां भी अधिकार प्राप्त किए गए थे, वहां खेल प्रसारण किया, जिसकी दर्शकों और श्रोताओं से विशेष रूप से लाइव कमेंट्री के लिए सराहनीय प्रतिक्रिया मिली।

क्रिकेट:

1. न्यूजीलैंड में आयोजित आई सी सी महिला विश्व कप 2022 की बाल दर बाल कमेंट्री का 06.03.2022 से 04.04.2022 तक प्रसारण किया गया।
2. 27.08.2022 से 11.09.2022 तक यू ए ई में खेले गए एशिया कप 2022 की बाल दर बाल कमेंट्री का ए आई आर स्पोर्ट्स ने प्रसारण किया।
3. 22.10.2022 से 13.11.2022 तक ऑस्ट्रेलिया में खेले गए आई सी सी पुरुष टी-20 विश्व कप 2022 की बाल दर बाल कमेंट्री का प्रसारण किया गया।
4. दक्षिण अफ्रीका में आयोजित आई सी सी महिला टी-20 विश्व कप 2023 का बाल दर बाल कमेंट्री का 12.02.2022 से 27.02.2023 तक प्रसारण किया गया था।
5. आकाशवाणी, बी बी सी और ए बी सी का सह प्रस्तुति क्रिकेट पर साप्ताहिक कार्यक्रम 'स्टम्पड' का आकाशवाणी एफ एम रैनबो नेटवर्क पर नियमित रूप से प्रत्येक शनिवार को 1130 बजे प्रसारण किया गया।



बहु-विषयक घटनाएं

1. खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स

23 अप्रैल से 3 मई, 2022 तक बेंगलूरु में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 को आकाशवाणी ने व्यापक रूप से कवर किया। 30 मिनट का एक कैप्सूल ऑफ डेली हाइलाइट्स का नेशनल हुक अप पर 24.04.2022 से 03.05.2022 तक प्रसारण किया गया।

2. राष्ट्रीय खेल 2022

आकाशवाणी ने नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर से 12 अक्टूबर, 2022 तक गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों को व्यापक रूप से कवर किया:—



सबसे तेज एथलिट ए. विग्नेश, ट्रिपल गोल्ड मेडलिस्ट खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022, बेंगलूरु



खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022, बेंगलूरु में टेनिस

1. **एफ एम अपडेट्स:** आकाशवाणी प्रत्येक घंटे एफ एम अपडेट्स प्रसारित करता है जिसका प्रसारण आकाशवाणी के एफ एम रैनबो नेटवर्क पर किया गया।

2. लाइव कमेंट्री

आकाशवाणी ने, दिनांक 29.09.2022 को राष्ट्रीय खेल 2022 के उद्घाटन समारोह की हिंदी एवं अंग्रेजी में लाइव कमेंट्री का प्रसारण किया।



गुजरात में 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 के दौरान राजकोट में आयोजित 100 मीटर बैक स्ट्रोक जलीय स्पर्धा में अपनी जीत के बाद आकाशवाणी से बात करती माना पटेल



स्वप्ना बर्मन, 2018 एशियाई खेलों, की हेप्टाथलॉन स्वर्ण पदक विजेता राष्ट्रीय खेल गुजरात 2022 में स्वर्ण पदक जीतने के बाद आकाशवाणी से बात करती हुई



गुजरात में राष्ट्रीय खेल 2022 के दौरान सूरत में बैडमिंटन हॉल में आकाशवाणी से बात करते हुए पी वी सिंधू



3. दैनिक हाइलाइट्स:

30.09.2022 से 12.10.2022 तक 30 मिनट का दैनिक हाइलाइट कार्यक्रम प्रसारित किया गया।

फुटबॉल

- नई दिल्ली में आयोजित सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट 2022 के अंडर 17 बालक वर्ग के फाइनल मैच की लाइव कमेंट्री दिनांक 11.10.2022 को प्रसारित की गई।

हॉकी

- भोपाल में खेले गए 12वें हॉकी इंडिया वरिष्ठ पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2022 के फाइनल मैच की लाइव कमेंट्री दिनांक 17.04.2022 को प्रसारित की गई।
- भोपाल में खेले गए 12वें हॉकी इंडिया वरिष्ठ महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप-2022 के फाइनल मैच की लाइव कमेंट्री दिनांक 17.05.2022 को प्रसारित की गई।
- जालंधर में खेले गए 39वें सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट-2022 के फाइनल मैच की लाइव कमेंट्री दिनांक 04.11.2022 को प्रसारित की गई।
- दिनांक 13.01.2023 से 29.01.2023 तक भुवनेश्वर और राउरकेला में आयोजित पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 की लाइव कमेंट्री प्रसारित की गई।

कमेंटेटोरों की स्क्रीनिंग

- नए पैनल में शामिल होने के लिए क्रिकेट कमेंटेटोरों की स्क्रीनिंग 15 से 16 दिसंबर, 2022 को आकाशवाणी मुंबई में की गई।

मुक्केबाजी

- 16 से 26 मार्च 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित आई बी ए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप 2023 पर समेकित रेडियो रिपोर्ट प्रसारित की गई।

शूटिंग

- 20 से 26 मार्च 2023 तक भोपाल में आयोजित आई एस एस एफ विश्व कप शूटिंग चैम्पियनशिप 2023 की रेडियो रिपोर्ट प्रसारित की गई।

च. आकाशवाणी की समाचार सेवा:

आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग (एनएसडी) भारत और विदेशों में श्रोताओं के लिए समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। यह रेडियो प्रसारण में उच्चतम पेशेवर नैतिकता और मानकों का पालन करता है। नई तकनीक का उपयोग करते हुए एआईआर न्यूज़ अब अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, असमिया, डोगरी, गुजराती, मराठी, राजस्थानी और तमिल भाषाओं में वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है।

i. संगठनात्मक ढांचा:

समाचार सेवा प्रभाग के प्रमुख प्रधान महानिदेशक/महानिदेशक (समाचार) होते हैं जो भारतीय सूचना सेवा के सबसे वरिष्ठतम अधिकारियों में से एक हैं। प्रधान महानिदेशक/महानिदेशक (समाचार) की सहायता के लिए अपर महानिदेशकों (समाचार), निदेशकों (समाचार), संयुक्त निदेशकों (समाचार), उप निदेशकों (समाचार), सहायक निदेशकों (समाचार), समाचार संपादकों और रिपोर्टरों की एक टीम होती है।

दिल्ली में समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय के विभिन्न प्रचालन अनुभागों में शामिल होते हैं: सामान्य समाचार कक्ष; हिंदी समाचार कक्ष; क्षेत्रीय समाचार एकांश डेस्क; विदेश सेवा; रिपोर्टिंग एकक; वार्ता और समसमायिक एकक; न्यूज़रील



एकक; भारतीय भाषा एकक; संदर्भ, नीति, योजना एवं विकास एकक; आईटी और वेबसाइट एकक; पुस्तकालय और प्रशासनिक स्क्वैड।

ii. सामान्य समाचार कक्ष (जी एन आर)

सामान्य समाचार कक्ष समाचार सेवा प्रभाग के संचालन का मुख्य केंद्र है। यह विभिन्न स्रोतों से समाचार प्राप्त करता है और चार पालियों में चौबीसों घंटे कार्य करता है। यह घरेलू और बाहरी सेवाओं में समाचारों का चयन, संपादन और बुलेटिन प्रकाशित करने का केंद्र बिन्दु है। जी एन आर को एक बड़े एकल समाचार कक्ष के रूप में व्यवस्थित किया गया है, लेकिन सुविधा के लिए अलग-अलग डेस्क में विभाजित किया गया है। व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि सभी संपादक निरंतर बातचीत की स्थिति में कार्य कर सकें और वे समाचार घटनाक्रम से मिनट-दर-मिनट अवगत रहने में सक्षम हैं, जबकि उन्हें दूसरों से प्रभावित हुए बिना स्वतंत्र इकाइयों के रूप में काम करने की सुविधा दी जाती है।

न्यूज़ रूम में शिफ्ट की अवधि के दौरान प्रधान संपादक अध्यक्ष होता है।

क्षेत्रीय समाचार एकांशों का आधुनिकीकरण

1. क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने आकस्मिक बुकिंग और भुगतान के लिए प्रसार भारती द्वारा शुरू किए गए टीबीएस (टैलेंट बुकिंग सिस्टम) सॉफ्टवेयर लागू किया है।
2. कुछ क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने सफलतापूर्वक अपने स्तर पर मुख्यालय के साथ संवाद स्थापित करने के लिए ई-ऑफिस की शुरुआत की है।
3. बुलेटिन तैयार करने और पढ़ने के लिए नेतिया (एनईटीआईए) और टेलीप्रॉम्प्टर के प्रयोग द्वारा क्षेत्रीय समाचार एकांशों का ऑटोमेशन।
4. क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने बजट अनुदान और मांग के लिए केंद्रीकृत लेखा प्रणाली, सीएस की शुरुआत की है।

iii. हिंदी समाचार कक्ष (एच एन आर)

हिंदी समाचार कक्ष मुख्यालय से प्रसारित सभी हिंदी बुलेटिनों का संकलन करता है। शिफ्ट की अवधि के लिए प्रधान संपादक समाचार कक्ष का प्रमुख होता है। एन आर टी (समाचार वाचक सह अनुवादक) बुलेटिनों में उपयोग के लिए समाचार कहानियों का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करते हैं।

iv. क्षेत्रीय समाचार एकांशः

विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय समाचार एकांशों (आरएनयू) के प्रमुख निदेशक/संयुक्त निदेशक या उप/सहायक निदेशक/समाचार संपादक के स्तर के अधिकारी होते हैं जिनकी सहायता समाचार वाचक-सह-अनुवादक करते हैं। आकाशवाणी के क्षेत्रीय समाचार एकांश क्षेत्रीय विशिष्टता के साथ लोगों की सूचना संबंधी जरूरतों को पूरा करते हैं और उनकी जमीनी पहुंच का दायरा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्षेत्रीय समाचार एकांश प्रादेशिक भाषाओं/बोलियों में बुलेटिन और कार्यक्रम प्रसारित करते हैं, जिससे समाचार क्षेत्र-विशिष्ट और श्रोता-अनुकूल बनते हैं। संबंधित राज्यों में घटनाओं के प्रभावी कवरेज के लिए प्रत्येक राज्य में कम से कम एक आरएनयू और बड़े राज्यों में चार आरएनयू तक हैं।

ये एकांश मन की बात, एकेएएम, बजट, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस या राष्ट्रीय महत्व के किसी भी अन्य अवसरों पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करने के अतिरिक्त समाचार-आधारित कार्यक्रमों का भी प्रसारण करते हैं। जब राज्य विधानसभाओं का सत्र चल रहा होता है तो वे विशेष कार्यक्रम भी प्रसारित करते हैं। एफएम सुर्खियों का उद्देश्य श्रोताओं को जल्दी और प्रभावी तरीके से महत्वपूर्ण समाचार प्रदान करना है। क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं में सरकार की योजनाओं और विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक योजनाओं का व्यापक प्रचार किया।



v. विदेश सेवा:

रेडियो विदेश नीति और सार्वजनिक कूटनीति के साधन के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्र, अपनी छवि संरक्षित करने और दुनिया के प्रति दृष्टिकोण रखने के एक साधन के रूप में अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण को बहुत महत्व देते हैं।

ब्रिटिश भारत के एक भाग के रूप में आकाशवाणी ने 1 अक्टूबर, 1939 को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान विशुद्ध रूप से मित्र राष्ट्रों के लिए प्रचार के एक साधन के रूप में विदेश प्रसारण के क्षेत्र में प्रवेश किया था। विदेशी श्रोताओं के लिए आकाशवाणी का पहला प्रसारण पश्तो भाषा में तत्कालीन उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत (एनडब्ल्यूएफपी) में जर्मन रेडियो के तूफान का मुकाबला करने के लिए किया गया था ताकि दुनिया के इस हिस्से में बीबीसी के प्रयासों में सहायता पहुंचाई जा सके। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद आकाशवाणी के विदेश सेवा प्रभाग को एक उभरते राष्ट्र की आवाज, एक पुरानी सभ्यता, कूटनीति के एक औजार और विभिन्न संकटों के समय प्रभावी प्रचार तंत्र के रूप में एक नई भूमिका ग्रहण करनी पड़ी। तब से, विदेश सेवा प्रभाग भारत और शेष विश्व के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहा है, विशेष रूप से उन देशों के साथ जहां बड़ी संख्या में भारतवंशियों की उपस्थिति के कारण भारत के हित आपस में जुड़े हुए हैं। विदेश प्रसारण सेवा प्रवासी भारतीयों को उनके मूल देश और इसकी संस्कृति और विरासत से जोड़ती है, जो उन्हें घर से दूर होने पर भी घर का एहसास दिलाती है।

अपने विदेश सेवा प्रसारणों के माध्यम से, आकाशवाणी का उद्देश्य विदेशी श्रोताओं को भारत की मूल भावना से जोड़े रखना, विभिन्न मुद्दों पर दृष्टिकोण जानना, विज्ञान, कला, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, व्यापार, लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष परंपराएं सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत के बढ़ते कदमों की जानकारी देना, भारत को एक शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यटन स्थल के रूप में पेश करना, मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता आदि के बारे में बताना है।

विदेश प्रसारण सेवाओं की भूमिका:

- पड़ोस और बाहरी दुनिया के प्रति भारत का दृष्टिकोण।
- 1939 से वैश्विक मंच पर भारत की आवाज।
- दुर्भावनापूर्ण और भारत विरोधी प्रचार का मुकाबला करना।
- भारतीय प्रवासियों से संपर्क।
- नव भारत: भारत की विकास गाथा का वर्णन:
 - विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते कदम।
 - व्यवसाय और व्यापार के अवसर।
 - शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन स्थल के रूप में भारत।
 - भारत की कला, संस्कृति, संगीत, साहित्य आदि की जीवंतता।

दिनांक 12.08.2021 को विदेश सेवा प्रभाग का विलय समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी में कर दिया गया। विलय के बाद, विदेश प्रसारण सेवा को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए गए। ये सेवाएं 17 भाषाओं/बोलियों में हैं। इनमें से 11 विदेशी भाषाएं अरबी, फ़ारसी, दरी, पश्तो, बलूची, स्वाहिली, चीनी, बर्मी, फ्रेंच, इंडोनेशिया और तिब्बती हैं। शेष 06 भाषाएं भारतीय हैं जिनके नाम उर्दू, सराइकी, सिंधी, पंजाबी, बांगला और नेपाली हैं।



vi. समाचार संग्रहण नेटवर्क

समाचार सेवा प्रभाग को यथार्थता, विश्वसनीयता, समयबद्धता और गुणवत्ता जैसे कुछ पत्रकारिता मानकों का पालन करते हुए समाचार और संबंधित सेवाओं को तैयार करने का कार्य सुनिश्चित करना होता है। यह प्रभाग समाचार एकत्र करने के लिए विभिन्न स्रोतों का उपयोग करता है। समाचार सेवा प्रभाग (मुख्यालय) में विभिन्न प्रकार के बीट्स को कवर करने वाले ऊर्जावान रिपोर्टरों/संवाददाताओं की एक टीम उपलब्ध होती है। इसी तरह प्रसार भारती विशेष संवाददाता भी बीजिंग, दुबई, काठमांडू, कोलंबो और ढाका में तैनात हैं। संवाददाता क्षेत्रीय समाचार एकांशों में भी तैनात किए जाते हैं। देश के 550 से अधिक जिलों में अंशकालिक संवाददाता (पीटीसी) भी अपनी संबंधित आरएनयू के माध्यम से समाचार एकत्र करने में सहायता प्रदान करते हैं। सोशल मीडिया उदाहरणस्वरूप ट्विटर, यू-ट्यूब और फेसबुक समाचार का एक महत्वपूर्ण स्रोत साबित होता है।

vii. रिपोर्टिंग एकक:

मुख्यालय में रिपोर्टिंग इकाई में विकास, घटनाओं, महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस को व्यापक रूप से दिल्ली में कवर किया। रिपोर्टिंग इकाई ने विभिन्न मंत्रालयों, सरकारी संगठनों, भारत के निर्वाचन आयोग आदि के साथ लगातार संपर्क में रहकर स्पोर्ट न्यूज़ कवरेज के लिए समाचार और इससे संबंधित जानकारी एकत्र की। उनकी बैठकें, कार्यक्रम और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी कवर किए गए थे। इकाई ने प्रत्येक महीने मन की बात कार्यक्रम पर स्टोरी भी की।

viii. वार्ता और समसामयिकी कार्यक्रम

वार्ता और समसामयिकी मामला यूनिट (टी एण्ड सी ए) द्वारा समसामयिक और अन्य विषयों पर वार्ता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य श्रोताओं को प्रमुख नए विकासों को समझने, विश्लेषण के माध्यम से चीजों को परिप्रेक्ष्य में रखने और किसी विषय से विस्तार से निपटने में मदद करना है। दैनिक एवं साप्ताहिक कार्यक्रमों में विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा की गई।

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान प्रसारित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में कोविड-19 महामारी पर चर्चा, मन की बात, राज्य विधानसभा चुनाव, आजादी का अमृत महोत्सव, महात्मा गांधी की 153वीं जयंती, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, इपिफी का 53वां संस्करण, जी-20 शिखर सम्मेलन बाली में, मिस्त्र में सीओपी 27, मिलेट्स, विधानसभा चुनाव, पद्म पुरस्कार, परीक्षा पे चर्चा, आर्थिक सर्वेक्षण, बजट, ऑपरेशन दोस्त और मन की बात शामिल है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों/कार्यों और कैबिनेट निर्णयों को भी गहन विश्लेषण के साथ व्यापक रूप से कवर किया गया।

ix. संदर्भ और पी पी एंड डी:

संदर्भ और नीति, योजना और विकास एकक (पीपी एंड डी), समाचार सेवा प्रभाग की विभिन्न इकाइयों को दैनिक व साप्ताहिक आधार पर सरकार और राजनीतिक दलों की विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों के बारे में पूर्व सूचना प्रदान करती है। यह एकक मीडिया कार्य योजना (एमएपी) और की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट (एटीआर) तैयार करने, विभिन्न अन्य रिपोर्टों के संकलन से संबंधित है, जिसमें मंत्रिमंडल के लिए मासिक सारांश और समाचार सेवा प्रभाग, स्वच्छता की प्रगति रिपोर्ट, एक भारत श्रेष्ठ भारत, आकाशवाणी से प्रसारित कार्यक्रमों पर वार्षिक रिपोर्ट शामिल हैं। यह एकक आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कारों के लिए आवेदनों की जांच से संबंधित कार्य की भी देख-रेख करता है।

x. आईटी और वेबसाइट एकक:

आईआर न्यूज़ की 24x7/365 आधार पर संचालित वेबसाइट, एबीसी- प्रामाणिकता (ऑथेंसिटी), संतुलन (बैलेंस) और विश्वसनीयता (क्रेडिबिलिटी) वाली अपनी पहचान के साथ विभिन्न क्षेत्रों से चौबीसों घंटे अद्यतन समाचार उपलब्ध कराती है। न्यूज़आनएयर वेबसाइट अब अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, असमिया, डोगरी, गुजराती, मराठी, तमिल और राजस्थानी में उपलब्ध है। इसे सभी क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।



भाषा	यूआरएल
अंग्रेजी	newsonair.com
हिंदी	newsonair.gov.in/Hindi
उर्दू	newsonair.gov.in/Urdu
मराठी	newsonair.gov.in/Marathi
गुजराती	newsonair.gov.in/Gujarati
तमिल	newsonair.gov.in/Tamil
असमिया	newsonair.gov.in/Assamese
डोगरी	newsonair.gov.in/Dogri
राजस्थानी	newsonair.gov.in/Rajasthani

xi. सोशल मीडिया संबंधी आंकड़े: समाचार सेवा प्रभाग

आकाशवाणी फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और कू पर उपलब्ध है। क्षेत्रीय समाचार विभाग के भी फेसबुक ट्विटर और यू-ट्यूब चैनल हैं।

प्लेटफॉर्म	यूआरएल
फेसबुक	All India Radio News
ट्विटर (अंग्रेजी)	@airnewsalerts
ट्विटर (हिंदी)	@AirNewsHindi
यूट्यूब	NEWS ON AIR OFFICIAL
इंस्टाग्राम	airnewsalerts
कू	airnewsalert

xii. प्रशासन और बजट:

- रोजमर्रा के प्रशासन और लेखा संबंधी कार्य में पारदर्शिता के लिए संवेदनशील पदों पर विभिन्न कर्मचारियों की तैनाती में केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाता है।
- इस प्रभाग में सभी सार्वजनिक शिकायत और यौन उत्पीड़न के मामले हल हो गए हैं और कोई लंबित नहीं है।
- वित्तीय वर्ष 2022-23 में उपशीर्ष वेतन सरकारी कर्मचारियों के तहत समाचार सेवा प्रभाग को एसबीजी रूपए 1398,00,000/- है। प्रसार भारती के कर्मचारियों का वेतन 64,00,000/-, उपशीर्ष के तहत ओ ए ई रु. 9,10,00,000/- और उपशीर्ष पी पी एण्ड एएमपी, एसएस 9,74,00,000/- है।
- वित्तीय वर्ष 2022-23 में सरकारी कर्मचारियों के वेतन उपशीर्ष के तहत विदेश सेवा के लिए एसबीजी रु- 7,95,27,000/- है। प्रसार भारती के कर्मचारियों का वेतन 33,77,000/- उपशीर्ष के तहत ओएई रु. 55,00,000/- और पी पी एण्ड एसएस उपशीर्ष के तहत रु. 2,45,00,000/- है।
- महानिदेशक (ऑडिट) समाचार सेवा प्रभाग में वर्ष 2015-2020 का ऑडिट हुआ और रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।
- आंतरिक ऑडिट विंग (आईएडब्ल्यू, एमआईबी) - वर्ष 2018-19 से 2019-20 के लिए समाचार सेवा प्रभाग के खातों की जांच की गई। जांच के दौरान केवल एक ऑडिट आपत्ति थी। वह अभी निपटान की प्रक्रिया के अंतर्गत है।



- आंतरिक ऑडिट विंग (आईएडब्ल्यू, पी बी) – वर्ष 2018-19 से 2021-22 के लिए समाचार सेवा प्रभाग के खातों की जांच की गई।
- राजकोषीय एकल खाता प्रणाली के अंतर्गत, समाचार सेवा प्रभाग के संदर्भ में मंत्रालयों/विभागों द्वारा जारी सहायता अनुदान के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के साथ व्यय विभाग के नियम को अपनाते हुए समाचार सेवा प्रभाग का एक बैंक खाता खुलवाया है।

xiii. समाचार सेवा प्रभाग में कार्मिकों की संख्या :

समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय में समाचार सेवा प्रभाग में स्वीकृत पदों की संख्या 460 है। इसमें से समाचार सेवा प्रभाग के विभिन्न संवर्गों में 318 पद रिक्त हैं। विदेश सेवा प्रभाग में स्वीकृत पद 299 है, जिनमें से 249 पद रिक्त हैं। समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी और विदेश सेवा की विभिन्न गतिविधियों को प्रसार भारती सचिवालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में अनुबंधित स्टाफ या कैंजुअल कर्मचारियों द्वारा अनुरक्षण किया जा रहा है।

क्षेत्रीय समाचार इकाइयों में: क्षेत्रीय समाचार इकाइयों के विभिन्न ग्रेडों में भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के अधिकारियों की कुल स्वीकृत संख्या 95 है, जिसमें 28 पद रिक्त हैं। गैर क्षेत्रीय समाचार सेवा एकांशों में कुल स्वीकृत 02 है, और इनमें से 01 पद रिक्त है।

xiv. पुस्तकालय:

31 मार्च, 2023 तक समाचार सेवा प्रभाग का एक पुस्तकालय भी है, जिसमें 16,236 पुस्तकें हैं। पुस्तकालय लगभग 24 समाचार पत्र और 59 पत्रिकाएं मंगवाता है। यह सामाचार संचालन के लिए एनएसडी कार्यकारियों की जरूरतों को पूरा करता है। यह पुस्तकों के भंडार को एनआईसी द्वारा विकसित लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर ई-ग्रंथालय का उपयोग करता है। पुस्तकालय समाचार संचालन के लिए एन एस डी के कर्मचारियों मुख्य रूप से समाचार संपादकों एवं संवदाताओं का प्रबंधन करता है और पुस्तकों के संग्रह के रखरखाव के लिए एन आई सी द्वारा विकसित "ई-ग्रंथालय" साफ्टवेयर का उपयोग करता है।

मुख्य समाचार

समाचार सेवा प्रभाग: आकाशवाणी ने स्वतंत्रता दिवस, 2022 हर घर तिरंगा, राष्ट्रीय एकता दिवस, संविधान दिवस, एक भारत श्रेष्ठ भारत, इफ्फी 2022, स्वच्छ भारत दिवस, विधानसभा चुनाव, जी-20 और मिलेट्स का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष का व्यापक कवरेज प्रदान किया।

बुलेटिनों और समाचार पत्रिका कार्यक्रमों के माध्यम से कवरेज के अतिरिक्त वार्ता और समसामयिकी कार्यक्रम के साथ एन एस डी: आकाशवाणी ने रेडियो प्लस रणनीति अपनायी है। इस प्रकार, कई सामाजिक मीडिया प्लेटफार्म पर अभियान चलाए जाते हैं। सभी प्रसारण सामग्री ऑनलाइन पोस्ट की जाती है। वेब-ओनली एक्सक्लूसिव कंटेंट भी अपलोड किया जाता है दृश्यता बढ़ोतरी के लिए ग्राफिक्स, वीडियो, ऑडियो और इंटरएक्टिव विषय जैसे प्रश्नोत्तरी, समर्पण और अभियान-विशिष्ट हैश टैग के साथ साझा करता है।

महत्वपूर्ण कवरेज (1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च, 2023)

i) विधान सभा और नगर निकाय चुनाव

समाचार सेवा प्रभाग:— आकाशवाणी हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड के विधान सभाओं के आम चुनाव, राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति चुनावों और लोकसभा और विधानसभा सीटों पर उप-चुनावों का व्यापक कवरेज करता है। समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी से समाचार बुलेटिन में चुनाव प्रचार, मतदान और मतगणना पर वॉयस-कास्ट और साउंड बाइट के साथ समाचार प्रसारित किए गए। इसके अतिरिक्त विचार-विमर्श/वाद-विवाद की भी व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय भाषाओं में चुनावों पर आधारित समाचार/बुलेटिनों और टॉक शो को क्षेत्रीय भाषाओं में भी प्रसारित किया गया।



ii) आजादी का अमृत महोत्सव

समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी ने आजादी का अमृत महोत्सव भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को मनाते हुए समाचार बुलेटिनों और समाचार आधारित कार्यक्रमों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम श्रृंखला को प्रसारित करता है। इस श्रृंखला में आकाशवाणी समाचार के साथ आजादी का सफर आकाशवाणी के साथ धरोहर, अपराजिता, निशान, आजादी के तराने और गुमनाम हीरो को समावेश किया गया।

समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी समाचारों के साथ ई-बुक आजादी का सफर लेकर आयी जिसमें भारत की भविष्य में आने वाली पीढ़ी के दिमाग में ये गूंजती रहे। इस बुक को <https://newsonair.gov.in/akam/english/akame/indert/html> से प्राप्त किया जा सकता है।



iii) राष्ट्रमंडल खेल— 2022

बरमिंघम में आयोजित "राष्ट्रमंडल खेल-2022" में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के प्रोफाइल पर एक विशेष रिपोर्ट आकाशवाणी द्वारा प्रसारित की गई। खिलाड़ियों के साथ चर्चा भी की गई। भारत की पदक संभावनाओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुए स्पोर्ट्स स्केन कार्यक्रम में विशेष बुलेटिन प्रसारित किए गए।



iv) संसदीय सत्र

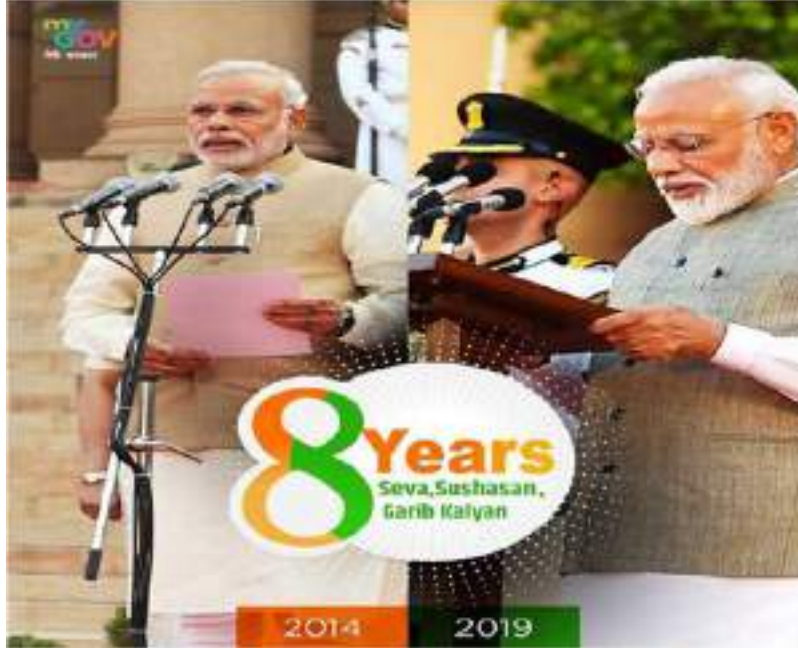
राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा संसद के दोनों सदनों को संसद के मानसून, शीतकालीन और बजट सत्र में पहली बार दोनों सदनों को संयुक्त रूप से किए गए संबोधन का व्यापक रूप से कवरेज प्रसारित किया गया।





v) नेशनल डेमोक्रेटिक अलाइंस सरकार के 8 वर्ष

समाचार सेवा प्रभाग: आकाशवाणी ने नेशनल डेमोक्रेटिक अलाइंस सरकार के 8 वर्षों के दौरान प्रमुख विकासों को उजागर करने के लिए विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत 30.05.2022 से 12.06.2022 के बीच प्रतिदिन विषय आधारित कहानियां और विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए।



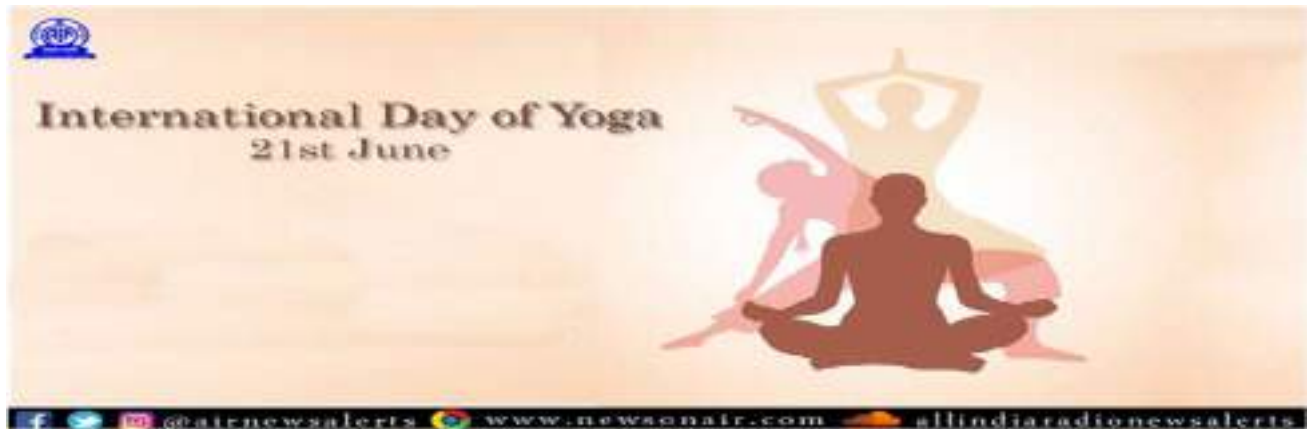
vi) जम्मू व कश्मीर एक नई सुबह

समाचार सेवा प्रभाग पिछले दो वर्षों से भी अधिक समय से संघ शासित प्रशासन जम्मू कश्मीर की उपलब्धियों की झलक संबंधित विशेष श्रृंखला जम्मू व कश्मीर एक नई सुबह नामक विशेष सीरिज को चला रहा है। इस श्रृंखला के तहत कश्मीर घाटी में विभिन्न विकास की गतिविधियों और जन कल्याण योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कराने के लिए करीब 10 जिला मजिस्ट्रेटों के साक्षात्कार आयोजित किए गए।



vii) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आईडीवाई 2022 से संबंधित गतिविधियों और कार्यक्रमों के आयोजनों की व्यापक कवरेज प्रदान की। आकाशवाणी, आरएनयू और समाचार सेवा प्रभाग ने योग से होने वाले स्वास्थ्य सुविधाओं और महत्व पर समाचार और वाइस कास्ट और समाचार आधारित कार्यक्रमों का प्रसारण किया। योग से होने वाले लाभों पर विशेषज्ञों से भी चर्चा आयोजित की गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर योग सत्र के वीडियो व योग विशेषज्ञों के संदेशों का ज्यादा से ज्यादा विस्तार किया गया।



viii) हर घर तिरंगा और स्वतंत्रता दिवस 2022

स्वतंत्रता दिवस 2022 समारोह के उपलक्ष्य पर भारत सरकार ने संपूर्ण देश में 75वें स्वतंत्रता दिवस के भाग के रूप में आजादी का अमृत महोत्सव पर सभी देशवासियों को अपने घरों की छत पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की। समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी और उसके क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने इस अभियान से संबंधित कार्यक्रमों और गतिविधियों से संबंधित समाचार बुलेटिन और समाचार मैगजीन कार्यक्रमों पर व्यापक कवरेज प्रदान किया। समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे ट्वीटर पर एक विशेष श्रृंखला "नो योर तिरंगा" के तहत ट्वीट ग्राफिक्स और तिरंगे से जुड़े महत्वपूर्ण क्षण और विभिन्न पहलुओं को कवर करके पोस्ट किया गया। इस अभियान पर जिंगल एवं प्रचार भी प्रसारित किया गया। समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय में 20 से भी ज्यादा वाद-विवाद, चर्चाओं संबंधी कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस 2022 समारोह के एक भाग के रूप में समाचार सेवा प्रभाग: आकाशवाणी ने एक विशेष श्रृंखला— भारत @75 के तहत विषय आधारित कहानियों और फीचर का भी प्रसारण किया और 5 अगस्त से 15 अगस्त 2022 तक चर्चा और साक्षात्कार का भी प्रसारण किया।





ix) आज़ाद भारत की बात आकाशवाणी के साथ

स्वतंत्रता के पश्चात 75 वर्षों से भारत का सबसे बड़ा लोक प्रसारक के रूप में आकाशवाणी संपूर्ण देश के नागरिकों के लिए एक लोक प्रसिद्ध कथाकार के रूप में रहा है। आकाशवाणी समाचार ने 75 वर्षों की आजादी के साथ विशेष सीरिज 'आज़ाद भारत की बात-आकाशवाणी के साथ' समारोह का आयोजन किया गया। आकाशवाणी की कथावाचन के माध्यम से जीवन के विभिन्न पहलुओं को स्वतंत्रता से भारत की यात्रा को प्रमुख बुलेटिन में प्रसारित किया गया।



x) पोषण माह

सितंबर 2022 में आयोजित पोषण माह के दौरान देशभर में विभिन्न मंत्रालयों में आयोजित कार्यक्रमों का व्यापक कवरेज किया गया। पोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए केपसूल्यस और समाचार कहानियां, कुपोषण को दूर करने के भारत सरकार द्वारा किए गए उपायों पर प्रकाश डाला गया और किशोरियों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों में सुधार करने के लिए बुलेटिन और समाचार पत्रिका कार्यक्रमों में प्रसारित किया गया। पोषण के महत्व और स्वस्थ भारत के लिए कुपोषण उन्मूलन की आवश्यकता पर चर्चा भी आयोजित की गई।



xi) मन की बात

समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय और क्षेत्रीय समाचार एकांशों के बुलेटिन में माननीय प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सभी मुख्य समाचार बुलेटिन में कवर किया गया। न्यूज़ ऑन एयर वेबसाइट के जरिए कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम संबंधी विशेष चर्चा का आयोजन भी किया गया।



क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में ट्वीट पोस्ट करके अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मासिक प्रसारण का व्यापक प्रचार भी किया।

‘मन की बात’ के अनुवादित संस्करण के एपिसोड भी विभिन्न विदेशी भाषाओं में जैसे चाइनीज, फ्रेंच, अरेबिक, पर्शियन, पश्तो और इंडोनेशियन में प्रसारित किया गया।

‘मन की बात’ के आगामी एपिसोड के लिए जमीनी स्तर के और प्रेरित करने वाली सकारात्मक कहानियों को क्षेत्रीय समाचार एकांशों से एकत्रित किए गए।

श्रोताओं से फीडबैक लेने के उद्देश्य से समाचार सेवा प्रभाग: आकाशवाणी ने ‘मन की बात’ पर एक सर्वे संचालित किया। मुख्यालय में क्षेत्रीय समाचार एकांश संदर्भ और पीपीएंडडी यूनिट और रिपोर्टिंग यूनिट की मदद से इन सर्वे का संचालन किया गया। पीपीएंडडी यूनिट और संदर्भ द्वारा डाटा विश्लेषण किया गया।

xii) महात्मा गांधी जयंती व स्वच्छ भारत दिवस

समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय और क्षेत्रीय समाचार एकांश नें 153वें महात्मा गांधी जयंती और स्वच्छ भारत दिवस को बुलेटिन में व्यापक कवरेज किया गया।

2 अक्टूबर, 2022 को स्वच्छ भारत दिवस के उपलक्ष्य पर इसका भाग बनते हुए प्रसार भारती मुख्य कार्यकारी अधिकारी मयंक कुमार अग्रवाल, आकाशवाणी की महानिदेशक डॉ. वसुधा गुप्ता, अपर महानिदेशक (न्यूज) डॉ. अतुल कुमार तिवारी और अन्य अधिकारियों ने स्वच्छ भारत अभियान में भाग लिया।





xiii) एक भारत श्रेष्ठ भारत

समाचार सेवा प्रभाग: आकाशवाणी के क्षेत्रीय समाचार एकांशों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक भारत श्रेष्ठ भारत से जुड़ी गतिविधियों और कार्यक्रमों का व्यापक कवरेज किया। संस्कृति, परंपरा, कला, व्यंजन, विरासत और पर्यटन से संबंधित कहानियां क्षेत्रीय समाचार एकांश और समाचार सेवा प्रभाग मुख्यालय दोनों में बुलेटिन और समाचार पत्रिका कार्यक्रमों में प्रसारित किया गया।

xiv) काशी तमिल संगमम

भारत सरकार ने देश के दो प्राचीन ज्ञान के केंद्रों के बीच सदियों पुराने संबंधों को फिर से खोजने और मजबूती देने और प्रधानमंत्री के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से वाराणसी में एक महीने तक चलने वाले 'काशी तमिल संगमम' का आयोजन किया गया। समाचार सेवा प्रभाग: आकाशवाणी और इसके क्षेत्रीय समाचार एकांशों द्वारा इस कार्यक्रम को व्यापक पैमाने पर कवर किया गया, जिसमें लखनऊ और चेन्नई से ग्राउंड रिपोर्ट बुलेटिन और समाचार आधारित कार्यक्रमों में शामिल की गई।



xv) इफ्फी 2022

पणजी, गोवा में 20 नवंबर, 2022 से 28 नवंबर, 2022 तक हुए इफ्फी 2022 को आकाशवाणी समाचार द्वारा व्यापक कवरेज प्रदान किया गया। सिनेमाई नाटक के कवरेज के लिए तैनात आकाशवाणी संवाददाता की ग्राउंड रिपोर्ट को बुलेटिनों और समाचार कार्यक्रमों में भी प्रसारित किया गया साथ ही साथ सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी इसका प्रचार-प्रसार किया गया। विशेष चर्चा संबंधी शो के भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।



xvi) महत्वपूर्ण दौरे और सभाएं

माननीय राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के लाइव कार्यक्रमों को व्यापक कवरेज प्रदान किया गया।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने तुर्कमेनिस्तान, नीदरलैंड, जमाइका, सेंट विंसेट एंड ग्रेनेजियन्स का दौरा किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के राजकीय शोक में सम्मिलित होने लंदन गई थीं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ आसियान-भारत कोमोरेटिव शिखर सम्मेलन, 17वें ईस्ट एशिया समिट कंबोडिया में भाग लेने के लिए दौरा किया। वे फीफा वर्ल्ड कप 2022 के उद्घाटन समारोह में भाग लेने भी कतर गए थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के विदेशी संबंधों के लिए महत्वपूर्ण कई हाई-प्रोफाइल बैठकों में भाग लिया, जिनमें जी-7 समिट जर्मनी में तथा जी-20 समिट बाली, इंडोनेशिया शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने फ्रांस, डेनमार्क, जापान, नेपाल और यूएई की राजकीय यात्रा भी की। ये सभी दौरे आकाशवाणी समाचार द्वारा कवर किए गए हैं।

xvii) जी20, सीओपी27 और अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष

समाचार सेवा प्रभाग: आकाशवाणी ने बाली में जी20 शिखर सम्मेलन और शर्म-अल-शेख में सीओपी27 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री के संबोधन को विशेष कवरेज प्रदान किया। भारत द्वारा जी20 की अध्यक्षता संभालने और जी20 की विभिन्न देश के भागों में बैठक को समाचार आधारित कार्यक्रमों और सोशल मीडिया में कवर किया गया। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के भाग को कवरेज प्रदान किया गया।





xviii) संविधान दिवस

समाचार सेवा प्रभाग: आकाशवाणी और इसके क्षेत्रीय समाचार एकांश ने संविधान दिवस से संबंधित सभी कार्यक्रम और गतिविधियां सभी बुलेटिनों और समाचार आधारित कार्यक्रमों में कवरेज प्रदान किया। संवैधानिक मूल्यों एवं मौलिक सिद्धांतों पर विशेष परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त मुख्यालय और क्षेत्रीय समाचार एकांशों दोनों कार्यालयों के कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी और उन्हें स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गयी।



xix) गणतंत्र दिवस

समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी और इनके क्षेत्रीय समाचार एकांशों ने 74वें गणतंत्र दिवस समारोह का सभी समाचार बुलेटिनों, समाचार आधारित कार्यक्रमों में और सोशल मीडिया पर व्यापक कवरेज प्रदान किया।

xx) विशेष गतिविधियां

• कल्याण गतिविधियां

समाचार सेवा प्रभाग में महिला कर्मचारियों की शिकायतों के निपटाने के लिए आईसीसी मौजूद है और इस संबंध में कोई भी मामला लंबित नहीं है। महिला कर्मचारियों के लिए एक अलग विश्रामगृह की सुविधा है। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति एवं ओबीसी तथा अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

• कार्यशाला/प्रशिक्षण

- अक्टूबर, 2022 के पहले सप्ताह में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महानिदेशक (समाचार) द्वारा क्षेत्रीय समाचार शिमला और क्षेत्रीय समाचार अहमदाबाद में अंशकालीन संवाददाताओं, के लिए कार्यशाला आयोजित की गई।
- दिसंबर, 2022 को "कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण" अधिनियम 2013 के प्रावधानों पर लिंग संवेदनशील और जागरूकता की एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- 27-28 जनवरी, 2023 को एनएफ संपादक और प्रोडक्शन सहायकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 27 जनवरी, 2023 को डी.वी. विनोद कुमार, पीबीएससी- दुबई द्वारा संपादकों और प्रोडक्शन सहायकों को ऑडियो प्रोडक्शन पर प्रशिक्षण दिया गया।



डी.वी. विनोद कुमार, पीपीएससी, दुबई द्वारा संपादको और प्रोडक्शन सहायकों को प्रशिक्षण देते हुए

- दिनांक 09 मार्च, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर परामर्श आमंत्रण के लिए समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी में महिला स्टाफ द्वारा समस्याओं का सामना कर रहे और एक इंटर एक्टिव ओपन सत्र का आयोजन किया गया।
- 15.03.2023 को स्क्रीन रीडर्स के साथ दृष्टिबाधित अधिकारियों के लिए ई-ऑफिस को प्रयोग में कैसे लाया जाए इसके लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी दूरदर्शन समाचार एवं पत्र सूचना ब्यूरो में कार्यरत दृष्टिबाधित अधिकारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

• पुरस्कार

- समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी को भारत के चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं की जागरूकता और शिक्षा के लिए उत्कृष्ट अभियान चलाने हेतु नेशनल मीडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया।

छ. आकाशवाणी की विक्रय अवसंरचना:

आकाशवाणी के विक्रय बुनियादी ढांचे में विक्रय प्रभाग (पूर्व सीआरडी), विक्रय केंद्र (पूर्व सीबीएस केंद्र) और सीबीयू (पूर्व सीएसयू) शामिल हैं। चार विक्रय प्रभाग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में स्थित हैं। विक्रय केंद्र, दिल्ली विक्रय प्रभाग, दिल्ली का हिस्सा है। सेंट्रल बिलिंग यूनिट (पूर्व सीएसयू) मुंबई में स्थित है। सीबीयू/सीएसयू मुख्य रूप से आकाशवाणी के अखिल भारतीय अभियानों के निष्पादन और बिलिंग के लिए जिम्मेदार है। उपर्युक्त के अतिरिक्त यह पंजीकृत और मान्यता प्राप्त एजेंसियों से संबंधित सभी रिकॉर्ड भी रखता है। आकाशवाणी का अखिल भारतीय विक्रय केंद्र नेटवर्क इस प्रकार है:

क्र. सं.	क्षेत्रों के विक्रय केंद्रों के अध्यक्ष	क्षेत्रों के अंतर्गत विक्रय केंद्र
1.	अपर महानिदेशक (कंटेंट ऑपरेशन) उत्तर क्षेत्र	1. विक्रय केंद्र जयपुर 2. विक्रय केंद्र चंडीगढ़ 3. विक्रय केंद्र श्रीनगर 4. विक्रय केंद्र कानपुर
2.	अपर महानिदेशक (कंटेंट ऑपरेशन) पश्चिम क्षेत्र	1. विक्रय केंद्र मुंबई 2. विक्रय केंद्र भोपाल 3. विक्रय केंद्र अहमदाबाद
3.	अपर महानिदेशक (कंटेंट ऑपरेशन) दक्षिण क्षेत्र	1. विक्रय केंद्र चेन्नई 2. विक्रय केंद्र तिरुवनंतपुरम 3. विक्रय केंद्र बेंगलूरु 4. विक्रय केंद्र हैदराबाद
4.	अपर महानिदेशक (कंटेंट ऑपरेशन) पूर्व क्षेत्र	1. विक्रय केंद्र कोलकाता 2. विक्रय केंद्र पटना 3. विक्रय केंद्र कटक



सरकारी विभाग, कॉरपोरेट फर्म और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम आकाशवाणी के ग्राहक हैं। वे अपने उत्पादों, सेवाओं के प्रचार के लिए और सरकारी विभागों के मामले में सामाजिक मुद्दों पर जन जागरूकता पैदा करने और विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी के लिए आकाशवाणी प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं।

“किसान वाणी” और “किसान की बात” कृषि और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित दो प्रमुख कार्यक्रम हैं, जो आकाशवाणी द्वारा निर्मित और इसके पैन इंडिया नेटवर्क पर प्रसारित किए जाते हैं। कई अन्य प्रायोजित कार्यक्रम भी आकाशवाणी नेटवर्क पर चलाए जाते हैं जो राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

पिछले चार वर्षों में कुल राजस्व लक्ष्य और आकाशवाणी की विक्रय से प्राप्त राजस्व का सारांश नीचे तालिका में दिया गया है:

पिछले तीन वर्षों का आकाशवाणी का निवल राजस्व						
क्र.सं.	वित्त वर्ष	लक्ष्य	राजस्व		कुल राजस्व	
			सरकारी	गैर सरकारी	राशि	उपलब्धियां %
1	2019-20	6,00,00,00,000	2,03,99,02,286	1,01,23,90,604	3,05,22,92,890	50 %
2	2020-21	3,32,02,00,000	1,46,32,16,307	59,55,08,097	2,05,87,24,404	61 %
3	2021-22	3,21,00,00,000	1,61,00,96,982	70,79,31,712	2,31,80,28,694	71 %
4	2022-23	2,65,00,00,000	1302829445	773016016	2075845461	78 %

ज. श्रोता अनुसंधान एकांश:

बदलते जनसंचार परिदृश्य के साथ, श्रोता अनुसंधान मुख्य केंद्र बिन्दु है। दुनिया भर में, लगभग सभी बड़े मीडिया संगठन किसी न किसी रूप में इन-हाउस ऑडियंस रिसर्च कर रहे हैं या मार्केटिंग की भाषा में ‘मार्केट रिसर्च’ कर रहे हैं, क्योंकि कोई भी मीडिया संगठन संभावित दर्शकों (उपभोक्ताओं) और मीडिया सामग्री के लिए बाजार को जाने बिना अपने दुर्लभ संसाधन को दांव पर नहीं लगा सकता। इसके अतिरिक्त, वे विभिन्न मीडिया और बाजार अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए सिंडिकेटेड रिसर्च का भी समर्थन कर रहे हैं। निजी टेलीविजन और रेडियो की सफलता का राज है कि वे अपने श्रोताओं की रुचि को पहचानते हैं तथा वे हमेशा अपने कार्यक्रमों के डिजाइन में परिवर्तन के साथ-साथ प्रस्तुतिकरण को श्रोताओं के अनुसार बनाते हैं।

आकाशवाणी इस क्षेत्र में अग्रणी है। आकाशवाणी में श्रोता अनुसंधान एकांश का विस्तृत नेटवर्क है जो पूरे देश में 1946 से कार्यरत है। ये कार्यक्रम निर्माताओं को कार्यक्रम संबंधी फीडबैक देता है ताकि वे लक्षित श्रोताओं की आवश्यकता, रुचि और आकांक्षाओं के अनुसार कार्यक्रम की योजना, डिजाइन तैयार कर सकें व उसमें परिवर्तन कर सकें। इसके अतिरिक्त, आकाशवाणी का श्रोता अनुसंधान एकांश प्रायोजकों, विज्ञापनकर्ताओं और विक्रेताओं को उनके व्यवसायिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कार्यक्रम रेटिंग/श्रोता आंकड़े भी प्रदान करता है। श्रोता अनुसंधान एकांश डाटा बैंक और संदर्भ अनुभाग के रूप में भी अपने संगठन के लिए कार्य करता है।

वर्ष 2022-23 के दौरान 1 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक निम्नलिखित श्रोता अनुसंधान गतिविधियां/अध्ययन किए गए।

- क) प्रसार भारती 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट के लिए आकाशवाणी से संबंधित सामग्री का संकलन
- ख) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा इंडिया ईयर बुक 2023 के प्रकाशन के लिए आकाशवाणी से संबंधित सामग्री का संकलन।
- ग) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय 2022-2023 की वार्षिक रिपोर्ट के लिए आकाशवाणी से संबंधित सामग्री का संकलन।
- घ) जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा पर टेलीफोनिक प्रतिक्रिया सर्वेक्षण, आकाशवाणी, कटक- 2022।



- ड) आकाशवाणी दिल्ली के एफ.एम. चैनलों और विविध भारती चैनलों पर रेडियो श्रोता सर्वेक्षण।
- च) आकाशवाणी इम्फाल के एफ.एम. चैनलों और विविध भारती चैनलों पर रेडियो श्रोता सर्वेक्षण।
- छ) आकाशवाणी पणजी, अक्टूबर 2022 का टेलीफोनिक सामान्य श्रवण सर्वेक्षण।
- ज) वर्तमान में विभिन्न स्थानों पर किए गए मतदाता जंक्शन पर टेलीफोनिक प्रतिक्रिया सर्वेक्षण।

झ) कल्याण अनुभाग

आकाशवाणी महानिदेशालय के कल्याण अनुभाग का कार्य गतिविधियों एवं प्रशासनिक दायित्वों को निभाते हुए विभाग के कर्मचारियों की भलाई को सुनिश्चित करना है ताकि वे प्रेरित व उपयोगी बने रहें।

पिछले वर्ष से इस अनुभाग द्वारा प्रारंभ की गई महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय गतिविधियां निम्न प्रकार हैं:-

- 1) **प्रसार भारती स्वास्थ्य योजना का कार्यान्वयन:** प्रसार भारती स्वास्थ्य योजना के अनुसार प्रसार भारती के कर्मचारियों की उचित स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए इस योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक अस्पतालों और निदान केंद्रों को सूचीबद्ध करने हेतु प्रयास किए। तदनुसार अस्पतालों से संपर्क किया गया और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अब तक 23 अस्पतालों/निदान केंद्रों को सूचीबद्ध किया जा चुका है।
- 2) **प्रसार भारती स्वास्थ्य योजना के प्लास्टिक कार्ड का मुद्रण व जारी करना:** यह अनुभाग प्रसार भारती स्वास्थ्य योजना के लाभार्थियों के लिए प्लास्टिक के कार्ड डिजाइन व प्रिंट करता है ताकि वे अस्पताल में परेशानी मुक्त चिकित्सा प्राप्त कर सकें।
- 3) **मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन:** इस अनुभाग द्वारा आकाशवाणी भवन में समय-समय पर विभिन्न अस्पतालों द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत व आयोजन किए गए, जो निम्न प्रकार से हैं-

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम/गतिविधियां
1	20.07.2022	मुफ्त नेत्र जांच शिविर और शिक्षा संबंधी वार्तालाप- शार्प साइट सेंटर (नेत्र चिकित्सालय)
2	02.09.2022	मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर-वेंकटेश्वर अस्पताल
3	29.09.2022	मुफ्त दंत एवं नेत्र जांच शिविर- 'द केयरिंग टच'
4	22.11.2022	आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर- पीपल्स फाउंडेशन
5	01.03.2022	मुफ्त कैंसर जांच

- 4) **जिम का उद्घाटन:** आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली के कर्मचारियों को कार्य दिवस के दौरान स्वस्थ जीवनशैली एवं शारीरिक गतिविधि बनाए रखने के लिए एक जिम खोली गई है, जिससे तनाव कम करके और ऊर्जा स्तर बढ़ाकर कर्मचारी में मनोबल और क्षमता को बढ़ाया जा सके।
- 5) **यौन उत्पीड़न मामले:** यह अनुभाग सभी आकाशवाणी केंद्रों से यौन उत्पीड़न मामलों को यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के अनुपालन सहित उनका निपटान करता है।
- 6) **आकाशवाणी महानिदेशालय के सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन:** प्रत्येक कर्मचारियों के योगदान और सेवा का सम्मान करने के लिए हम एक विदाई समारोह का आयोजन करते हैं।



7) विविध कार्यक्रम:

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम/गतिविधियां
1	01.03.2023 से 06.03.2023	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस/सप्ताह
2	22.06.2022	रिटेल ऋण अभियान





सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

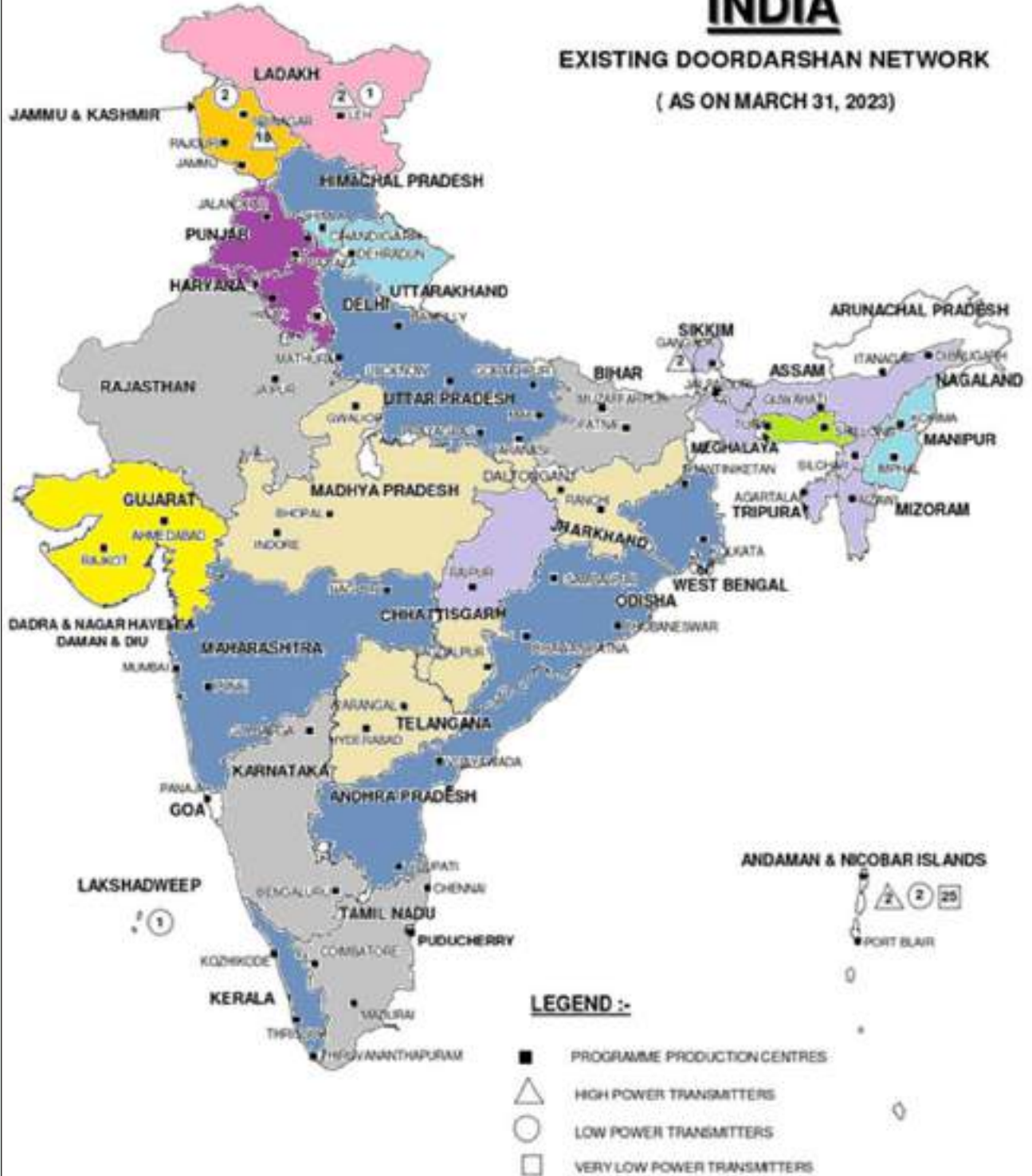
दूरदर्शन

मानचित्र

INDIA

EXISTING DOORDARSHAN NETWORK

(AS ON MARCH 31, 2023)



दूरदर्शन तथ्यों पर एक नज़र

विद्यमान दूरदर्शन नेटवर्क: (दिनांक 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार)

मद	सं.
सैटेलाइट चैनल	
राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय	08
क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा चैनल (आरएलएसएस) और राज्य नेटवर्क चैनल	28
कुल	36
स्टूडियो केंद्र	
मुख्य स्टूडियो केंद्र	23
अन्य स्टूडियो केंद्र	43
कुल	66

प्रेषित्रों की संख्या (दिनांक 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार)

	प्राथमिक चैनल	न्यूज़ चैनल (डीडी न्यूज़)	डीडी1 क्षेत्रीय प्रेषित्र	डीटीटी
एचपीटी	04	10	10	00
एलपीटी	03	01	02	00
वीएलपीटी	19	06	00	00
टीआरपी	00	00	00	00
कुल (55)	26	17	12	00



दूरदर्शन

क. परिचय

दूरदर्शन की शुरुआत सितंबर, 1959 में दिल्ली में एक प्रायोगिक सेवा से हुई और अब दूरदर्शन पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के अग्रणी टीवी संगठनों में से एक बन गया है। दूरदर्शन के पास देश में चारों ओर फैले 66 स्टूडियो केंद्रों और अलग-अलग क्षमता के 55 स्थलीय ट्रांसमीटरों का एक विशाल नेटवर्क है। इसके अतिरिक्त, दूरदर्शन फ्री-टू-एयर डीटीएच सेवा प्रदान कर रहा है। घरेलू कार्यक्रम निर्माण की आवश्यकता को पूरा करने के लिए देश में 66 स्टूडियो केंद्र हैं। इनमें राज्यों की राजधानियों में 23 प्रमुख स्टूडियो सेंटर और देश के विभिन्न स्थानों पर स्थित 43 अन्य स्टूडियो सेंटर शामिल हैं। स्टूडियो केंद्रों की राज्य-वार सूची अनुबंध-1 में दी गई है।

11वीं और 12वीं परियोजनाओं के भाग के रूप में देश के विभिन्न हिस्सों में 19 स्थानों पर 23 डीटीटी ट्रांसमीटर स्थापित किए गए थे। डीटीटी की बहुत कम दर्शकों की संख्या और "डीडी फ्रीडिश" की उपलब्धता को देखते हुए, सभी 23 डीटीटी को 31.10.2022 से बंद कर दिया गया है। एनालॉग टेरैस्ट्रियल ट्रांसमीटरों की निरंतरता की समीक्षा के लिए 2017 में एक अंतर अनुशासनात्मक समिति (आईडीसी) की स्थापना की गई थी। आईडीसी की सिफारिश और प्रसार भारती बोर्ड के अनुमोदन के अनुसार महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थित 55 ट्रांसमीटरों को छोड़कर अप्रचलित एटीटी को चरणबद्ध तरीके से हटा दिया गया है। राज्यवार ट्रांसमीटरों की संख्या अनुबंध - 2 में दी गई है।

उपग्रह संचार के लिए, दूरदर्शन ने एमपीईजी-2 और एमपीईजी -4 कम्प्रेसन तकनीकों के साथ डीवीबी-एस और डीवीबी-एस2 मानकों को अपनाया है। दूरदर्शन वर्तमान में 36 सैटेलाइट चैनलों का संचालन कर रहा है। विवरण अनुबंध - 3 में दिया गया है। इसी तरह दूरदर्शन (पूँजीगत परिसंपत्ति का सृजन) वार्षिक योजना 2022-23 का विवरण अनुबंध - 6 में दिया गया है।

ख. संगठनात्मक संरचना

दूरदर्शन के प्रमुख महानिदेशक होते हैं जिन्हें कार्यक्रम, प्रशासन और वित्तीय स्कंधों के अपर महानिदेशकों और अभियांत्रिकी स्कंध के प्रमुख अभियंता द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। समाचार प्रभाग के प्रमुख महानिदेशक (समाचार) होते हैं।

नीति निर्माण योजना और विकास अवसंरचना और प्रौद्योगिकी उन्नयन, बजटीय योजना और नियंत्रण, मानव संसाधन प्रबंधन, संचालन और रख-रखाव गतिविधियों की देख-रेख आदि का उत्तरदायित्व महानिदेशक, दूरदर्शन पर होता है।

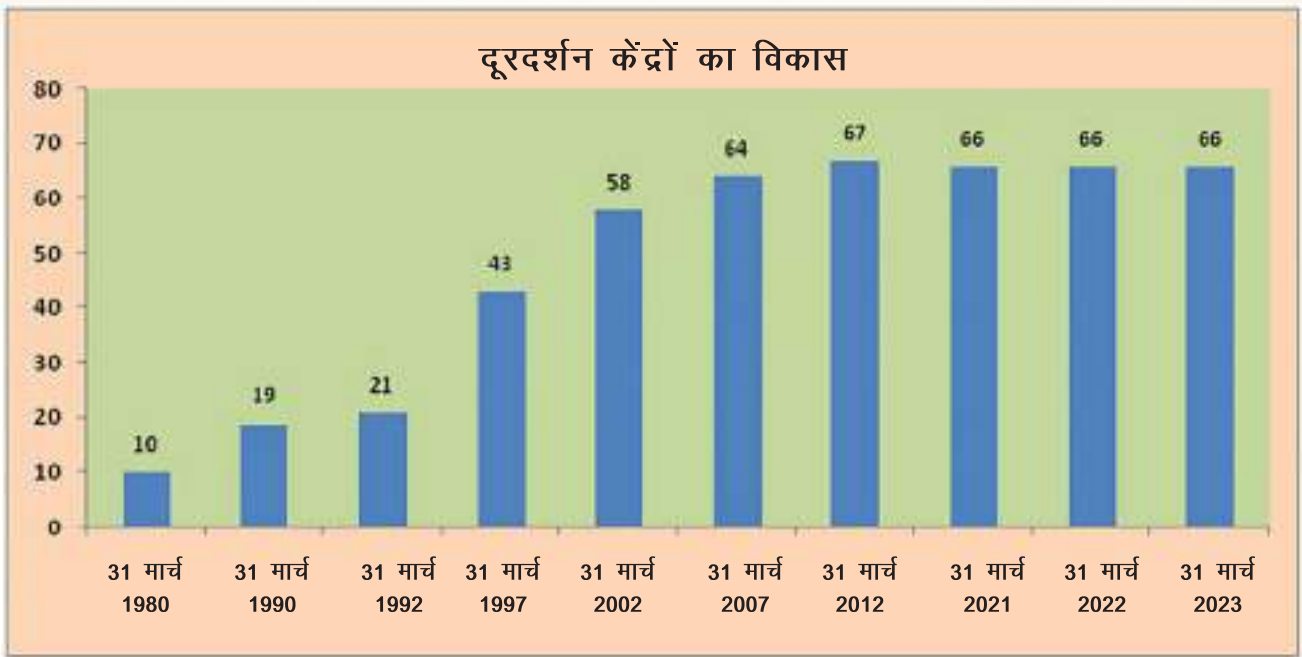
ग. वर्तमान तकनीकी अवसंरचना

मुख्य प्रौद्योगिकीय उन्नयन

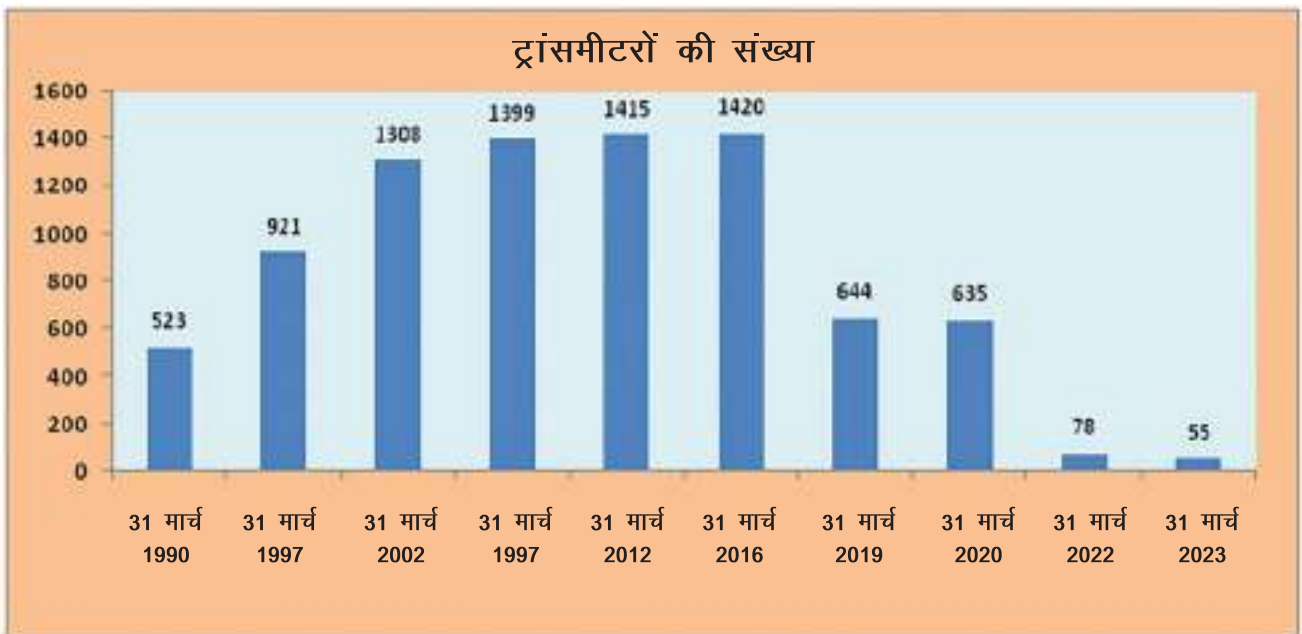
वर्तमान में देश भर में फैले दूरदर्शन नेटवर्क में 66 स्टूडियो केंद्र, 55 भू-स्थलीय ट्रांसमीटर और 2 डीटीएच अपलिक अर्थ स्टेशन (टोडापुर, दिल्ली में कू बैंड डीटीएच अर्थ स्टेशन और पीतमपुरा, दिल्ली में सी बैंड डीटीएच अर्थ स्टेशन) शामिल हैं।



दूरदर्शन केंद्रों का विकास



दूरदर्शन ट्रांसमीटरों का विकास





घ. इस वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण विकासात्मक गतिविधियां हैं:

- क) भुवनेश्वर, जम्मू और जालंधर में अर्थ स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना ताकि उन्हें एचडी अनुरूप और स्पेक्ट्रम कुशल बनाया जा सके और मौजूदा अर्थ स्टेशन की सभी सेवाओं को पुराने पीडीए के साथ उन्नत अर्थ स्टेशन में स्थानांतरित किया जा सके।
- ख) डीडीके देहरादून में मल्टी कैमरा मोबाइल निर्माण सुविधा (ईएफपी वैन) का एसआईटीसी पूरा हुआ। हाई डेफिनिशन मल्टी-कैमरा मोबाइल प्रोडक्शन फैसिलिटी (ईएफपी वैन) वीआईपी कवरेज/लाइव टेलीकास्ट/रिकॉर्डिंग सहित ओबी कार्यक्रमों की निर्माण गुणवत्ता में वृद्धि की सुविधा प्रदान करती है।
- ग) एचडी गुणवत्ता में कार्यक्रमों के निर्माण के लिए 4 स्थानों (मुंबई, कोलकाता, रायपुर और लखनऊ) को 2 एम/ई (मिक्स इफेक्ट) हाई डेफिनिशन डिजिटल प्रोडक्शन स्विचर प्रदान किए गए।
- घ) आरएनयू/डीडीके को मोजो किट (20 संख्या), एनएलई और डेस्कटॉप प्रदान किए गए हैं।
- ङ) "वैकल्पिक प्लेटफॉर्म पर प्रसारण" के तहत सामग्री वितरण नेटवर्क प्रदान किया गया है।
- च) डीडीके शिमला के लिए एनआरसीएस और विविध उपकरणों की 24 x 7 ऑपरेशन प्रभारी स्थापना के लिए स्क्रिप्ट न्यूज ऑटोमेशन सिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित एकीकृत समाचार निर्माण सुविधा। इससे डीडीके शिमला में तकनीकी सुविधाओं में वृद्धि हुई है।
- छ) कुशल और निर्बाध समाचार निर्माण के लिए समाचार मुख्यालय, दिल्ली में स्वचालित समाचार निर्माण प्रणाली का प्रावधान।
- ज) हैदराबाद में एक सिरे से दूसरे सिरे तक फाइल आधारित वर्कफ़्लो सुविधा। यह भौतिक मीडिया की आवश्यकता के बिना निर्बाध प्रसारण/रिकॉर्डिंग की सुविधा प्रदान करता है।

निम्नलिखित परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं:

- क) एचडी अनुरूप और स्पेक्ट्रम अनुकूल बनाने हेतु कोलकाता और लखनऊ में अर्थ स्टेशनों का आधुनिकीकरण।
- ख) सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर स्थलीय कवरेज के लिए राजौरी (जम्मू और कश्मीर) में 5 किलोवाट डिजिटल रेडी यूएचएफ एनालॉग टीवी ट्रांसमीटर (2 संख्या) की स्थापना। ट्रांसमीटर लगा दिए गए हैं।
- ग) डिजिटल रेडी एनालॉग एचपीटी (10 किलोवाट), पटनीटॉप और ग्रीन रिज (जम्मू और कश्मीर) में से प्रत्येक में सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर स्थलीय कवरेज के लिए स्थापित किए गए हैं।
- घ) बेहतर दक्षता और विश्वसनीयता के लिए 7 स्थानों (कोलकाता, लखनऊ, अहमदाबाद, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम और चंडीगढ़) में अपलिक एंटीना सिस्टम का एसआईटीसी। 7 स्थानों में से लखनऊ, भुवनेश्वर और अहमदाबाद में एसआईटीसी पूरा हो गया है और मौजूदा अर्थ स्टेशन सेवाओं को नए अपलिक एंटीना सिस्टम में स्थानांतरित कर दिया गया है।
- ङ) दूरस्थ, जनजातीय, वामपंथी उग्रवाद और सीमावर्ती क्षेत्रों में डीटीएच प्राप्त सेट (8,70,000 संख्या) का वितरण, इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को डिजिटल युग की पहुंच के भीतर लाने के लिए जो मुख्य रूप से गुणवत्ता की जानकारी से कटे रहते हैं।
- च) डीडीके/आरएनयू के लिए एलईडी वीडियो वॉल। वीडियो दीवार सेट और समग्र निर्माण गुणवत्ता के रूप और अनुभव में व्यापक सुधार प्रदान करती है।



छ) बेहतर दक्षता और विश्वसनीयता के लिए अर्थ स्टेशन पीतमपुरा (सी-बैंड) का 10 चैनलों से बढ़ाकर 14 चैनलों में अपग्रेड करना।

ड. फ्री-टू-एयर डीटीएच "डीडी फ्री डिश"

वर्तमान में प्रसार भारती की फ्री-टू-एयर डीटीएच सेवा "डीडी फ्री डिश" बीआईएसएजी गांधीनगर द्वारा चलाए जा रहे हैं जो 51 शैक्षिक चैनलों सहित 160 से अधिक टीवी चैनलों को बिना किसी मासिक अभिदान के निःशुल्क में चला रही है। डीडी फ्री डिश का विवरण अनुबंध- 6 में दिया गया है।

डीडी फ्री डिश डीटीएच प्लेटफॉर्म एमपीईजी-2 डीवीबी-एस और एमपीईजी-4 डीवीबी-एस2 तकनीक का उपयोग कर रहा है। ऐप आधारित/कॉल आधारित/एसएमएस आधारित ओथेराईजेशन और सक्रियण सुविधा के प्रावधान के साथ 1.2 लाख एफटीए डीटीएच, गैर-सीएस, गैर-आरपीडी रिसीव सेट (एसटीबी के साथ) खरीदने की मंजूरी दी गई है। बाजार के अनुमान के मुताबिक डीडी फ्री डिश डीटीएच चैनल प्राप्त करने में सक्षम सेट टॉप बॉक्स वाले 40 मिलियन से अधिक परिवार हैं। विवरण वेबसाइट www.doordarshan.gov.in और www.prasarbharat.gov.in पर उपलब्ध है।

च. भूस्थलीय ट्रांसमीटरों का डिजिटलीकरण

प्रसार भारती वर्तमान में निर्बाध मोबाइल रिसेप्शन के लिए प्रसारण तकनीक की अगली पीढ़ी (एनजीबी) जैसा विकल्प तलाश रही है। एनजीबी मोबाइल के साथ-साथ फिक्स्ड टीवी रिसेप्शन दोनों को सपोर्ट करेगा। एनजीबी को एक नए कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क (सीडीएन) के रूप में देखा जा सकता है जिसका उद्देश्य प्रसारण और ब्रॉडबैंड नेटवर्क का अभिसरण करना है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए दूरदर्शन की डीटीटी सेवा के विस्तार से पहले डीटीएम के लिए एनजीबी प्रौद्योगिकी को अंतिम रूप दिया जाना है। तदनुसार, प्रसार भारती ने डिजिटल स्थलीय प्रसारण के लिए एनजीबी समाधान/ भावी दिशा तैयार करने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है, जो 5जी ब्रॉडकास्ट जैसे उभरते मानकों के अनुरूप है।

एनजीबी के प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट (पीओसी) की मंजूरी भी आईआईटी कानपुर को दे दी गई है। नेक्स्ट जनरेशन ब्रॉडकास्टिंग मॉडल का पीओसी प्रक्रियाधीन है। इस पीओसी के मूल्यांकन से उचित अगली पीढ़ी की प्रसारण प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रसारण हेतु भावी दिशा के चयन का मार्ग प्रशस्त होगा।

छ. हाई डेफिनिशन टीवी (एचडीटीवी)

12वीं योजना स्कीमों के भाग के रूप में एचडीटीवी प्रारूप में मल्टी कैमरा स्टूडियो निर्माण सुविधाएं सीपीसी, दिल्ली में स्थापित की गई हैं। दिल्ली में एचडीटीवी प्रारूप में मल्टी कैमरा मोबाइल निर्माण सुविधा प्रदान की गई है। एचडीटीवी अपलिकिंग सुविधा डीडीके, दिल्ली में उपलब्ध है।

तीन एचडी चैनल अर्थात डीडी नेशनल एचडी, डीडी न्यूज़ एचडी और डीडी इंडिया एचडी सैटेलाइट मोड में उपलब्ध हैं, जबकि डीडी नेशनल एचडी और डीडी न्यूज़ एचडी डीडी डीटीएच प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

दूरदर्शन की 3 वर्षीय (2017-20) विस्तारित योजना के भाग के रूप में, दिल्ली से चालू होने वाली सभी 7 चैनलों के अंतरण हेतु डीडीके दिल्ली, डीडी न्यूज़ और सीपीसी दिल्ली में स्टूडियो सेंटर का एसडी से एचडी में उन्नयन कार्य पूरा कर लिया गया है।



प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास योजना 2021-26 :

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 2539.61 करोड़ रुपये की कुल लागत पर 2021-2026 की अवधि के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना "प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास" को जारी रखने की मंजूरी दी है।

ज. महत्वपूर्ण घटनाओं का प्रसारण

दूरदर्शन द्वारा अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023 के दौरान ओबी/ईएफपी वैन का उपयोग करके लगभग 187 महत्वपूर्ण घटनाओं का सीधा प्रसारण किया गया। दूरदर्शन द्वारा लाइव कवर की जाने वाली प्रमुख घटनाएं अनुबंध-5 में दी गई हैं।

झ. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय चैनल:



डीडी नेशनल

डीडी नेशनल, देश के लोक सेवा प्रसारक का प्रमुख चैनल है। यह अपने कार्यक्रमों के माध्यम से, मनोरंजन, सूचना और शिक्षा का एक स्वस्थ सम्मिश्रण प्रस्तुत करता है।

डीडी नेशनल चैनल अपने अधिकोश कार्यक्रमों में बच्चों, युवाओं, महिलाओं, समसामयिकी विषयों, खेल, हास्य, विज्ञान, विज्ञान कल्पनाओं, पारिवारिक नाटक, सस्पेंस धारावाहिक, पौराणिक धारावाहिक, फिल्म आधारित कार्यक्रम, काउंट डाउन शो, चैट शो, गेम शो, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, संगीत कार्यक्रम, राष्ट्रीय महत्व के सीधा प्रसारण कार्यक्रम, रियलिटी शो और अन्य मनोरंजन/इन्फोटेनमेंट कार्यक्रम जैसे विभिन्न श्रेणियों और विषयों पर कार्यक्रम प्रसारित करता है।

डीडी नेशनल ने देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न कार्यक्रमों को कवर किया है, विशेष रूप से वे जो लाइव प्रसारण के साथ सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों को उजागर करते हैं। इनके अतिरिक्त डीडी नेशनल राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं जैसे गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोहों को दिखाने हेतु विशेष कार्यक्रम और घटनाओं, इसी अवधि के दौरान महत्वपूर्ण व्यक्तियों की वर्षगांठ पर कार्यक्रम जैसे – स्वामी विवेकानंद, बाबा साहेब डॉ बी आर अम्बेडकर, सरदार पटेल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, नानाजी देशमुख, सतर्कता जागरूकता, राष्ट्रीय एकता दिवस जैसे कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। डीडी ने अपने पूरे नेटवर्क में भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव पर विशेष अभियान चलाया है।

डीडी नेशनल ने न केवल इसके स्वरूप और भाव को नया रूप दिया है बल्कि बहुत ही रोचक नई प्रोग्रामिंग को शामिल करने के साथ-साथ इसके लोगो को भी बदल दिया है। कुल 6 और 1/2 घंटे की नई प्रोग्रामिंग के साथ 10 नए कार्यक्रम पेश किए गए हैं।



कार्यक्रम सामग्री सोर्सिंग

कार्यक्रम सामग्री सोर्सिंग प्रभाग द्वारा 2022-23 के दौरान अब तक की गई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं:

स्वराज कार्यक्रम की शुरुआत: भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत के स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों पर "स्वराज" नामक 75 एपिसोड की एक विशेष परियोजना को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या अर्थात् दिनांक 14.08.2022 को शुरू किया गया है।

अन्य कार्यक्रमों की शुरुआत: प्रसार भारती बोर्ड ने निम्नलिखित चार कार्यक्रमों: जय भारती, अवंतिका, जहां चांद रहता है और तू ही लक्ष्मी तू ही शक्ति को आरंभ करने की मंजूरी दी है।

रेवेन्यू शेयर मॉडल के तहत अधिग्रहित कार्यक्रम: पोरस, श्री कृष्ण और ये दिल मांगे मोर। मोहन दास करम चंद गांधी (राष्ट्रपिता) की जयंती मनाने के लिए दिनांक 2 अक्टूबर, 2022 को डीडी नेशनल नेटवर्क पर "गांधी टू हिटलर" नामक देशभक्ति फिल्म का प्रसारण किया गया।

निम्नलिखित धारावाहिकों के निर्माण (शुरुआत) के लिए प्रोडक्शन हाउस के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए:

- i. अवंतिका
- ii. जहां चांद रहता है
- iii. जानकी

एक व्यापक 'कंटेंट अधिप्राप्ति नीति -2023' दिनांक 06.02.2023 को तैयार और अधिसूचित की गई। यह कंटेंट अधिप्राप्ति नीति सभी प्रसार भारती प्लेटफार्मों के लिए विभिन्न खरीद मॉडल के तहत फिल्मों सहित सामग्री की खरीद के लिए दिशानिर्देशों, प्रक्रियाओं और ढांचे को परिभाषित करती है।



डीडी न्यूज़

दिनांक 3 नवंबर, 2003 को डीडी न्यूज़ एक पृथक चैनल के रूप में आरंभ किया गया था। इसका सैटेलाइट फुटप्रिंट पूरे देश में उपलब्ध है। डीडी न्यूज़ की स्थापना अपने मुख्यालय दिल्ली में हुई वर्तमान में मुख्य रूप से हिंदी और अंग्रेजी में समाचार सामग्री का निर्माण कर रहा है। इस चैनल पर संस्कृत भाषा और बधिरों के लिए बुलेटिन भी प्रसारित किए जाते हैं।

डीडी न्यूज़ डीडी उर्दू, डीडी किसान और डीडी नेटवर्क के क्षेत्रीय शैली के चैनलों के लिए बुलेटिन भी बनाता है। इसके अतिरिक्त, इस डीडी न्यूज़ की 31 क्षेत्रीय समाचार इकाइयां हैं, जो क्षेत्रीय भाषाओं में बुलेटिन बना रही हैं और संबंधित क्षेत्रीय केंद्रों में प्रसारित की जा रही हैं।

तकनीकी अवसंरचना (डीडी न्यूज़ और डीडी इंडिया)

24x7 डीडी न्यूज़ और डीडी इंडिया चैनलों के अपने राष्ट्रीय समाचार कक्ष और दिल्ली में चार स्टूडियो हैं। न्यूज़रूम चौबीसों घंटे काम करता है। न्यूज़रूम के संचालन को अत्याधुनिक ईएनपीएस ऑटोमेशन सिस्टम और क्वांटल सर्वर तथा ग्रॉस वैली सर्वर के साथ अपग्रेड किया गया है, जिसमें एडिटर्स डेस्क पर नॉन-लीनियर वीडियो एडिट फीचर हैं।



क्षेत्रीय समाचार इकाइयां (आरएनयू):

डीडी न्यूज़ ने देश भर में 31 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों (आरएनयू) की स्थापना की है। आरएनयू अब प्रतिदिन 54 घंटे से अधिक के संयुक्त प्रसारण समय (समाचार और समसामयिक मामलों) के साथ 22 भाषाओं/बोलियों में ग्राफिक हेडलाइंस और करंट अफेयर्स कार्यक्रमों के अतिरिक्त 147 समाचार बुलेटिन प्रसारित करते हैं।

डीडी न्यूज़ की उपलब्धियां

वित्त वर्ष 2022-2023 में डीडी न्यूज़ की उल्लेखनीय उपलब्धियां संक्षेप में नीचे दी गई हैं:

डीडी न्यूज़ कॉन्क्लेव, विधानसभा चुनाव पर डीडी कॉन्क्लेव, आजादी का अमृत महोत्सव और प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह—

- आजादी का सफर और आजादी की गाथा
- जन की बात, जन प्रतिनिधि के साथ
- हर घर तिरंगा

विशेष शृंखला, 'डीडी दस्तवेज', जो दूरदर्शन, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, सेवा समर्पण के 21 वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, ऑपरेशन गंगा और यूक्रेन-रूस संकट, श्री अमरनाथजी यात्रा, अग्निपथ योजना, राष्ट्रीय पोषण माह, विशेष लाइव कवरेज और विशेष कार्यक्रमों के साथ भारत में चीता परियोजनाएं, काशी तमिल संगमम, जी-20 शिखर सम्मेलन, स्टार्टअप चैंपियंस 2.0, कैबिनेट के बड़े फैसले, और आईएफएफआई के रंग सिनेमा के संग, मन की बात: के साथ उपलब्ध समृद्ध अभिलेखीय सामग्री को प्रदर्शित करता है।

बजट 2023-24

बजट के बाद — डीडी डायलॉग: #अमृतकाल बजट— डीडी न्यूज़ ने बजट 2023 की घोषणा और दृष्टिकोण को उजागर करने के लिए नई दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई में केंद्रीय बजट 2023 पर तीन कॉन्क्लेव आयोजित किए।

चुनाव कवरेज—

डीडी न्यूज़ ने चुनाव वाले राज्यों हिमाचल प्रदेश, गुजरात, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड से संबंधित सभी गतिविधियों को कवर किया। लाइव ग्राउंड रिपोर्ट के साथ मतदान और मतगणना के दिन विशेष लाइव कार्यक्रम 'जनादेश' का प्रसारण किया गया।

डीडी संवाद — डीडी न्यूज़ ने अगरतला, शिलांग और कोहिमा में विधानसभा चुनाव पर फरवरी 2023 में 03 डीडी संवाद का आयोजन किया।

काशी तमिल संगमम्—

दूरदर्शन न्यूज़ नेटवर्क ने महीने भर चलने वाले कार्यक्रम "काशी तमिल संगमम 2022" को बड़े पैमाने पर कवर किया।

जी-20 शिखर सम्मेलन

दूरदर्शन न्यूज़ नेटवर्क भारत की जी20 अध्यक्षता से संबंधित सभी प्रमुख कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहा है, अब तक की निम्नलिखित घटनाओं को कवर किया गया है।

ईयर एंडर्स— डीडी न्यूज़ ने विभिन्न विषयों पर 'यादें 22' शीर्षक के तहत ईयर एंडर्स कार्यक्रमों की शृंखला तैयार की।

विशेष कार्यक्रम:

सुशासन दिवस, गोल्डन ग्लोब पुरस्कार, डिजिटल करेंसी, आरबीआई की मौद्रिक नीति, क्रिप्टो मुद्राएं, भारत-रूस संबंध, फीफा विश्व कप 2022, राम मंदिर अयोध्या पर वृत्तचित्र और एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा के साथ विशेष बातचीत का प्रसारण किया गया। जवानों पर एक विशेष कार्यक्रम एलओसी— "नियंत्रण रेखा" पर जवानों के साथ



एक दिन, वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट, अरुणाचल प्रदेश में सियोम ब्रिज का उद्घाटन, नोटबंदी पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, पाकिस्तान में संकट, जोशीमठ क्षेत्र में बचाव, प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन, खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023, सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस, चुनाव सुधार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2023 और राष्ट्रीय बालिका दिवस। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ तथा इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी का विशेष साक्षात्कार प्रसारित किया गया।

कर्नाटक चुनाव, योग महोत्सव 2023, ऑस्कर पुरस्कार, बीबीसी का दोहरा मापदंड, पाकिस्तान आर्थिक संकट, एकीकृत लोकपाल योजना 2021, गर्मी की लहर के लिए सावधानियां, रुपये की बढ़ती कीमत, भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन, भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध, राम के निर्माण पर विशेष वृत्तचित्र अयोध्या में मंदिर, अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला, नई व्यापार नीति, जम्मू-कश्मीर का बजट, जन औषधि दिवस और जम्मू-कश्मीर के माननीय एलजी मनोज सिन्हा का विशेष साक्षात्कार।

न्यूज़ लेंस- कर्तव्य पथ, प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन, खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023, सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस, चुनाव सुधार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2023 और राष्ट्रीय बालिका दिवस। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ और इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी का विशेष साक्षात्कार प्रसारित किया गया।

ऑपरेशन दोस्त- भारत द्वारा तुर्की और सीरिया को प्रदान की गई सहायता को समाचार रिपोर्टों और कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक रूप से कवर किया गया था।

कोरियाई बौद्ध भिक्षुओं का दौरा

भारत में भगवान बुद्ध के पदचिह्नों और जीवन यात्रा का पता लगाते हुए, दक्षिण कोरिया के 108 बौद्ध भिक्षुओं का एक समूह 9 फरवरी से 23 मार्च तक 1,100 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा की।

डीडी न्यूज़ नेटवर्क ने तीर्थयात्रियों के साक्षात्कार, ग्राउंड रिपोर्ट, स्पेशल वॉयस ओवर पैकेज के साथ यात्रा के सभी अपडेट को व्यापक रूप से कवर किया।



डीडी इंडिया

डीडी इंडिया चैनल अंतरराष्ट्रीय कवरेज पर विशेष ध्यान देने के साथ अंग्रेजी सामग्री को प्रसारित करता है। चैनल पर विशेष कार्यक्रमों में स्वास्थ्य, युवा, सिनेमा, कला और संस्कृति, सरकार की प्रमुख योजनाएं, नीतिगत पहल, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, बाजार विकास और सामाजिक मुद्दों पर कार्यक्रम शामिल हैं।

डीडी इंडिया की उपलब्धियां

- डीडी इंडिया समाचार और समसामयिक मामलों, विदेशी मामलों, मनोरंजन और खेल आधारित कार्यक्रमों के विविध स्पेक्ट्रम को कवर कर रहा है।

डीडी इंडिया के प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

- वर्ल्ड टुडे, न्यूज़ कनेक्ट, ग्लोबल स्कैन, इन कन्वर्सेशन, स्पोर्ट्स बज़, स्पोर्ट्स 360, द अमेजिंग नॉर्थ ईस्ट डेयरीज



खेल घटनाएं

डीडी इंडिया ने टोक्यो ओलंपिक, यूरो कप— टी20 विश्व कप क्रिकेट, 36वें राष्ट्रीय खेलों सीडब्ल्यूजी 2022, फीफा 2022 पर विशेष कार्यक्रमों के साथ सभी प्रमुख खेल गतिविधियों को कवर किया।

विशेष कवरेज— डीडी इंडिया द्वारा व्यापक रूप से कवर किया गया:

- संविधान दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, अग्निपथ योजना, श्री अमरनाथजी यात्रा,
- कान्स फिल्म फेस्टिवल, दुबई एक्सपो 2020, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस,
- वैश्विक पहल 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली—जीवन आंदोलन,
- यूक्रेन—रूस युद्ध, ऑपरेशन गंगा, मोदी सरकार के आठ वर्ष,
- 48वें जी 7 शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी, भारत दुबई एक्सपो 2020,
- 14वां भारत—जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन, माननीय प्रधानमंत्री के 'मन की बात',
- ऑस्कर 2022 पर विशेष कार्यक्रम, खेलो इंडिया यूथ गेम्स, इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया—2022

मोदी 20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी — प्रधानमंत्री मोदी के 20 वर्षों के शासन पर केंद्रित कार्यक्रमों की विशेष शृंखला।

यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, जी20 इंडिया ने देश भर के 75 विश्वविद्यालयों के छात्रों के साथ बातचीत की, उदयपुर में भारत के जी20 प्रेसीडेंसी की पहली शेरपा बैठक के तीसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम, भारत के जी 20 शेरपा का संबोधन जी20 इंडियाज़ डेवलपमेंट वर्किंग ग्रुप मीट, वित्त मंत्रालय द्वारा प्रेस ब्रीफिंग, सचिव, अजय सेठ, बेंगलुरु में जी20 प्रेसीडेंसी पर, यूएनएससी ब्रीफिंग में ईएएम का बयान: ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म अप्रोच: चैलेंजेस एंड वे फॉरवर्ड, एमईए वीकली मीडिया ब्रीफिंग।

वर्ष के अंत के कार्यक्रम

"लुकिंग बैक ऐट द इकोनोमी इन 2022", "फर्स्ट टाइम इन इंडिया/इन ईयर इन रिव्यू" "रिवाइंड 2022 एक्सप्रेस", "इमेजेज 2022 | इंडियाज़ ग्लोबल आउटरीच", "ग्लोबल स्कैन रिवाइंड 2022: स्टोरीज एंड डेवलपमेंट्स दैट ट्रांसफॉर्म्ड द वर्ल्ड इन 2022", "स्पोर्ट्स 2022 | नेशनल गेम्स, खेलो इंडिया यूथ गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स", "इमेजेज 2022 | फिट्स ऑफ 2022", इमेजेज 2022 | "दा इयर दैट वाज", "2023 दा इयर ऑफ न्यू होप एनर्जी एण्ड एस्पिरेशन"।

महान अहोम सेनापति लचित बरफुकन पर एक विशेष वृत्तचित्र "सागा ऑफ द इन्डोमीटेबल लायन द ग्रेटेस्ट जनरल ऑफ असम" बनाई गई थी। सैनिकों के जीवन पर एक और विशेष वृत्तचित्र "ए डे इन द लाइफ ऑफ ए सोल्जर ऑन एलओसी" बनाया गया।

डीडी न्यूज़ और डीडी इंडिया विभिन्न प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं:—

- क. उपग्रह
- ख. डीटीएच
- ग. मोबाइल एप्लिकेशन
- घ. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म—यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर
- ड. डीडी न्यूज़ वेबसाइट—<http://ddnews.gov.in>

डीडी न्यूज़ @डीडीन्यूज़लाइव का अंग्रेजी ट्विटर हैंडल जनवरी, 2013 में आरंभ किया गया था और इसे 3 मिलियन (3,677,674) से अधिक लोग फॉलो कर रहे हैं। हिंदी भाषा में एक और ट्विटर हैंडल @डीडीन्यूज़हिंदी जनवरी, 2014 में शुरू किया गया था और इसके फॉलोअर्स की संख्या 1 मिलियन (1,164,218) से अधिक है।

इसी तरह डीडी न्यूज़ के फेसबुक पेज को करीब 20 लाख लोग लाइक कर रहे हैं जबकि एफबी पेज को करीब 2,342,699 लोग फॉलो कर रहे हैं।



डीडी न्यूज़ के इंस्टाग्राम अकाउंट को https://www.instagram.com/ddnews_official/ के जरिए एक्सेस किया जा सकता है। इस हैंडल के 3075 से अधिक पोस्ट के साथ 97,500 से अधिक फॉलोअर्स हैं। हाल ही में लॉन्च किए गए पब्लिक ऐप के करीब 1000 फॉलोअर्स हैं। हैंडल को @ddnewsdigital के जरिए एक्सेस किया जा सकता है।

एक समर्पित यूट्यूब चैनल <http://www.youtube.com/ddnews> को फरवरी, 2013 में आरंभ किया गया था। वर्तमान में डीडी न्यूज़ के यूट्यूब चैनल के 4,704,164 सब्सक्राइबर हैं।

टीवी के अतिरिक्त, डीडी न्यूज़ को निम्नलिखित माध्यमों से देखा जा सकता है:

- क) वेबसाइट
- ख) मोबाइलएप
- ग) यूट्यूब चैनल
- घ) एनआईसी का लाइव कास्ट चैनल: <http://webcast.gov.in>

डीडी इंडिया के फेसबुक पेज के 18062 फॉलोअर्स हैं। डीडी इंडिया का अंग्रेजी ट्विटर हैंडल /डीडी लाईव इंडिया जनवरी, 2016 में लॉन्च किया गया था, जो 2019 में पूरी तरह कार्यात्मक हो गया, जिसे 88,969 से अधिक लोग फॉलो कर रहे हैं। एक समर्पित यूट्यूब चैनल <http://www.youtube.com/ddindia> हाल ही में लॉन्च किया गया था।

वर्तमान में डीडी इंडिया के यूट्यूब चैनल के 3,10,650 से अधिक ग्राहक हैं। डीडी इंडिया का इंस्टाग्राम अकाउंट—<https://www.instagram.com/ddindialive/> सितंबर 2019 में लॉन्च किया गया था और इसके 2258 से अधिक पोस्ट के साथ 47,800 से अधिक फॉलोअर्स हैं।

डीडी इंडिया, एक टेलीविजन चैनल के अतिरिक्त, निम्नलिखित माध्यमों से पहुँचा जा सकता है:

- क. ट्विटर (पेरिस्कोप)
- ख. यूट्यूब चैनल



प्रधानमंत्री ने चेन्नई-मैसूर वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया।



डीडी भारती

डीडी भारती चैनल भारत की कला और संस्कृति को समर्पित है। जनवरी 2002 में आरंभ होने के बाद से, चैनल भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक ऑन-एयर रिपॉजिटरी बन गया है। चैनल भारतीय शास्त्रीय और लोक संगीत और नृत्य रूपों, कला-शिल्प, रंगमंच, भारतीय वास्तुकला, विज्ञान और तकनीकी के विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की जीवनी के अपने समृद्ध संग्रह से इतिहास, विरासत और आधुनिक संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है और संरक्षित कर रहा है।

डीडी भारती हर वर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के 70 से अधिक लाइव कवरेज और विख्यात कलाकारों और त्योहारों पर 19 इन-हाउस विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करता है।

हाल ही में डीडी भारती ने शास्त्रीय संगीत के उस्तादों को शामिल करते हुए "माई फेवरेट राग" और "मायस्ट्रॉज मेलोडीज़" जैसे शो के माध्यम से शास्त्रीय संगीत पर एक अभिनव सामग्री तैयार की है।

डीडी भारती ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और संगीत वाद्ययंत्रों पर सीखने की शृंखला आरंभ की है, जिसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

डीडी भारती ने प्रायोजित कार्यक्रमों के अतिरिक्त राष्ट्रीय महत्व के कैश आउट फ्लो कार्यक्रम के तहत कुछ महत्वपूर्ण लाइव कवरेज का प्रसारण किया था।

डीडी भारती देश भर में होने वाली सांस्कृतिक घटनाओं पर भी अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है और इस शृंखला में लव-कुश रामलीला को बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया के साथ प्रसारित किया गया है, जहां चैनल की दर्शकों की संख्या वर्ष 2022 में 39 वें सप्ताह में 278% बढ़ गई है।



नववर्ष 2023 की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम



डीडी उर्दू

डीडी उर्दू को 15 अगस्त, 2006 को दूरदर्शन के उर्दू चैनल के रूप में आठ घंटे दैनिक प्रसारण के साथ आरंभ किया गया था। बाद में, चैनल 14 नवंबर 2007 से 24x7 हो गया। इसे समृद्ध भाषा की महान सांस्कृतिक विरासत और साहित्यिक पहलू के संरक्षण और प्रचार को उत्प्रेरित करने के लिए एक विरासत चैनल के रूप में अवधारित किया गया। डीडी उर्दू चैनल देश में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले उर्दू चैनल में से एक है। चैनल दिन भर उर्दू में कई समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है।

डीडी उर्दू ने उर्दू शायरी और कवियों, स्वास्थ्य, मनोरंजन, महिलाओं, रोजगार और सूचना जैसे विषयों पर 7 नए कार्यक्रम शुरू किए। ये कवि हाजिर है, हैलो डॉक्टर, सितारों के जहां से, कुछ लम्हे फुर्सत के, रोजगार से कामयाबी तक, शेर-ओ-सुखन और जानकारी से कामयाबी तक, सितारों के जहां से, गुफ्तगू- अपना मुल्क अपना आईन, ख्वाब हमारे तबीर भी हमारी, ये है इंडिया, दुनिया मेरे आगे, पैसा बोलता है, कवि हाजिर है (केएच2)-, आओ करें फिल्मों की बात- बॉलीवुड आदि; हैं।



डीडी स्पोर्ट्स

स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टिंग सिग्नल (प्रसार भारती के साथ अनिवार्य साझाकरण) अधिनियम, 2007 के तहत दूरदर्शन के साथ साझा किए गए लाइव स्पोर्ट्स इवेंट्स को प्रसारित करने के अतिरिक्त, डीडी स्पोर्ट्स ने कोचों, अकादमियों, एसएआई और खिलाड़ियों के साथ जुड़कर खेल विकास पर कार्यक्रमों पर भी ध्यान केंद्रित किया।

हाल ही में की गई कुछ पहलें इस प्रकार हैं:

- क्रिकेट लाइव जैसे खेल शो, खेलों का गहन विश्लेषण देते हुए, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किए गए।
- आकाशवाणी के विशेष स्टूडियो आधारित स्पोर्ट्स शो दर्शकों को समृद्ध अनुभव प्रदान करने के लिए लाइव स्ट्रीम किए गए।
- डीडी स्पोर्ट्स के ट्विटर हैंडल के माध्यम से सभी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू आयोजनों पर अपडेट लोगों को प्रदान किए गए हैं।
- अभिलेखीय सामग्री को डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए रिपेकिजिंग करके अपलोड किया गया है।
- हाल ही में डीडी स्पोर्ट्स ने ओलंपिक पर कई विशेष कार्यक्रम किए हैं जैसे, ग्रैंड स्टैंडिंग "ओलंपिक आला रे", भारत टोक्यो, ओलंपिक हाइलाइट्स 2020, ओलंपिक स्टेट ज़ोन।
- यूट्यूब और न्यूजऑनएयर ऐप के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खेल प्रेमियों के लिए आकाशवाणी और डीडी स्पोर्ट्स से ऑडियो और वीडियो सामग्री की लाइव स्ट्रीमिंग।
- भारत में पहली बार, डीडी स्पोर्ट्स ने इंटरनेट स्ट्रीमिंग के माध्यम से भारतीय सांकेतिक भाषा व्याख्या और ऑडियो

कमेंट्री के साथ आईसीसी विश्व कप 2019 और टोक्यो ओलंपिक 2020 जैसे खेल आयोजनों को डिजिटल रूप से लाइव सुलभ बनाया है।

- डीडी स्पोर्ट्स ने कुछ प्रमुख कार्यक्रमों और कार्यक्रमों को प्रसारित किया जैसे: ए) शीतकालीन ओलंपिक बी) राष्ट्रमंडल खेल सी) दुबई में टी-20 विश्व कप डी) अंडर-17 फीफा (महिला) ई) टी-20 विश्व कप (महिला) च) पैरालंपिक छ) टी-20 विश्व कप- 2022,

डीडी स्पोर्ट्स ने 2022 में दो बहुत बड़े प्रोडक्शन किए

- 1) खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स
- 2) राष्ट्रीय खेल



डीडी किसान

26 मई, 2015 को आरंभ किया गया, डीडी किसान 24 घंटे का चैनल है जो विशेष रूप से किसानों और कृषि क्षेत्र को समर्पित है। इस चैनल का उद्देश्य भारत में कृषक और ग्रामीण समुदाय को सेवा प्रदान करना और देश के दूर-दराज के हिस्सों तक इसकी पहुंच बनाना, ग्रामीण आबादी को सूचित और शिक्षित करना और सतत और समावेशी विकास के लिए एक समग्र वातावरण बनाने की दिशा में काम करना है। यह नई कृषि तकनीकों, फसल सुरक्षा, उर्वरक, बीज, सिंचाई और जल संरक्षण फसल चयन, कृषि मशीनीकरण, कृषि-व्यवसाय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, डेयरी और पशुपालन, बागवानी और जैविक खेती सहित अन्य जानकारी पर किसानों को विभिन्न खेती और कृषि मुद्दों पर वास्तविक समय की जानकारी प्रसारित करता है। इसे खेती के लिए महत्वपूर्ण हर चीज की सुविधा के लिए डिजाइन किया गया है – जल संरक्षण और जैविक खेती से लेकर सरकारी कृषि कार्यक्रमों के माध्यम से ऋण कैसे प्राप्त करें। डीडी किसान टीम यूट्यूब, ट्विटर आदि जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को अपनाकर अपनी दर्शकों की संख्या बढ़ाने के लिए अपनी पहुंच का प्रसार करने में सफल रही। अधिकांश कार्यक्रम इन-हाउस निर्मित किए जाते हैं और कुछ आउटसोर्स किए जाते हैं। किसान चैनल द्वारा रोजाना औसतन सात घंटे ताजा सामग्री तैयार की जाती है।

चैनल का आईएमडी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों के साथ गठजोड़ है। किसानों और ग्रामीण आबादी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हाल ही में नए कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। विवरण इस प्रकार हैं: – नए भारत का नया किसान, सरकार आपके साथ, अपना पशुचिकित्सा, कृषि विशेष और श्रेष्ठ संस्थान।

डीडी किसान पर प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमः

- बजट गाँव और किसान 2023: कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बजट की बारीकियों और किसानों पर इसके प्रभाव के बारे में बताया।
- बजट कॉन्क्लेव 2023: बजट की व्याख्या और किसानों पर इसके प्रभाव को सरल रूप में समझाने के लिए दो घंटे का विशेष कार्यक्रम तैयार किया गया।
- मिलेट्स के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष पर विशेष कार्यक्रम: मिलेट्स के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मिलेट्स पर कई कार्यक्रम तैयार किए गए हैं।
- जी 20 शिखर सम्मेलन पर विशेष कार्यक्रम: जी 20 शिखर सम्मेलन के घटनाक्रम पर देश भर में व्यापक कवरेज और विशेष कार्यक्रम।



डीडी रेट्रो

प्रसार भारती ने मौजूदा कोविड-19 महामारी के दौरान अप्रैल, 2020 में प्रतिष्ठित और अभिलेखीय सामग्री दिखाने के लिए एक जीईसी चैनल "डीडी रेट्रो" आरंभ किया है। दर्शकों को इस चैनल की ओर आकर्षित करने के लिए इस चैनल पर विभिन्न प्रतिष्ठित सामग्री प्रसारित की जा रही है। चैनल फ्री टू एयर है और डीडी फ्री डिश पर उपलब्ध है। यह खेलगांव, नई दिल्ली में दूरदर्शन के केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र से चलाया जा रहा है। चैनल को दूरदर्शन डीटीटी सेवा में जोड़ा गया है जो भारत के 19 शहरों में उपलब्ध है। अधिकांश कार्यक्रम इन-हाउस तैयार किए जाते हैं और कुछ आउटसोर्स भी किए जाते हैं।

इस चैनल में डीडी किसान, डीडी अरुण प्रभा और डीडी नेशनल के पुराने कार्यक्रमों का उपयोग किया जा रहा है। चैनल के लिए पुराने गानों पर रेट्रो चित्रहार जैसे प्रोग्राम बनाए जा रहे हैं।

हाल ही में अयोध्या की रामलीला को चैनल पर प्रसारित किया गया और इसे व्यापक रूप से देखा गया। चैनल ने 39वें सप्ताह और 40वें सप्ताह में 47% की वृद्धि की और इसकी दर्शकों की संख्या डीडी नेशनल से भी अधिक हो गई।

ज. क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल (24x7)



डीडी सह्याद्री

डीडी सह्याद्री एक 24x7 क्षेत्रीय मराठी चैनल है, जो भूस्थलीय एंटीना की सहायता से सुबह 6 बजे से 9 बजे तक (रविवार को छोड़कर) और दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक (सभी दिन) प्रसारित होता है। दिनांक 1 नवंबर, 2022 से मुंबई स्थित दूरदर्शन की डीटीटी सेवाएं (एचडी और एसडी) बंद कर दी गई हैं।

दिल्ली में अन्य आरएनयू की तुलना में डीडी सह्याद्री का अधिक योगदान है। यह बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय आयोजनों जैसे बजट, केंद्रीय योजनाओं आदि के लिए इनपुट प्रदान करता है। समाचार के अतिरिक्त, यह डीडी राष्ट्रीय कार्यक्रमों जैसे रंगोली, तराने पुराने, रेट्रो गाने, संगीत और नृत्य के राष्ट्रीय कार्यक्रम आदि में भी योगदान देता है। 17वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2022 के एल/टी के कार्यक्रमों को नवंबर, 2022 में केंद्र द्वारा कवर किया गया है।

यह चैनल डीडी राष्ट्रीय कार्यक्रमों जैसे रंगोली, तराने पुराने, रेट्रो गाने, राष्ट्रीय संगीत और नृत्य कार्यक्रम आदि में प्रमुख योगदानकर्ता है और इसका आरएनयू बड़े पैमाने पर बजट, केंद्रीय योजनाओं जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए इनपुट प्रदान करता है।

डीडी सह्याद्री द्वारा दिनांक 1 अप्रैल 22 से 31 मार्च 23 के दौरान प्रसारित कार्यक्रम की भाषा इस प्रकार है: मराठी 86.54%, हिंदी 11.83%, संस्कृत 1.12%, हिंदी+अंग्रेजी 0.26%, अंग्रेजी 0.24% और उर्दू 0.01%

वर्ष 2022-2023 के दौरान आरंभ किए गए नए आंतरिक कार्यक्रम:

मायावतेचा मगोवा, अक्षरांच्य वतेवर, बांदा रुपैया, पहली मांझी ओवी गा, चिमनराव गुंड्याभाऊ, आपला पुणे, ग्लोबल मराठी, और चला पर्यातनला



डीडी गिरनार

डीडी गिरनार को दिल्ली से जोड़कर 01.10.1993 को आरंभ किया गया। हालाँकि, इसे 01.05.2000 से 24x7 चैनल बना दिया गया और 02.10.2007 से एक ब्रांड पहचान बन गई।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं:

सीएम द्वारा अंबाजी में लाइट एंड साउंड शो, माननीय राष्ट्रपति द्वारा केवडिया कॉलोनी में उच्च न्यायालयों के अखिल भारतीय न्यायिक सम्मेलन के उद्घाटन का सीधा प्रसारण, माननीय राष्ट्रपति द्वारा माधवपुर घेड मेला- 2022 के उद्घाटन का सीधा प्रसारण, दाहोद से लाइव प्रधानमंत्री का आदिवासी महा सम्मेलन दाहोद, वडनगर (गुजरात का ऐतिहासिक स्थान) में जाना सरखेज रोजा (अहमदाबाद का विरासत स्थल), पतंग महोत्सव (अंतर्राष्ट्रीय पतंग उत्सव) में अहमदाबाद से भगवान जगन्नाथ की 145वीं रथ यात्रा का सीधा प्रसारण, लाइव टेलीकास्ट देवभूमि द्वारका से जन्माष्टमी महोत्सव, नवरात्रि महोत्सव 2021 पर विशेष कार्यक्रम—माँ तारो गरबो ज़कमज़ोल, और महाशिवरात्रि के दौरान सोमनाथ से सीधा प्रसारण।



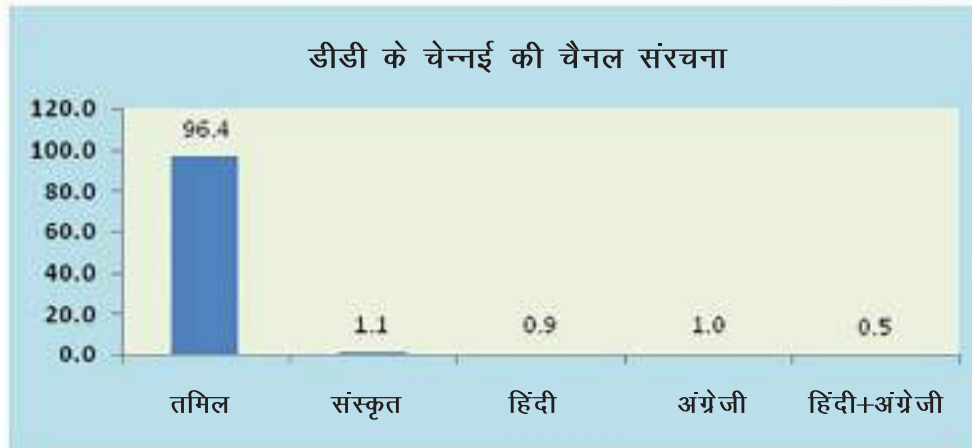
डीडी पोधिगई

डीडी पोधिगई ने चौबीसों घंटे प्रसारण के साथ 15.1.2001 से काम करना शुरू किया। वर्तमान में चैनल द्वारा क्षेत्रीय भाषा (तमिल) में छह समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं। तमिलनाडु में 2 पीजीएफ केंद्र हैं जैसे; मदुरै और कोयम्बटूर और पुडुचेरी में एक जो डीडी पोधिगई में भी योगदान दे रहा है। इन पीजीएफ द्वारा योगदान किए गए महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं:

- पीजीएफ, पुडुचेरी द्वारा निर्मित पुधुवई कलंजियम (सिटी राउंड अप)।
- हैलो कोयंबटूर पीजीएफ, कोयम्बटूर द्वारा निर्मित
- मैनिन परमाइ पीजीएफ मदुरै द्वारा निर्मित

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

गीता जयंती समारोह, थिरुवन्नामलाई में कार्तिगई महा दीपम महोत्सव, ईशा योग फाउंडेशन, वेल्लियांगिरी, कोयम्बटूर में महाशिवरात्रि समारोह, पीएम मित्रा योजना का शुभारंभ, लघु फिल्में – शक्ति और वेलिचम, ओलीरुम पुन्नगाई, महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तंजावुर नृत्य गुडिया के निर्माण पर वृत्तचित्र तमिलनाडु के एक गांव में, विशेष कार्यक्रम पुडियाधोर उलागम सेवोम और युवा उत्सव और युवासंवाद पर कार्यक्रम – इंडिया @ 2047 आदि;



डीडी-यदागिरी

वर्ष 1977 में एक पूर्ण प्रसारण सुविधायुक्त और मेक शिफ्ट स्टूडियो बनाया गया था और वर्ष 1988 में एक पूरी तरह से सुसज्जित स्टूडियो स्थापित किया गया। आखिरकार, 1 जनवरी, 2000 से चैनल 24x7 हो गया। आंध्र प्रदेश राज्य और तेलंगाना राज्य के निर्माण पर, नव निर्मित राज्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए 2014 में चैनल का नाम बदलकर डीडी यादगिरि कर दिया गया।

यह चैनल दूरदर्शन के फ्री डिश पर पूरे देश में उपलब्ध है। डीडी यादगिरि का अपना यूट्यूब चैनल और ट्विटर अकाउंट है, जिसमें निर्मित कार्यक्रम को अपलोड और प्रचारित किया जाता है। डीडी यादगिरि के लिए डीडी हैदराबाद द्वारा निर्मित किए गए कार्यक्रमों की प्रकृति क्षेत्रीय होती है।



डीडी सप्तगिरी

डीडी सप्तगिरि चैनल 27-09-2014 को आंध्र प्रदेश के लोगों को समर्पित किया गया और विजयवाड़ा से काम करना आरंभ किया। चैनल का अपना फेसबुक—www.facebook.com/ddsaptagiri है।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं: — उगादि विशेष कार्यक्रम — आरुचुला आरोग्य प्रदायनी, श्री अल्लूरी सीता राम राजू की 125वीं जयंती, कनिपकम से महाकुमाबी क्षेम का सीधा प्रसारण, दशहरा शरणावरात्रि उत्सव — 2022 का सीधा प्रसारण, श्री वारी ब्रह्मोत्सव लु का सीधा प्रसारण — 2022।



डीडी बांग्ला

दिनांक 20 अगस्त, 1992 को आरंभ किया गया, डीडी बांग्ला 01 जनवरी, 2000 से 24 घंटे का चैनल बन गया। डीडी बांग्ला बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवधि के दौरान, डीडी बांग्ला ने कई विषयों पर जागरूकता पैदा करने और महत्वपूर्ण मील के पथर, वर्षगांठ आदि को चिह्नित करने के लिए राज्य के विभिन्न हिस्सों में होने वाली विभिन्न घटनाओं और सामाजिक प्रासंगिकता के कार्यक्रमों का कई लाइव कवरेज किया है;

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम इस प्रकार हैं:-

चंदननगरेर जगधात्री पूजा परिक्रमा”, शांतिपुर रस उत्सव 2022 पर एक टीवी रिपोर्ट, रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, गोलपार्क, कोलकाता में विवेकानंद संगीत समारोह का सीधा प्रसारण। ‘पुन्नोतीर्थो गंगासागर’ – गंगासागर मेले पर एक टीवी रिपोर्ट। कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला 2023 के उद्घाटन समारोह पर टीवी रिपोर्ट, लाइव कार्यक्रम। “बसंत उत्सव 2023”, “बसंत जगराता द्वारे” – वसंत महोत्सव पर एक विशेष नृत्य शो।



अगोमोनी गीत पर कार्यक्रम (देवी दुर्गा का आह्वान करने वाला गीत) “आ माँ उमा”



डीडी पंजाबी

डीडी पंजाबी 24 घंटे चलने वाला पंजाबी चैनल है जिसे व्यापक रूप से भारत और अन्य देशों में उपग्रह जीसैट-17 के माध्यम से देखा जाता है। वेबसाइट, यू-ट्यूब, ट्विटर और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया सपोर्ट का भी प्रचार के लिए उपकरण के रूप में उपयोग किया जाता है। डीडी पंजाबी के लिए स्थित दूरदर्शन की डीटीटी सेवाओं (एचडी एवं एसडी) को दिनांक 31-10-2022 को बंद कर दिया गया है। केंद्र सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहा है:- वेबसाइट, यू ट्यूब, ट्विटर और फेसबुक जैसे सपोर्ट को भी प्रचार के साधन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। क्रॉस चैनल प्रचार: - ऑल इंडिया रेडियो जालंधर की मुख्य विशेषताएं (डीडी किसान, डीडी नेशनल, डीडी भारती और डीडी स्पोर्ट्स)।

नववर्ष 2023 के अवसर पर डीडी पंजाबी ने रौनक 2023 कार्यक्रम प्रसारित किया; जिसके दर्शकों की संख्या 8,17,000 रही। इस अवधि के दौरान प्रसारित होने वाले अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं: हुल्ले हुलारे, जश्न 23, गीतांजलि, रूप धारा, लॉन्ग लछिया, रूह पंजाब दी, सुरताल, डीडी पंजाबी रॉक्स आदि।



डीडी कशीर

डीडी-कशीर का एक अलग क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल के रूप में दिनांक 06-06-2000 को उद्घाटन किया गया था। इसे केंद्र शासित प्रदेश में स्थित उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (एचपीटी) के माध्यम से स्थलीय मदद ली जाती है और यह दूरदर्शन के डीटीएच प्लेटफॉर्म पर भी है। डीडी-कशीर का प्रसारण प्रतिदिन 1500 बजे से 2000 बजे के बीच 5 घंटे के लिए किया जाता है। डीडी-कशीर का प्रसारण डीडी-नेशनल से लिंकिंग के बाद अतिरिक्त स्थलीय सेवा के माध्यम से भी किया जाता है।

चैनल को राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों द्वारा बोली जाने वाली 12 विभिन्न भाषाओं/बोलियों में कार्यक्रम बनाने का गौरव प्राप्त है। इनमें "कश्मीरी (48%), उर्दू (31%), हिंदी (11%), डोगरी (2%), लद्दाखी, (2%) पंजाबी (1%), गोजरी (1%), पहाड़ी (1%), बाल्टी, शीना और पश्तो प्रत्येक 0.5%, अन्य (1.5%) शामिल हैं।

डीडी-कशीर अपनी कार्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यानी फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब का उपयोग कर रहा है।

कार्यक्रम सामग्री के मामले में चैनल का फोकस सूचना, शिक्षा और मनोरंजन पर रहता है। पारंपरिक मूल्यों, सीमा शुल्क, सांस्कृतिक पहलू लोकाचार, विभिन्न क्षेत्रों में विकास और गृह मंत्रालय द्वारा पहचाने गए विषयों, पर सीपीजी कार्यक्रम भी डीडी-कशीर समूह का हिस्सा हैं।



डीडी ओड़िया

डीडी- ओड़िया ने दिनांक 2 अक्टूबर, 1993 से डीडी-5 के रूप में कार्य करना आरंभ किया। इसे दिनांक 01 अप्रैल, 2001 को 24 घंटे चलने वाला चैनल बनाया गया था। चैनल में समाचार, कृषि, स्वास्थ्य, राज्य के प्रतिष्ठित लेखकों के साहित्यिक कृतियों, लोक संगीत और नृत्य, कला और शिल्प, पर्यटन और त्योहारों के कार्यक्रमों का मिश्रण है। डीडी-ओड़िया डीडीके, संबलपुर और डीडीके, भवानीपटना को सप्ताह में छः दिन प्रत्येक केंद्र को तीन घंटे के कार्यक्रमों के साथ सैटेलाइट सहायता प्रदान करता है।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम इस प्रकार हैं:-

डीडी- ओड़िया पुरी से भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा महोत्सव, संबलपुर से शीतल षष्ठी (भगवान शिव और देवी पार्वती का पवित्र विवाह समारोह), परबना बेला (ओड़िया के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ कटक और भुवनेश्वर के जुड़वां शहर में दशहरे का उत्सव) का सीधा प्रसारण करता है। केंद्र ओड़िया में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले विभिन्न नृत्य और संगीत समारोहों जैसे कोणार्क महोत्सव, मुक्तेश्वर नृत्य महोत्सव, राजा रानी संगीत समारोह, धौली-कलिंग महोत्सव, महोदधि अलती, 2023 से पुरी, हीराकुंड महोत्सव, 2023 के लाइव प्रसारण की व्यवस्था भी करता है।

डीडी- ओड़िया अलग-अलग सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी है, यानी; https://www.facebook.com/DD_ओड़िया ओड़िया चैनल 10,162 फॉलोअर्स के साथ, https://twitter.com/dd_odia पर 3015 फॉलोअर्स के साथ, https://instagram.com/dd_odia 1134 फॉलोअर्स के साथ और यू ट्यूब पर- <https://365K> सब्सक्राइबर्स के साथ youtube.com/c/doordarshanodia।



रथ यात्रा-2022



डीडी मलयालम

डीडी मलयालम ने 1985 में अपनी स्थापना के साथ से ही देश के कोने-कोने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। केंद्र में तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर और कालीकट में कार्यक्रम निर्माण सुविधाएं हैं।

प्रत्येक वर्ष की तरह केंद्र द्वारा त्रिशूर पूरम, ओणम विशेष कार्यक्रम, आईएफएफके-उद्घाटन और समापन समारोह, सबरीमाला से मकरविलक्कु का प्रसारण, अटुकल पोंगाला महोत्सव जैसे नियमित प्रसारण के अतिरिक्त यात्रा-वृत्तांत-‘द जर्नी ऑफ इंडिया’, नेहरू ट्रॉफी बोट रेस 2022, चेम्बाई – पंचरत्न कीर्तनलापम आदि कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त, कुछ कार्यक्रम नियमित आधार पर प्रसारित किए जाते हैं:

- अमृतभारतम— वृत्त चित्र-फीचर का प्रसारण प्रत्येक शनिवार को होता है
- विशेष समाचार आधारित कार्यक्रम ‘वरन्त्यम’ का प्रसारण प्रत्येक शनिवार को होता है।
- धारावाहिक-‘स्वराज’-स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियों पर आधारित धारावाहिक प्रत्येक शनिवार को प्रसारित होती हैं।
- लाइव कार्यक्रम-समकालिकम का प्रसारण प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को होता है।
- ट्रैवेलॉग-‘द जर्नी ऑफ इंडिया’ का प्रसारण प्रत्येक शुक्रवार को होता है।



नेहरू ट्रॉफी नौका दौड़ 2022 का उद्घाटन समारोह



डीडी चंदाना

कर्नाटक के क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल 15 अगस्त, 1991 को प्रारंभ किया गया था और यह 1 जनवरी, 2000 से 24 घंटे का चैनल बन गया। बाद में इसका नाम बदलकर चंदना कर दिया गया। एक नया डिजिटल अर्थ स्टेशन स्थापित किया गया और इसे 28.12.2018 को आरंभ किया गया। केंद्र उर्दू, तुलु, कोंकणी, कोडवा, अंग्रेजी और हिंदी में कार्यक्रमों का प्रसारण करता है।

2022-23 के दौरान चैनल द्वारा कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के प्रसारण के अतिरिक्त अधिकांश कार्यक्रम टॉक शो, फोन इन लाइव, वृत्तचित्रों और राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण के रूप में हुए हैं। डीडीके, बेंगलुरु के लिए रोड मैप कुछ नए कार्यक्रमों को शामिल करते हुए नए प्रस्तावित एफपीसी के रूप में तैयार किया गया है।

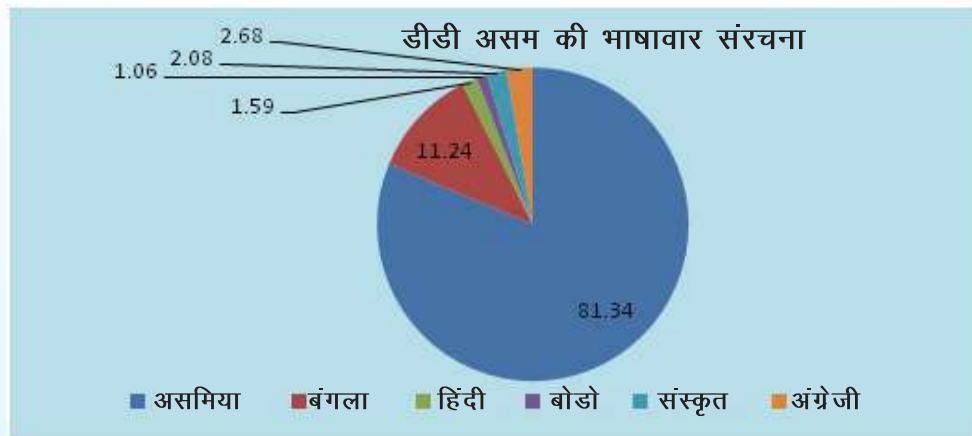
इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम इस प्रकार हैं:-

- कांटेरावा स्टेडियम, बेंगलुरु में कन्नड़ राज्योत्सव समारोह
- पैलेस ग्राउंड्स, बेंगलोर में इन्वेस्ट कर्नाटक 2022-ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट का उद्घाटन।
- 86वां कन्नड़ साहित्य सम्मेलन, हावेरी 06.01.2023 से 08.01.2023



डीडी असम

डीडी नॉर्थ-ईस्ट दिनांक 01-11-1990 को आरंभ किया गया था और अंततः 15 अगस्त, 1994 को लॉन्च किया गया था। यह 27 दिसंबर, 2000 से 24 घंटे का चैनल बन गया। डीडी नॉर्थ ईस्ट का नाम बदलकर डीडी असम कर दिया गया और इसे औपचारिक रूप से 04 अगस्त, 2020 को माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री द्वारा शुभारंभ किया गया। डीडी असम से 2022-23 के लिए भाषावार प्रसारण इस प्रकार है।





मोहरे मोहो-हो का उत्सव

इस अवधि के दौरान, डीडी असम ने कुछ विशेष कार्यक्रम आरंभ किए हैं जैसे: जातियो वीर लचित बरफुकन, जनजातीय गौरव दिवस का उद्घाटन, और असम के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा वेटरिनरी ग्राउंड, खानापारा, गुवाहाटी में मिलट्स मिशन का उद्घाटन, मुकाली बिहू उत्सव का सीधा प्रसारण और तिवा छगरा खाम— तिवा समुदाय के सोगरा उत्सव पर एक वृत्तचित्र।



डीडी अरुण प्रभा

दूरदर्शन केंद्र ईटानगर से आरंभ होने वाले डीडी अरुण प्रभा को 9 फरवरी 2019 को राष्ट्र को समर्पित किया गया था। यह चैनल अत्याधुनिक सुविधा से युक्त है जिसमें 24x7 प्रसारण के लिए दूरस्थ क्षेत्रों से लाइव कवरेज प्रदान करने के लिए एक डिजिटल उपग्रह समाचार संकलन इकाई है। डीडीके ईटानगर में स्थापित प्ले आउट सुविधा और अर्थ स्टेशन डीडी अरुणप्रभा का निर्बाध प्रसारण सुनिश्चित करते हैं। दूरदर्शन के फ्री डिश और केबल नेटवर्क के अतिरिक्त, टाटा स्काई, एयरटेल और डिश टीवी जैसी निजी डीटीएच सेवाओं द्वारा भी कार्यक्रम चलाए जाते हैं। डीडी अरुणप्रभा की सामग्री को सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी साझा किया गया है।

डीडी अरुणप्रभा पर्वतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में बसी कई जनजातियों की विविध संस्कृति, गीत, नृत्य, त्योहार का प्रदर्शन कर रहा है, जिसमें 100 उप-जनजातियों के साथ-साथ 26 प्रमुख जनजातियाँ शामिल हैं।

चैनल द्वारा यात्रा वृत्तांत, मैगजीन, थ्रिलर, माइथोलॉजी, डॉक्यूमेंट्री, टेली फिल्म्स, डेली सोप और रियलिटी शो, री-डिस्कवरींग मेयोन ट्राइबल ट्रेजर, वायरस-दोस्त (सीरियल), मॉडल (सीरियल) जैसे विभिन्न शैलियों से संबंधित संगीत कार्यक्रम जैसे उत्तर पूर्व की लय और स्थानीय नृत्य और गीत, डीडी नेशनल द्वारा प्रदान किए गए कुछ गुणवत्ता वाले दैनिक धारवाहिक कार्यक्रम भी किए गए।

इस अवधि के दौरान प्रसारित होने वाले स्थानीय त्योहार:

- क. सी होयनी महोत्सव तागील
- ख. एडु मिशमिस का रेह महोत्सव
- ग. परथुराम कुंड मेला (धार्मिक स्थल यात्रा वृत्तांत)

- घ. अरुणाचल महोत्सव/अरुणाचल राज्य स्थापना दिवस
- ङ. न्योकुम महोत्सव
- च. चलो लोको महोत्सव
- छ. सी दोन्यी महोत्सव तागील
- ज. एडु मिशमिस का रेह महोत्सव
- झ. अरुणाचल महोत्सव/अरुणाचल राज्या स्थापना दिवस
- ञ. न्याशी का न्योकुम महोत्सव



डीडी राजस्थान

डीडी: राजस्थान, एक 24 x 7 हिंदी क्षेत्रीय भाषा चैनल 1 अगस्त, 2013 को अस्तित्व में आया और 15 अगस्त, 2013 से कार्यक्रमों का प्रसारण आरंभ किया। यह दूरदर्शन के डीडी फ्री डिश पर उपलब्ध है। 2022-23 के दौरान प्रसारित कार्यक्रमों का भाषावार विवरण इस प्रकार है: हिंदी (94.63%) उर्दू (2.03%), सिंधी (1.91%), संस्कृत (1.24%) और पंजाबी (0.18%)

2022-23 की अवधि के दौरान केंद्र से प्रसारित कार्यक्रमों अधिकतम भागीदारी इस प्रकार हैं:

संगीत और नृत्य (28.85%) के बाद साक्षात्कार/वार्ता/चर्चा (19.67%), समाचार (10.40%), कृषि और ग्रामीण विकास (9.61%) और पत्रिका कार्यक्रम (5.92%) का स्थान है। अन्य शैलियों में प्रसारित होने वाले कार्यक्रम नगण्य हैं।

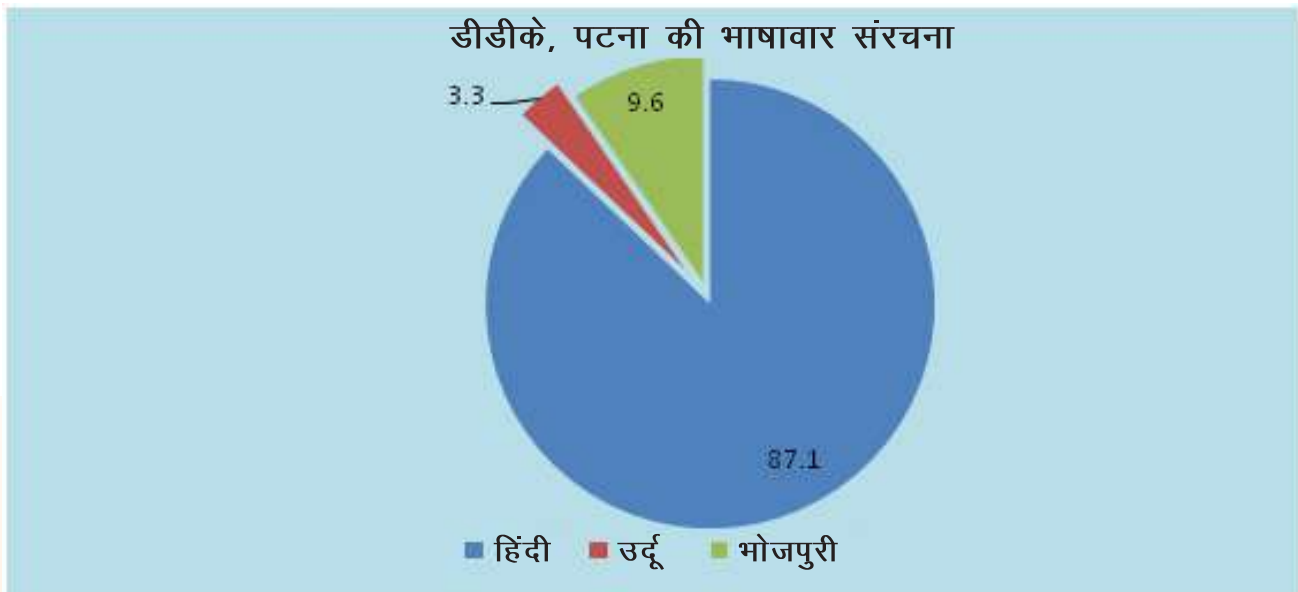


डीडी बिहार

डीडी-बिहार, 24x7 क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल 01.05.2013 को प्रारंभ किया गया था। उपग्रह चैनल के रूप में प्रारंभ होने के बाद से ही देश भर में अपने प्रसारण का विस्तार करना जारी रखा।

वर्तमान में इसमें चार हिंदी समाचार बुलेटिन प्रसारित होते हैं जो क्रमशः 7:30 बजे से 7:45 बजे, 13:00 बजे से 13:15 बजे, 17:00 बजे से 17:15 बजे, 19:00 बजे से 19:15 बजे तक और लघु हिंदी समाचार बुलेटिन 10:00 बजे से 10:05 बजे, 11:00 बजे से 11:05 बजे तक और 15:00 बजे से 15:05 बजे तक और 9:00 बजे से 9:02 बजे, 12:00 बजे 12:02 बजे तथा 20:00 बजे से 20:02 बजे तक 2 मिनट के ग्राफिक्स हेडलाइन प्रसारित किए जा रहे हैं। 2 उर्दू समाचार बुलेटिन क्रमशः 13:15 बजे से 13:30 बजे और 19:15 बजे से 19:30 बजे और एक लघु उर्दू समाचार बुलेटिन 16:00 बजे से 16:05 बजे, संस्कृत समाचार बुलेटिन 7:15 बजे से 7:30 बजे डीडी बिहार (डीडी न्यूज़ से रिले) से प्रसारित किया जा रहा है।

2022-23 के दौरान केंद्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के अतिरिक्त अधिकांश कार्यक्रम टॉक शो और चर्चा के टीवी रिपोर्ट और सीधा प्रसारण के रूप में हैं।





डीडी उत्तर प्रदेश

डीडी उत्तर प्रदेश, एक 24x7 क्षेत्रीय भाषा चैनल के रूप में 16 अगस्त, 2013 को अस्तित्व में आया। यह 24 घंटे का चैनल लोक संगीत, सुगम संगीत, नाटक, टॉक शो, प्रश्नोत्तरी और अन्य कार्यक्रमों को कवर करता है। केंद्र द्वारा 2022-23 के दौरान राष्ट्रीय महत्व के कुछ सीधा प्रसारण भी किए गए हैं।

डीडी उत्तर प्रदेश से प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

ग्रेटर नोएडा में विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन, "गोरखनाथ मंदिर गोरखपुर से खिचड़ी मेला," सांसद महाकुंभ "खेल का लाइव उद्घाटन, यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का उद्घाटन, रामनवमी पर विशेष कार्यक्रम" भये प्रगट कृपाला आदि।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा में विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया



डीडी मध्य प्रदेश

डीडी एमपी चैनल को मध्य प्रदेश की विविध और समृद्ध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक घंटे के क्षेत्रीय चैनल के रूप में 20 अक्टूबर, 1992 को प्रारंभ किया गया था। इसके बाद इसे 04 घंटे का क्षेत्रीय चैनल बना दिया गया और 25.06.2013 को इसे 24 घंटे के क्षेत्रीय भाषा चैनल में बदल दिया गया।

प्रसारण की मुख्य भाषा हिंदी है इसके अतिरिक्त अन्य बोलियों जैसे मालवी, बुंदेली, बघेली और निमाड़ी में भी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। केंद्र से प्रसारित होने वाले अधिकांश कार्यक्रम टॉक शो, चर्चा, साक्षात्कार, वृत्तचित्र, संगीत के



अतिरिक्त कुछ मनोरंजन कार्यक्रमों के रूप में होते हैं, इस अवधि के दौरान कुछ प्रसारित कार्यक्रमों के नाम हैं: गरबा नृत्य: दुर्गा पूजा के दौरान नवरात्रि पर्व पर प्रसारित विशेष कार्यक्रम।

पचमढ़ी : मध्य प्रदेश का कश्मीर कहे जाने वाले पचमढ़ी पर एक विशेष वृत्तचित्र बनाई गई है।

बुद्ध गुफाओं और प्रधानमंत्री आवास योजना पर वृत्तचित्र।

‘गुलदस्तो’: सिंधी में कार्यक्रम सिंधी रहन-सहन, संस्कृति, परंपराओं, साहित्य, कला और विरासत पर प्रकाश डालता है और जानकारी का प्रसार करता है।



महादेव मंदिर, पचमढ़ी:



डीडी छत्तीसगढ़

दूरदर्शन केंद्र रायपुर को वर्ष 1977 में प्रारंभ किया गया था। 24x7 प्रसारण दोपहर 3.00 बजे से शाम 7.00 बजे के क्षेत्रीय प्रसारण के साथ आरंभ हुआ और 01 अप्रैल, 2020 से डीडी न्यूज़ का निर्वाधरूप रूप से रिले आरंभ हुआ। बाद में 07 सितंबर, 2020 से पांच बार 04 घंटे का क्षेत्रीय प्रसारण 24x7 को लूप प्ले के साथ शुरू किया गया।

बस्तर अंचल से एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसमें हमारा छत्तीसगढ़, हैलो डॉक्टर, हमारा पहुना, महिला जगत और मंच नाटक के अतिरिक्त विभिन्न विषयों से संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।

कुछ विशेष कार्यक्रम जैसे खैरागढ़ महोत्सव, आदिवासी दिवस, छत्तीसगढ़ में प्रयास की जीवंत यात्रा आदि; इस दौरान प्रसारित भी किए गए।



डीडी उत्तराखंड

1 अप्रैल, 2020 से डीडी उत्तराखंड ने अपनी 24x7 सेवाएं आरंभ की। इस केंद्र से प्रसारित होने वाले अधिकांश कार्यक्रम क्षेत्रीय/स्थानीय भाषाओं अर्थात गढ़वाली, कुमाँउनी, जौनसारी और रांग में होते हैं।



केंद्र से प्रसारित अधिकांश कार्यक्रम टीवी रिपोर्ट, लोक और सांस्कृतिक गीतों के साथ-साथ नृत्य, साहित्यिक कार्यक्रम, वर्तमान मुद्दों पर कार्यक्रम, यात्रा वृत्तांत, गढ़वाली, कुमाउनी और जौनसारी पर कविता आधारित कार्यक्रम के रूप में होते हैं।



डीडी झारखंड

दूरदर्शन केंद्र, रांची को 25 सितंबर 1984 को प्रारंभ किया गया था। 2 अप्रैल 2002 को, केंद्र ने क्षेत्रीय समाचारों का प्रसारण शुरू किया और साथ ही यह एक क्षेत्रीय इकाई बन गया जिसका कवरेज क्षेत्र पूरे झारखंड तक फैला हुआ था। 1 अप्रैल, 2020 से डीडी झारखंड ने 24x7 प्रसारण शुरू किया। पीसीआर 1 स्टूडियो को 01 अगस्त 2022 से पूरी तरह प्रचालन में लाया गया है।

वर्तमान में क्षेत्रीय समाचार के अंतर्गत संचाली समाचार का साप्ताहिक प्रसारण 15 अगस्त, 2021 से शुरू किया गया है। केंद्र से प्रसारित होने वाले अधिकांश कार्यक्रम आदिवासियों के लिए और सूचनात्मक (संचाल डायरी, ढोल मंदार आदि के रूप में) प्रकृति के हैं, इसके अतिरिक्त झारखंड से संबंधित कुछ विशिष्ट कार्यक्रमों हैं: वेल डन इंडिया—तीरंदाजी में देश का नाम रोशन करती झारखंड की बेटा, झारखंड विकास की ओर—प्रधानमंत्री आवास योजना जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, अबुवा झारखंड—जन—जातीय गौरव दिवस, वृत्ताचित्र— दा लैण्ड ऑफ बिरसा एण्ड ब्यूटी, शिवरात्रि पर विशेष कार्यक्रम आदि।

ट. राज्य नेटवर्क चैनल (24x7)

कोविड-19 महामारी के दौरान, 8 क्षेत्रीय चैनल (नॉन 24x7) आरंभ की यानी डीडी हिमाचल प्रदेश, डीडी हरियाणा, डीडी गोवा, डीडी मिजोरम, डीडी त्रिपुरा, डीडी मेघालय, डीडी मणिपुर और डीडी नागालैंड ने डीडीके – शिमला, हिसार, पणजी, आइजोल, अगरतला, शिलांग, इंफाल और कोहिमा ने संबंधित स्थानों से 24x7 उपग्रह सेवा आरंभ की।



डीडी हिमाचल

दूरदर्शन केंद्र, शिमला 7 जून, 1995 से आरंभ किया गया था। केंद्र वर्ष 2014-15 से प्रत्येक सोमवार से शनिवार दोपहर 3:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक और रविवार को शाम 6:30 बजे से शाम 7:00 बजे तक क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है डीडी-शिमला का प्रसारण अब डीडी फ्री डिश 24x7 पर होम चैनल स्ट्रीम पर उपलब्ध है और इसे डीडी हिमाचल के नाम से जाना जाता है।



अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा – 2022



अंतर्राष्ट्रीय लवी मेला – 2022

- दिसंबर, 2022 में विशेष कार्यक्रम "जनादेश-2022" का सीधा प्रसारण किया गया।
- स्वतंत्रता सेनानियों पर "आजादी का अमृत महोत्सव" नामक कार्यक्रम की एक शृंखला का प्रसारण किया जा रहा है।
- हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर माननीय मुख्यमंत्री जी के संदेश का प्रसारण



डीडी मेघालय

दूरदर्शन केंद्र, शिलांग को वर्ष 1993 में आरंभ किया गया था। 1कि.वाट ट्रांसमीटर को तब डीडी (नेशनल) के लिए 10कि.वाट ट्रांसमीटर में अपग्रेड किया गया था, जिसे 09.02.2004 को सेवा में शामिल किया गया। 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान इसे 24x7 चैनल बना दिया गया था। कार्यक्रम खासी, गारो, अंग्रेजी और हिंदी में प्रसारित किए जाते हैं।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

- एनईसी सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री की शिलांग यात्रा,
- पश्चिम गारो हिल्स में कलईचर में भारत-बंगला सीमा हाट को फिर से खोलना,
- मेघालय के सीमा सुरक्षा बल का 58वां स्थापना दिवस,
- फीफा विश्व कप 2022 का रिले।
- 30 अप्रैल, 2023 को शिलांग राजभवन में मन की बात के 100वें धारावाहिक का विशेष प्रसारण।



डीडी गोवा

दूरदर्शन पणजी ने 9 मार्च 2019 से फ्री डिश प्लेटफॉर्म पर अपना पूर्णकालिक प्रसारण शुरू किया। इसका नाम डीडी पणजी से डीडी गोवा कर दिया गया। अधिकांश कार्यक्रम कोंकणी और मराठी में प्रसारित किए जाते हैं। चैनल इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी है, इन प्लेटफॉर्म का व्यापक रूप से इन-हाउस कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। यूट्यूब का उपयोग स्थानीय सामग्री की लाइव स्ट्रीमिंग के लिए एक वैकल्पिक मंच के रूप में भी किया जाता है। त्वरित समाचार सेवा के लिए डीडी गोवा के पास डीएसएनजी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

वर्ष के दौरान डीडी गोवा से विभिन्न प्रारूप में कार्यक्रम निर्मित और प्रसारित किए गए हैं, जिनकी रचना इस प्रकार है: संगीत – 12.41%, स्पोर्ट्स वर्ल्ड – 27.96%, लाइव-फोन-इन कार्यक्रम – 5.56%, नाटक – 11.11%, समाचार और समाचार संबंधित कार्यक्रम – 27.78%, खेल कार्यक्रम – 2.22% और विविध, स्पोर्ट्स, विशेष प्रसारण – 12.96%।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

- सेंट फ्रांसिस जेवियर, गोवा का वार्षिक पर्व। इस उत्सव में देश-विदेश के लाखों तीर्थयात्री शामिल होते हैं।
- डीडी गोवा एमसीयू की स्थापना का उपयोग करते हुए राज्य टेबल टेनिस चैंपियनशिप को लाइव कवर किया गया।
- भारत के 53वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव को डीडी दिल्ली और मुंबई के सहयोग से लाइव कवर किया गया।



20 नवंबर, 2022 को गोवा में 53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) का उद्घाटन समारोह



डीडी हरियाणा

डीडीके: हिसार 01.11.2002 को अस्तित्व में आया। प्रारंभ में इस केंद्र से 1.15 घंटे का प्रसारण आरंभ किया गया था जिसे धीरे-धीरे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया गया था। 02.04.2020 से डीडी-हिसार से 24x7 घंटे का प्रसारण शुरू किया गया है, जिसमें से 3 घंटे यानी 1500 बजे से 1800 बजे तक क्षेत्रीय प्रसारण है तथा शेष समय के लिए पीबीएनएस से जुड़ा हुआ है। चैनल का नाम 26.01.2021 से डीडी-हिसार से डीडी-हरियाणा में बदल दिया गया था। वर्तमान में डीडी हरियाणा हरियाणा के सभी 22 जिलों में सिंगल स्टूडियो सेट अप और अपलिकिंग अर्थ स्टेशन के साथ काम कर रहा है।

नियमित प्रोग्रामिंग के अतिरिक्त, डीडी हरियाणा हरियाणा के महत्व और कला और संस्कृति, हस्तशिल्प, इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और वास्तुकला के योगदान को उजागर करने के लिए सरकारी विभागों और एसपीएसयू को शामिल कर रहा है, जिसमें संवाद, हैफेड, हरियाणा बीज निगम आदि शामिल हैं।

डीडी नागालैंड

15 अगस्त 1992 को एक क्षेत्रीय भाषा का उपग्रह चैनल प्रारंभ किया गया, जो डीडी न्यूज/डीडी इंडिया स्ट्रीम (07:00 से 03:00 अपराह्न) का उपयोग करके अप्रैल, 2020 से 24 घंटे का चैनल बन गया: इसके साथ 3:00 से 07:00 अपराह्न तक यह स्थानीय प्रसारण करता है। इसे कोहिमा और दीमापुर में दूरदर्शन स्टूडियो द्वारा सहयोग किया जाता है।

इस अवधि के दौरान डीडी नागालैंड से प्रसारित अधिकांश कार्यक्रम गीत और संगीत के अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक मुद्दों, स्वास्थ्य, विकास आदि पर होते हैं।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं:—

- नागालैंड सीएसआर और निवेश सम्मेलन
- हॉर्नबिल महोत्सव, 2022
- एनएलए चुनाव के मतदान कवरेज
- 14वीं नागालैंड राज्य विधानसभा के परिणाम की घोषणा
- निहुनुओ सोरही – पद्मश्री पुरस्कार विजेता



नागालैंड हॉर्नबिल महोत्सव 2022 का शुभारंभ और उद्घाटन समारोह



डीडी त्रिपुरा

20 नवंबर 1992 को आधे घंटे के प्रसारण के साथ इस चैनल का उद्घाटन किया गया। चैनल ने अपना 24 घंटे का प्रसारण 21 जनवरी, 2021 से आरंभ किया और इसका नामकरण डीडी त्रिपुरा हो गया। चैनल ने 60:40 के अनुपात में बंगाली और कोकबोरोक नामक दो भाषाओं में प्रसारण किया जाता है। केंद्र बंगाली और कोकबोरोक दोनों में स्थानीय समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है, इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य, त्योहारों और वर्षगांठ, जागरूकता कार्यक्रम, कौशल विकास, सरकारी नीति, खेल, मनोरंजन, कृषि आदि पर कार्यक्रमों का प्रसारण करता है।



महामहिम राष्ट्रपति द्वारा गुवाहाटी-कोलकाता एक्सप्रेस ट्रेन के विस्तार का उद्घाटन।



डीडी मिजोरम

डीडी मिजोरम दिनांक 2/4/2020 से 24x7 चैनल है जिस पर 9 घंटे की अवधि में दोपहर 12:00 बजे से रात 9:00 बजे के बीच स्थानीय सामग्री वाले कार्यक्रम प्रसारण किया जाता है, बाकी घंटे डीडी इंडिया/होम चैनल से प्रोग्राम पैचिंग के साथ प्रसारित किए जाते हैं।

यह समाज के सभी वर्गों के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का निर्माण कर रहा है। डीडी मिजोरम ने माह में एक बार प्रसारित होने वाले एक घंटे की अवधि के एक संगीत आधारित कार्यक्रम "ज़ो अवी जून ज़म" का प्रसारण किया है। प्रत्येक सोमवार को 30 मिनट के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों "ह्रसेलना हुआंग" के सीधा प्रसारण, प्रत्येक बुधवार को 1 घंटा



समसामयिक घटना पर सीधा प्रसारण "जोरम थिरना", प्रत्येक शुक्रवार को 1 घंटे का लाइव कार्यक्रम "फ्राइडे लाइव" प्रसारित करता है।

इस अवधि के दौरान प्रसारित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

- 9वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट 2022 आइजोल के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण।
- 24/12/2022 को पूर्वी क्षेत्र साल्वेशन आर्मी, मिजोरम द्वारा आयोजित एक चैरिटी म्यूजिकल कॉन्सर्ट "कॉफी नाइट" का सीधा प्रसारण।
- चापचर कुट महोत्सव 2023 (मिजो का सांस्कृतिक उत्सव) का सीधा प्रसारण।



डीडी मणिपुर

अप्रैल 2020 से, डीडी मणिपुर को डीडी न्यूज/डीडी इंडिया स्ट्रीम का उपयोग करके अस्थायी रूप से 24x7 चैनलों में परिवर्तित कर दिया गया है। चैनल की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिसंबर, 2022 तक यू-ट्यूब पर लगभग 2.68 लाख अभिदाता के साथ मजबूत उपस्थिति है, जो कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में आकाशवाणी और डीडी केंद्रों में सबसे अधिक है। केंद्र से विभिन्न शैलियों के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। डीडी मणिपुर ने लाइव मणिपुर पोलो इंटरनेशनल 2022 का भी प्रसारण किया है और फस्ट फाइट नाइट (बॉक्सिंग टूर्नामेंट) के लाइव कवरेज को स्थगित कर दिया जिसे 25 मार्च, 2023 को जिसे भारतीय नौसेना खेल नियंत्रण बोर्ड और मणिपुर एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया था।



डीडी मणिपुर द्वारा बसंत सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का प्रसारण 20 मार्च, 2023



25 मार्च, 2023 को भारतीय नौसेना खेल नियंत्रण बोर्ड और मणिपुर एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित बॉक्सिंग टूर्नामेंट

ठ. दूरदर्शन के अन्य प्रभाग

i. दूरदर्शन विज्ञापन सेवा

दूरदर्शन विज्ञापन सेवा (डीसीएस) डीजी: डीडी मुख्यालय में स्थित एक स्वतंत्र कार्यालय है, जो दूरदर्शन की सभी व्यावसायिक गतिविधियों को एजेंसियों / ग्राहकों / कार्यक्रम निर्माताओं से राजस्व संग्रह के साथ-साथ खेल आयोजनों के मामले में राजस्व साझा करने के लिए समन्वयित करता है। यह कार्यालय विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों को पंजीकरण और प्रत्यायन की स्थिति की भी अनुमति देता है। डीसीएस, डीसीएस से संबंधित अदालती मामलों और मध्यस्थता मामलों को संभालता है। ऑनलाइन बिलिंग ब्रॉडकास्ट हेतु ग्राहकों के लिए मैनुअल बिलिंग के स्थान पर

एयरटाइम शेड्यूलर (बीएटीएस) पेश किया गया था। सेल्स विंग एयर टाइम बेचने के लिए विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों के साथ बातचीत करता है। बदलते बाजार परिदृश्य में इस संबंध में नियम और नीतियां समय-समय पर बनाई और समीक्षा की जाती हैं। एकत्रित राजस्व पर जीएसटी और उससे जुड़े डेटा को समय पर जमा करने का काम डीसीएस के जीएसटी विंग द्वारा संभाला जा रहा है।

डीसीएस के मुख्य कार्य

- सरकार/कॉर्पोरेट ग्राहकों से राजस्व का केंद्रीकृत संग्रह।
- विज्ञापन एजेंसियों का प्रत्यायन और पंजीकरण।
- कार्यक्रमों का निर्धारण।
- बिलिंग और समाधान।
- ट्रैफिक, समयबद्धन, बिलिंग और भुगतान का प्रबंधन और निगरानी।
- डीसीएस से संबंधित मध्यस्थता और अदालती मामले हैं
- जीएसटी गणना और कर, रिपोर्ट आदि का समय पर जमा करना।

वर्ष	शुद्ध राशि (जीएसटी को छोड़कर राजस्व) (करोड़)
2022-23	1045.96

नई पहल:

- प्रसार भारती द्वारा साझा की गई समय-सीमा और लंबे समय से लंबित कानूनी अदालती मामलों और डीसीएस में 10 करोड़ से अधिक की देनदारियों वाले मध्यस्थता मामलों से संबंधित कार्रवाई योग्य बिंदुओं की अनुवर्ती समीक्षा।
- डीसीएस द्वारा एजेंसी / ग्राहक और क्षेत्रीय विपणन प्रभाग के साथ बिलों चालानों के समय पर भुगतान के लिए एक अनुवर्ती तंत्र विकसित किया गया।
- मध्यस्थता मामलों से संबंधित दस्तावेजों, अभिलेखों और फाइलों का डिजिटलीकरण शुरू कर दिया गया है
- दूरदर्शन रेट कार्ड के प्रावधानों के बारे में केंद्रों में कार्यान्वयन और जागरूकता शुरू की गई और त्रुटि से बचने के लिए डीसीएस द्वारा बिलिंग की काउंटर जांच भी शुरू की गई है।
- मैनुअल बिलिंग के स्थान पर ऑनलाइन बिलिंग ब्रॉडकास्ट एयरटाइम शेड्यूलर (बीएटीएस) ग्राहकों के लिए आरंभ किया गया।
- एक नई पंजीकरण और प्रत्यायन नीति लागू की गई है।

ii. लोक संपर्क सेवा (पीओएस) पूर्व में विकास संचार प्रभाग (डीसीडी):

सरकारी विभागों/मंत्रालयों/सार्वजनिक उपक्रमों की संचार आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास संचार प्रभाग (डीसीडी), को लोक संपर्क सेवा (पीओएस) के रूप में पुनर्नामित किया गया था, जिसे मार्च, 2001 में एकल विंडा विपणन प्रभाग और नवीन विकास संचार मॉडल के साथ एक प्रोडक्शन हाउस के रूप में कार्य करने के लिए स्थापित किया गया था। यह मीडिया प्लानिंग, प्रोग्राम प्रोडक्शन, शेड्यूलिंग और इम्पैक्ट इवैल्युएशन के सभी पहलुओं को कवर करने वाले टर्न-की समाधान प्रदान करता है। विकास संचार प्रभाग निम्नलिखित के लिए एकल सुविधा पटल (सिंगल विंडो) की सुविधा प्रदान करता है:

- दूरदर्शन के प्रसारण समय और कार्यक्रम निर्माण क्षमता का विपणन
- परामर्श और अनुकूलित मीडिया योजना



- क्षेत्रीय भाषाओं में देश भर के केंद्रों में कार्यक्रमों का निर्माण; और
- ग्राहकों के लिए प्रतिक्रिया और अनुसंधान सर्वेक्षण

अपनी स्थापना के थोड़े समय के भीतर, पीओएस भारी राजस्व सृजन करने और दूरदर्शन के भीतर इन-हाउस कार्यक्रम निर्माण करने की गतिविधियों को पुनर्जीवित करने में सफल रहा है। चालू वर्ष 2022-23 में, सक्रिय दृष्टिकोण के साथ पीओएस ने अप्रैल, 2022 से 30 नवंबर, 2022 तक रु.74.0 करोड़ का शुद्ध राजस्व दर्ज किया है और 108.0 करोड़ रु. का व्यवसाय सृजित किया है।

अप्रैल 2022 से कुछ प्रमुख गतिविधियां:

- आईसीएआर-डीआरएमआर सेवा द्वारा प्रायोजित और डीडीके मथुरा द्वारा निर्मित सरसों और रेपसीड की खेती पर छः धारावाहिक श्रृंखला।
- पर्यटन मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मेदाराम जंतारा आदिवासी महोत्सव (हिंदी और अंग्रेजी में) जिसे डीडी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चैनलों के माध्यम से प्रसारित किया गया।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित स्वच्छ भारत (स्वच्छमेव जयते) पर 19 एपिसोड।
- श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा प्रायोजित समाधान पोर्टल-उमंग ऐप पर एनिमेशन फिल्म।
- जल शक्ति मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित जल संरक्षण पर 10 फिल्में, जल है तो जीवन है।
- उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित स्टार्ट-अप अभियान 2.0 पर 18 एपिसोड।
- आतंकवाद के विरुद्ध और कट्टरता के विरुद्ध विषय पर गृह मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित लघु फिल्में।
- श्री माइक पांडे द्वारा अर्थ मैटर्स 2.0 परियोजना के संबंध में कार्यक्रम निर्माण जारी है और यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है।

iii. ग्लोबल आउटरीच

प्रसार भारती का ग्लोबल आउटरीच स्कंध अंतरराष्ट्रीय संबंधों की गतिविधियों से संबंधित है जैसे कि विदेशों के लोक सेवा प्रसारकों/संगठनों के साथ समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना, सामग्री विनिमय के प्रसारण से संबंधित लेखों का कार्यान्वयन, क्षमता निर्माण प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता आदि। यह प्रसार भारती के सभी कार्यक्षेत्रों में विदेशी प्रसारकों की आधिकारिक यात्रा की सुविधा प्रदान करता है, विदेशी एमओयू भागीदारों के साथ-साथ एबीयू, एआईबीडी आदि जैसे अंतराष्ट्रीय प्रसारण संघों के लिए देश में/उप-क्षेत्रीय कार्यशालाओं/सम्मेलनों/कार्यक्रमों का आयोजन करता है; अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों/सम्मेलनों में अपने अधिकारियों की भागीदारी का आयोजन करता है।

देश की विविधतापूर्ण और बहुरंगी विरासत दुनिया भर में दिखाने के लिए डीडी इंडिया चैनल ने दर्शकों की संख्या का विस्तार करने के लिए भारत सरकार की नीति के अनुसरण में, प्रसार भारती का ग्लोबल आउटरीच प्रभाग लगातार कई विदेशी प्रसारकों के साथ विभिन्न शैलियों की प्रसारण सामग्री का परस्पर आदान-प्रदान करने के लिए प्रयास कर रहा है तथा डीडी इंडिया चैनल को विभिन्न उपलब्ध और लोकप्रिय प्लेटफॉर्म जैसे डीटीएच, ओटीटी, केबल, आईपीटीवी आदि पर प्रसारित करने का कार्य कर रहा है।

जैसा कि भारत वर्ष 2022 में अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा (थीम : आज़ादी का अमृत महोत्सव) ब्रिटिश शासन से अपनी स्वतंत्रता को मनाने के लिए स्वभाविक गौरव के साथ, भारत के सबसे बड़े लोक सेवा प्रसारक होने के नाते प्रसार भारती ने नई दिल्ली में वर्ष 2022 में एबीयू जिनमें एबीयू रोबोकॉन 2022, एबीयू ग्लोबल न्यूज़ फोरम 2022, 59वीं एबीयू महासभा और संबद्ध बैठकें 2022 शामिल हैं। सबसे प्रमुख कार्यक्रमों की मेजबानी करने का भी निर्णय लिया।।



59वां एबीयू जीए सम्मेलन

4. कॉर्पोरेट विपणन प्रभाग

प्रसार भारती का कॉर्पोरेट विपणन प्रभाग संगठन के लिए मीडिया, विज्ञापन, पीआर और प्रचार गतिविधियों का संचालन करता है। प्रसार भारती की गतिविधियों और कार्यक्रमों के प्रचार के लिए सभी प्रकार के संचार, विज्ञापन, बाहरी प्रचार, प्रेस विज्ञप्ति, पुस्तिकाएं, प्रेस सम्मेलन आदि किए जाते हैं।



रंग भवन, आकाशवाणी में सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर द्वारा स्वराज प्रोमो का शुभारंभ



- प्रसार भारती के लोगो का सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव द्वारा 11 जुलाई, 2022 को शुभारंभ किया गया था।
- जून, 2022 में स्मार्ट इंडिया हैकथॉन के लिए मीडिया पार्टनरशिप करार किया गया, 16-17 नवंबर 2022 को सीआईआईबिग पिक्चर समिट किया गया।
- बीओसी से 50 साइटों को किराए पर लेकर 6 महीने के लिए स्वराज, कॉर्पोरेट सरपंच, सुरों का एकलव्य, जय भारती, आदि के लिए आउट डोर प्रचार किया गया।
- 15 जुलाई, 2022 को आकाशवाणी के रंग भवन में सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर द्वारा स्वराज प्रोमो का शुभारंभ।
- 5 अगस्त, 2022 को आकाशवाणी के रंग भवन में माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के लिए 'स्वराज' की स्क्रीनिंग, 17 अगस्त, 2022 को कैबिनेट मंत्रियों की उपस्थिति में संसद भवन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लिए 'स्वराज' की स्क्रीनिंग।

5. दर्शक अनुसंधान एकांश

दूरदर्शन का दर्शक अनुसंधान एकांश देश भर में दूरदर्शन केंद्रों में स्थित अपनी 19 फील्ड इकाईयों के साथ 1976 से प्रसारण के विभिन्न पहलुओं पर शोध अध्ययनों में कार्यरत है। इस अवधि के दौरान, दर्शक अनुसंधान का योगदान इस प्रकार है:

- डिजिटल स्थलीय प्रसारण पर टेलीविजन ऑडियंस सर्वे, सितंबर, 2022।
- आकाशवाणी, दिल्ली के एफएम रेनबो, गोल्ड चैनल्स और विविध भारती पर रेडियो श्रोता सर्वेक्षण: नवंबर-दिसंबर, 2022, भोपाल में एफएम रेडियो श्रोता सर्वेक्षण, जनवरी, 2023 और इंफाल में, दिसंबर, 22।
- केंद्र शासित प्रदेश जम्मू के सीमावर्ती क्षेत्रों में समाचारों पर रेडियो श्रोता सर्वेक्षण, फरवरी-मार्च, 2023।
- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम मतदाता जंक्शन पर टेलीफोन सर्वेक्षण
- साप्ताहिक आधार पर बीएआरसी टेलीविजन व्यूअरशिप रिपोर्ट का विश्लेषण और रिपोर्टिंग और डीडी केंद्रों से अनुरोध पर दर्शकता आंकड़े की आपूर्ति।



भारत का लोक सेवा प्रसारक

prasarbharati.gov.in



prasarbharati



ANDROID



APPLE